बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

PMG

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
सोमवार 01 सितम्बर 2025
भाद्रपद शुक्ल 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 338
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

एससीओ समिट में पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति के साथ की द्विपक्षीय वार्ता, शी जिनपिंग का ट्रंप को सीधा मैसेज

हाथी और ड्रैगन की दोस्ती निर्णायक...

नई दिल्ली। चीन के तिआनजिन शहर में चल रहे एससीओ समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। सात साल बाद चीन पहुंचे पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक घंटे लंबी द्विपक्षीय वार्ता की। इस बातचीत में दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के बीच मीटिंग में शी जिनपिंग ने कहा कि दोस्त बनना, अच्छे पड़ोसी बनना और ड्रैगन (चीन) और हाथी (भारत) का एक साथ आना बहुत जरूरी है। लगभग एक घंटे चली बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय रिश्तों में हालिया प्रगति पर जोर दिया। पीएम ने मीटिंग के दौरान सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों के बीच हुआ समझौता, कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली और दोनों देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स शुरू होने का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित हमारे सहयोग से जुड़े हैं। यह पूरी मानवता के कल्याण का भी मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि हम आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और कई अहम पहलुओं पर चर्चा की। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पीएम मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि आपसे दोबारा मिलकर बहुत खुशी हुई। मैं आपको चीन में एससीओ समिट के लिए स्वागत करता हूं। पिछले साल हमारी कज़ान में सफल मुलाकात हुई थी। शी जिनपिंग ने इस मुलाकात को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि दुनिया इस समय बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है। चीन और भारत न सिर्फ दो सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं, बल्कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भी हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं।

मतभेद विवादों में न बदलें

विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि पीएम मोदी और जिनपिंग ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर आतंकवाद जैसी चुनौतियों पर साझा आधार को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही दोहराया कि भारत और चीन विकास के साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं और मतभेद विवादों में नहीं बदलने चाहिए। मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए न्योता दिया, जिसकी मेजबानी भारत 2026 में करेगा। जिनपिंग के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के महत्व पर चर्चा की। पीएम मोदी और शी ने सीमा मुद्दे के निष्पक्ष, उचित और आपसी तौर पर स्वीकार्य समाधान के लिए प्रतिबद्धता जताई। साथ ही पिछले साल सैनिकों की सफल वापसी और उसके बाद से सीमा पर शांति कायम रहने पर संतोष व्यक्त किया।

चीन और भारत दुश्मन नहीं, दोस्त है

जिनपिंग ने पीएम मोदी के साथ हुई बातचीत में कहा कि चीन और भारत दुश्मन नहीं, बल्कि साझेदार हैं और दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं विकास के लिए अवसर हैं। जिनपिंग ने कहा कि जब तक दोनों देश अपने रिश्तों को सुधारने की दिशा में काम करते रहेंगे तब तक हम विकास करते रहेंगे। शी ने कहा कि चीन और भारत को अच्छे पड़ोसी और एक-दूसरे की सफलता में मदद करने वाले दोस्त बनना चाहिए।

आतंकवाद से लड़ाई में भारत का साथ दे चीन

पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के साथ बैठक में आतंकवाद का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। साथ ही आतंकवाद को वैश्विक खतरा बताते हुए चीन से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का साथ देने की अपील की है।

दोस्त बने रहना सही विकल्प

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि दोनों देशों के लिए दोस्त बने रहना सही विकल्प है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हाथी और ड्रैगन को एक-दूसरे की सफलता के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए। जिनपिंग ने कहा कि हम दोनों अपने लोगों की भलाई में सुधार लाने, विकासशील देशों की एकजुटता और कायाकल्प को बढ़ावा देने के साथ मानव समाज की प्रगति को गति देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी उठाते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों के लिए यह सही विकल्प है कि वे ऐसे दोस्त बनें जिनके बीच अच्छे पड़ोसी और सौहार्दपूर्ण संबंध हों, ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में सहायक हों, और ड्रैगन और हाथी एक साथ काम करें। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिये से देखना चाहिए।

सितंबर 2025 में मणिपुर के दौरे पर जा सकते हैं पीएम मोदी

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर 2025 में मिजोरम और मणिपुर का दौरा कर सकते हैं। मिजोरम की यात्रा की पुष्टि हो चुकी है, जहां वह एक नई रेल लाइन का उद्घाटन करने वाले है। वहीं, मणिपुर की यात्रा पर अभी विचार चल रहा है। अगर पीएम मोदी की मणिपुर यात्रा होती है, तब यह मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद उनकी पहली मणिपुर यात्रा होगी। दरअसल पीएम मोदी 13 सितंबर को मिजोरम जाएंगे। यहां वह एक नई रेल लाइन का उद्घाटन करने वाले है।

मराठा आरक्षण : आरक्षण मिलने तक जारी रहेगा अनशन

आज से पानी भी छोड़ देंगे मनोज जरांगे

मुंबई। मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने मराठा समुदाय को ओबीसी वर्ग के आधार पर आरक्षण देने की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में शुक्रवार को भूख हड़ताल शुरू की। आज उनकी भूख हड़ताल का तीसरा दिन है। जिसके बाद उनकी तबियत भी बिगड़ गई। इस बीच अब मनोज जरांगे ने यह कह दिया कि वो पानी तक नहीं पियेंगे। जरांगे पाटिल ने 29 अगस्त से अनाज का सेवन बंद कर दिया था और वो केवल पानी पर निर्भर थे, लेकिन अब सोमवार से वो पानी पीना भी बंद कर देंगे। मनोज जरांगे अपना आमरण अनशन जारी रखेंगे।

मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि सोमवार से मैं बिना पानी अनशन करूंगा। अनाज तो मैंने उसी दिन से छोड़ दिया था जब से मैं आजाद मैदान में आया हूं। आप सभी शांति बनाए रखें। किसी भी प्रकार का हंगामा या उपद्रव न करें। मैं आप सभी को भरोसा दिलाता हूं कि जब तक हमें आरक्षण नहीं मिलता तब तक मैं आजाद मैदान को नहीं छोड़ूंगा। लेकिन हमारी यह लड़ाई पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहेगी। किसी भी तरह की पत्थरबाजी या हिंसा नहीं होनी चाहिए। आम मुंबई की जनता को कोई परेशानी नहीं पहुंचनी चाहिए।

रेनकोट और छतरी की गरज नहीं

भोजन के लिए किसी को भी पैसे न दें। जो भी खाना बांट रहे हैं उनको पैसे मत दो। खाना हमारे समाज के लोग उपलब्ध करा रहे हैं। कोई अगर छतरी या रेनकोट बांट रहा हो तो उसे मत लो, हमें रेनकोट और छतरी की कोई गरज नहीं है। मराठा आरक्षण को लेकर के बीते तीन दिनों से मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान पर मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल के नेतृत्व में लाखों की संख्या में मराठा मुंबई में आंदोलन कर रहे हैं।

ओबीसी आरक्षण और संवैधानिक पहलू

मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि हम हमारे अधिकार मांग रहे हैं जो की बिल्कुल संवैधानिक रूप रेखा के अंतर्गत आता है। सरकार हमें ओबीसी कोटा के अंतर्गत कुनबी प्रमाण पत्र देकर हमारी मांगों को पूरी करें। इसके अलावा मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि उनकी मांग जायज है। सरकार बहाने बना रही है। सरकार या तो उनकी मांग पूरी करें या तो उनके करने का इंतजार करें तभी वो आंदोलन खत्म होगा।

मराठा आंदोलनकारियों की मुश्किलें

बारिश और धूप दोनों ही मुंबई में बनी हुई है, लेकिन बीते तीन दिनों से आंदोलनकर्ता अपनी मांगों को लेकर मराठा आजाद मैदान परिसर में बने हुए हैं। बालासाहब ठाकरे के बाद मनोज जरांगे पाटिल ने मुंबई की रफ्तार रोक दी है, लेकिन मराठाओं की ऊर्जा में कोई कमी नहीं है। मराठा आंदोलनकर्ता अब देसी खाने से अपना पेट भर रहे हैं। आंदोलनकर्ताओं ने कहा कि वो इस खाने से संतुष्ट हैं। सरकार अपनी तरफ से कुछ सुविधा नहीं दे रही है, लेकिन वो अपनी व्यवस्था खुद कर रहे हैं। कुछ का कहना है कि उन्हें शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है, वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई। इसके अलावा आंदोलनकर्ताओं ने राज्य सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि सरकार और पुलिस उनकी गाड़ियों को मुंबई में घुसने से रोक रही है।

खास खबर

गोला-बारूद समेत जखीरा जब्त

चम्फाई। असम राइफल्स ने चम्फाई जिले के सैकुम्फाई गांव और उसके आसपास तलाशी अभियान चलाकर भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार जब्त किए। तलाशी अभियान के दौरान टीम ने घर से एक 12 बोर राइफल, एक पिस्तौल, गोला-बारूद और विस्फोटक, ग्रेनेड और जंग लड़ने सरीखा असलहा जब्त किया। खुफिया जानकारी के आधार पर टीम ने घर के पास के जंगल में छिपे हुए भंडार का पता लगाया, जिसमें बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य युद्ध संबंधी सामान थे। बयान में कहा गया कि इस जखीरे में एक हेकलर और कोच जी3 असॉल्ट राइफल, दो स्प्रिंगफील्ड स्नाइपर राइफल, दो शॉटगन, एक एमए असॉल्ट राइफल और दो हैंड ग्रेनेड शामिल हैं।

पंजाब के 1000 से ज्यादा गांवों में बाढ़

पठानकोट। पंजाब के आठ जिलों में भारी बारिश के बाद 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। 11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया है। रावी नदी का जलस्तर बढ़ने से गुरदासपुर के घोनेवाले में धुस्सी बांध टूट गया। इसके चलते पानी करीब 15 किलोमीटर दूर अजनाला शहर तक पहुंच गया। बाढ़ की वजह से 80 गांव पानी में डूबे हैं। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक महिला लापता है। कटरा में वैष्णो देवी यात्रा 6 दिन से रुकी है।

पुंछ में 2 आतंकी गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों को एक बार फिर 2 आतंकियों को पकड़ने में सफलता मिली है। रविवार को जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में 2 आतंकी गिरफ्तार हुए हैं। मुखबिर की सूचना के आधार पर छापा मारकर सुरक्षा बलों और स्टेट पुलिस ने दोनों आतंकियों को पकड़ा। अधिकारियों ने बताया कि छापामारी के दौरान आजमाबाद के तारिक शेख और चैंबर गांव के रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया। उनकी निशानदेही पर दो असॉल्ट राइफलें और कुछ गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस ने आजमाबाद स्थित शेख के घर पर छापा मारा और उसे उसके साथी अहमद के साथ गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद, पुलिस टीम ने जलियां गांव में शेख के किराए के मकान पर छापा मारा और हथियार जब्त कर लिए।

सीवर टैंक में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

कानपुर। कानपुर देहात में दुखद घटना सामने आई है, जहाँ बिगाही गांव में एक नवनिर्मित सीवर टैंक में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई। इस घटना में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब एक मजदूर मुबीन (26) शटरिंग हटाने के लिए सीवर टैंक में उतरा और जहरीली गैस के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मुबीन को बचाने के लिए उसके साथी मजदूर सर्वेश कुशवाहा (32) और मकान मालिक सुरेंद्र गुप्ता उर्फ अमन (22) भी टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस के प्रभाव में आकर अपनी जान गँवा बैठे। मुबीन के भाई इसरार (22) ने भी उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह भी गैस से प्रभावित हुआ।

दिल्ली से इंदौर आ रही फ्लाइट के इंजन में आग

अलर्ट मिलने पर एअर इंडिया के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, सभी पैसेंजर सुरक्षित

इंदौर। दिल्ली से इंदौर आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 2913 में टेकऑफ के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी आ गई। कॉकपिट में हवाई जहाज के दाहिने इंजन में आग लगने का अलर्ट मिला। जिसके बाद पायलट ने तुरंत दाहिना इंजन बंद कर दिया और एक इंजन पर विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई।

एअर इंडिया ने जानकारी दी है कि जैसे ही अलार्म बजा, पायलट ने बिना देर किए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन किया। विमान को नियंत्रित रखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस लाया गया। लैंडिंग के तुरंत बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रनवे पर पहले से मौजूद सिक्योरिटी और फायर ब्रिगेड ने विमान की जांच की है।

मामले की जांच कर रहे

एअर इंडिया प्रवक्ता के मुताबिक, सभी पैसेंजर्स को उनके डेस्टिनेशन तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक फ्लाइट की व्यवस्था की गई है। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है। एअर इंडिया की तरफ से कहा गया है कि पैसेंजर की सुरक्षा को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। हम मामले की जांच कर रहे हैं।

तकनीकी जांच के लिए विमान ग्राउंड

विमान को फिलहाल ग्राउंड कर दिया गया है। इंजीनियरों की टीम इसकी तकनीकी जांच कर रही है, ताकि खराबी की असली वजह सामने आ सके। एअर इंडिया प्रवक्ता ने कहा कि पूरे ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया गया।

बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी बसपा

लखनऊ। बसपा ने बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान किया है। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी और दो दिनों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठकों के बाद अपने संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली है। सोशल साइट एक्स पर एक पोस्ट में, मायावती ने कहा कि वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ उम्मीदवारों के चयन और अगले कुछ महीनों में होने वाले चुनावों की समग्र तैयारियों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि अगले महीने की शुरुआत में शुरू होने वाली पार्टी यात्राओं और जनसभाओं जैसे कार्यक्रम उनकी प्रत्यक्ष देखरेख में आयोजित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले उड़ीसा और तेलंगाना राज्य में भी पार्टी संगठन की तैयारियों व वहाँ भी यूपी के पैटर्न पर जिला से लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन के साथ-साथ पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के मिशनरी कार्यों के लिये दिये गये टारगेट की भी समीक्षा बैठक पार्टी प्रमुख द्वारा स्वयं अलग-अलग से ली गयी।

गुजरात कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में देश में नंबर वन - अमित शाह

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि भाजपा सरकार में गुजरात की सीमाएँ दुश्मनों के लिए अभेद्य किले बन गई हैं। एक समय था जब गुजरात में कई-कई दिनों तक कर्फ्यू लगा रहता था। लेकिन अब गुजरात कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में पूरे देश में नंबर वन है। अमित शाह ने कहा कि गुजरात की सुरक्षा आज और बढ़ गई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के गृह विभाग ने गुजरात की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आज 3 महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज अपने गुजरात दौरे के दूसरे दिन गांधीनगर के राम कथा मैदान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने गृह विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया। जिसके तहत 112 जनरेटर परियोजनाओं का ई-उद्घाटन, गृह विभाग के 217 करोड़ रुपये की लागत के नवनिर्मित आवासीय और गैर-आवासीय मकानों का ई-उद्घाटन और गांधीनगर जिले के मानसा पुलिस स्टेशन को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा जारी आईएस-15700 प्रमाण पत्र का वितरण शामिल है। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आज केंद्रीय गृह मंत्री अमितभाई शाह ने डायल 112 जनरक्षक परियोजना, नवनिर्मित आवासों, पुलिस वाहनों का उद्घाटन किया गया है जिससे पुलिस विभाग को और मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज अहमदाबाद में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। आज सुबह उन्होंने लाल दरवाजा स्थित नगरदेवी भद्रकाली माताजी के मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद, लाल दरवाज़ा स्थित पुनर्विकसित सरदार बाग़ का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा, अहमदाबाद नगर निगम के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा। इसके साथ ही, अहमदाबाद महानगर में विकास की गति को और गति मिलेगी। महानगर के हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने तीन जगहों पर पौधरोपण किया। सबसे पहले उन्होंने साबरमती स्थित आहवाडिया झील में और फिर स्टेडियम वार्ड के अंदर पौधरोपण किया। अहमदाबाद के सरदारबाग गार्डन, जिसे एएमसी द्वारा एनएमपी फाउंडेशन ने पीपीपी मॉडल पर विकसित किया है, का उद्घाटन अमित शाह ने किया। बाद में, अमित शाह ने घाटलोडिया में पानी की टंकी के बगल में स्थित आयुष्मन का दौरा किया और वहाँ वृक्षारोपण किया। इसके अलावा उन्होंने वहां विभिन्न अध्यक्षों और सचिवों से मुलाकात की और एक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन भी किया। शनिवार को अहमदाबाद पहुंचे अमित शाह ने देर शाम जोधपुर और वस्त्रापुर में दो सार्वजनिक गणेश उत्सवों में भाग लिया था। आज भी अमित शाह अहमदाबाद में विभिन्न कार्यक्रमों में मौजूद रहे। अमित शाह ने शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। ओगणज, चांदलोडिया में शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। राणिप और नवा वाडज में वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

कुछ ना कहना

आज पटना में पदयात्रा करेंगे राहुल गांधी

कार्यक्रम का नाम बदलकर अंबेडकर रखा

पटना। 15 दिन का सफर तय करके महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा अब अपनी समापन पर है। 1 सितंबर को राहुल गांधी सहित अन्य नेता गांधी मैदान के गांधी मूर्ति से शुरू होकर हाई कोर्ट के अंबेडकर स्मारक तक 4 किलोमीटर की पदयात्रा करेंगे। इस वोटर अधिकार यात्रा के समापन कार्यक्रम का नाम गांधी से अंबेडकर रखा गया है। इस पदयात्रा के जरिए राहुल गांधी आंदोलन के जरिए संविधान बचाने का संदेश देना चाहते हैं, साथ ही सड़क की सियासत को सत्ता तक ले जाना चाहते हैं।

हालांकि, इस पदयात्रा से पहले रैली का कार्यक्रम था, जिसे बाद में बदल दिया गया। कांग्रेस की ओर से रैली के दिन 1 सितंबर को गांधी मैदान नहीं उपलब्ध हो पाने के कारण यह फैसला लेने की बात कही गई है। वह समय रहते गांधी मैदान को आवंटित नहीं करा पाए। मगर इसके बावजूद उन्होंने पटना के अन्य मैदान जैसे वेटनरी कॉलेज ग्राउंड या मिलर ग्राउंड को आवंटित न करके सीधे पदयात्रा का ऐलान कर दिया। आखिर इस बदलाव का क्या कारण है। इस पदयात्रा से राहुल क्या मैसेज देना चाह रहे हैं। हालांकि जिला प्रशासन ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित किसी भी व्यक्ति या दल द्वारा गांधी मैदान में आज रात्रि में रुकने या किसी अन्य कार्य के लिए अनुमति नहीं मांगी गई है।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 7 की मौत

लखनऊ। एक भीषण हादसा हुआ है। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट होने से 7 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आ रही है। वहीं कई लोग घायल हुए हैं। अब भी कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और राहत बचाव दल मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चला रहे हैं। मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि गुडंबा के बेहटा गांव में अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। जहां जोरदार विस्फोट हुआ है। विस्फोट इतना भयानक था कि इलाका गूंज उठा। धमाके की आवाज सुनते ही लोगों के बीच अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। अब तक घटना में 7 लोगों के जान जाने की जानकारी सामने आई है। कई अब भी मलबे में दबे हैं, जिनका रेस्क्यू किया जा रहा है। वहीं घटना को लेकर सीएम योगी ने दुख जताया है और अपनी संवेदना व्यक्त की है।

आजादी के 79 वर्ष बाद भी दलदल सड़क से आवागमन करने को मजबूर हुए ग्रामीण

ग्राम पंचायत अमेडा से सुरवाही मार्ग का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। दूर-दूर बसे मजरे-टोलों, गांवो और खेत समूहों को जोड़ने के लिए शासन प्रशासन द्वारा सड़क सम्पर्क सुविधा तो मुहैया करा दी गई है।लेकिन उन सड़को का मेंटेनेंस ना होने के चलते इन सड़कों के आसपास बसे गांव और पहुंच मार्ग के समीप आने वाले टोले के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जहां सुदूर सड़क खराब होने के चलते ना तो सड़क राहगीरों के चलने लायक बची है, और ना ही इस मार्ग से लोग अपने अन्य गावो व खेतो तक पहुंच पा रहे हैं। इसके अलावा खेती के उपकरण भी इस मार्ग से नहीं गुजर पा रहे हैं।वही ग्रामीणों का पैदल चलना भी दुश्वार हो चुका है।जिसके चलते स्थानीय ग्रामीणों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ताजा मामला जनपद पंचायत बालाघाट के अंतर्गत आने वाले ग्राम अमेड़ा का है।जहा आजादी के 79 वर्ष गुजर जाने के बावजूद भी ग्राम पंचायत के ग्रामीण, किसान एंव राहगीर आज भी मूलभूत सुविधा के लिए तरस रहे है।इस गांव में रहने वाले ग्रामीणजनों को खेत एंव अन्य गांव पहुंचने के लिए जो सुदूर मार्ग है उसके काफी बुरे हालात है।जहा के ग्रामीण आज भी दलदल सड़क से आवागमन करने के लिए मजबूर है। गांव के किसानों को खेत जाने की सबसे बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीण बताते है कि करीब 3 किमी मार्ग को बनाने की मांग पिछले कई वर्षों से की जा रही है बावजूद इसके भी उक्त सड़क का निर्माण नही कराया जा रहा है।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें आवागमन के लिए सुदूर सड़क के पक्के निर्माण की सौगात दिए जाने की मांग की है। जिन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर जिला पंचायत के सामने धरना प्रदर्शन कर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

आए दिन हो रही सड़क दुर्घटना

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार अमेड़ा से सुरवाही पहुंच मार्ग के लिए बनाई गई सुदूर सड़क अपनी बदहाली पर आंसू बहाती नजर आ रही है.सुदूर सड़क में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं वही बरसाती पानी जमा होने से लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीण बताते हैं कि आए दिनों राहगीर इस सड़क पर गिरकर घायल हो रहे हैं।जिस पर किसी का कोई ध्यान नहीं है।ग्रामीणों के अनुसार जब से यह सुदूर सड़क बनी है तब से ही इस सड़क की मरम्मत नहीं हो पाई है जिसके चलते सड़क जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है और उससे आने जाने में किसानों और अन्य ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जिन्होंने जल्द से जल्द इस सुदूर सड़क मार्ग को बनाए जाने की मांग की है।

जर्जर मार्ग से पैदल चलना भी दुश्वार

ग्रामीणों के अनुसार कई वर्ष पूर्व सुदूर सड़क मार्ग का निर्माण कराया गया था जो वर्तमान में जर्जर हो चुकी है। मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने से किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं उक्त मार्ग से हार्वेस्टर, ट्रैक्टर सहित अन्य कृषि यंत्र खेत तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। वही बरसात के दिनों में कच्चे रास्ते से किसानों का पैदल चलना दुश्वार हो गया है।जिन्होंने जल्द से जल्द उक्त मार्ग का पुनः निर्माण किए जाने की मांग की है।वही मांग पूरी ना होने पर जिला पंचायत के सामने धरना प्रदर्शन कर आंदोलन की चेतावनी दी है।

जल्द से जल्द बनाई जाये सड़क- शारदा कटरे

स्थानीय ग्रामीण महिला श्रीमती शारदा कटरे ने बताया कि ग्राम अमेड़ा से सुरवाही जाने वाली रोड काफी जर्जर हो चुकी है।जिससे साइकिल तक नहीं जा पा रही है।लोग पैदल आना जाना करते हैं। जिसमें भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।हमारी मांग है कि जल्द से जल्द इस सुदूर सड़क मार्ग को बनाया जाए।

वहीं ग्रामीण महिला दासा बाई मात्रे ने बताया कि इस सड़क में हमेशा कीचड़ रहता है। कई बार किसान लोग गिर जाते हैं। इस मार्ग से रोजाना किसानों का आना-जाना होता है।सुरवाही तक किसानों की खेती लगी हुई है यदि यह सड़क बन जाएगी तो लोगों का आवागमन आसान हो जाएगा।

1994 से सड़क की कर रहे हैं मांग- गाडेश्वर

वही अमेडा पूर्व सरपंच मनोज गाडेश्वर ने बताया कि अमेडा से सुरवाई की ओर जाने यह सड़क, अमेडा, सुरवाही, पायली, टेकाड़ी गांव को जोड़ती है 1994 से लेकर सड़क को बनाने का प्रयास कर रहे हैं आज 2025 तक हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई है शासन प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा है हमारी मांग है कि इस सड़क को बनाने की स्वीकृति पंचायत को मिलनी चाहिए।

तो जिला पंचायत पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा- दिलीप लिल्हारे

वहीं सरपंच प्रतिनिधि दिलीप लिल्हारे ने बताया कि कंकर मुंजारे जब विधायक थे।तब गिट्टी और मुरम से यह सुदूर सड़क बनी थी। तब से लेकर आज तक इसकी मरम्मत नहीं हो पाई है।करीब 500 किसानों का रोजाना इस सड़क से आना जाना होता है।बारिश के समय सबसे अधिक परेशानी होती है।यह 3 किलोमीटर का रास्ता है।लेकिन शासन प्रशासन इसको बनाने में अनदेखी कर रहा है।इस सड़क को बनाने के लिए टीएस हो चुका है लेकिन एएस नहीं हुआ है जिला पंचायत में पिछले दो वर्षों से हमारी फाइल पड़ी हुई है। लेकिन उस पर अब तक साइन नहीं हुए है। इसके अलावा इस सुदूर सड़क को बनाने के लिए हमने पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल को भी ज्ञापन सौपा है।जिसमें सड़क के साथ-साथ अमेडा में नया केंद्र आंगनवाड़ी भवन, दो आशा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति, कचरा गाड़ी सहित अन्य मांगों पूरी किए जाने की गुहार लगाई है इसके बाद भी यदि सड़क का पुनः निर्माण नहीं कराया जाता। तो फिर समस्त गांव के ग्रामीणों के साथ मिलकर जिला पंचायत कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन आंदोलन किया जाएगा।

रेत से भरे तीन ट्रैक्टर ट्राली को छोड़कर भागे ट्रैक्टर चालक

खैरलांजी पुलिस ने चंदन नदी के घाट में की कार्यवाही रेत से भरे तीन ट्रैक्टर ट्राली जप्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के चलते बीती रात खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चिचोली कन्नड़गांव एवं चुटिया गुनई चंदन नदी के घाटों में खैरलांजी पुलिस द्वारा की जा रही छापामार कार्यवाही के दौरान तीन ट्रैक्टर के चालक ट्रैक्टर ट्राली छोड़कर फरार हो गए। रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन की यह घटना बीती रात में हुई। खैरलांजी पुलिस ने मोके से ट्रेक्टर चालको द्वारा छो? गये रेत से भरे तीनों ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त कर लिए । उनके चालकों की तलाश शुरू की है।जप्त तीनों ट्रैक्टर ट्राली की कीमत 18 लाख रुपए बताई गई है।

खैरलांजी पुलिस के मुताबिक 30 एवं 31 अगस्त की दरमियानी सूचना मिली कि ग्राम चिचोली कन्नड़ गांव एवं ग्राम चुटिया गुनई स्थित चंदन नदी के घाटों पर चोरी चुपके अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना पर खैरलांजी थाना प्रभारी निरीक्षक राम सिंह पटेल अपनी टीम के साथ चंदन नदी के दोनों घाटों पर छापामार कार्रवाई निकले थे। ग्राम चिचोली कन्नड़ गांव एवं चुटिया गुनई चंदन नदी के घाट में छापामार कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम को देखकर ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर ट्राली को छोड़कर फरार हो गए। पुलिस टीम ने ग्राम चिचोली कन्नड़ गांव चंदन नदी के घाट से बिना नंबर की रेत से भरे एक ट्रैक्टर ट्राली तथा ग्राम चुटिया गुनई चंदन नदी के घाट से रेत से भरी दो ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त किये। तीनों ट्रैक्टर ट्राली को थाना परिसर में लाकर खड़ा करवा दिया गया है इस मामले में तीनों ट्रैक्टर के चालकों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 258/2025 एवं अपराध क्रमांक 259/ 2025 में धारा 303(2) 317(5) भारतीय न्याय संहिता,धारा 4/21 खान अधिनियम और धारा 53(1) मध्य प्रदेश गोंड खनिज अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।फरार ट्रैक्टर चालकों की की तलाश की जा रही है। जप्त किए गए तीनों ट्रैक्टर ट्राली की कीमत 18 लाख रुपए बताई गई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी राम सिंह पटेल के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक सतीश गेडाम, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र नागभिरे, आरक्षक रामसिंह, आरक्षक शिवजीत, आरक्षक प्रेम दीक्षित की सराहनीय भूमिका रही।

शिक्षा विभाग में 43 वर्ष दी सेवाएं

रिटायर होने पर ऐतिहासिक तरीके से दी गई विदाई

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। विकासखंड कटंगी के अलग-अलग स्कूलों में 43 वर्ष 2 माह तक शैक्षणिक सेवाएं देने के बाद सांदीपनि स्कूल से 31 अगस्त 2025 को सेवानिवृत्त हुए उच्च श्रेणी शिक्षक संजय वर्मा को शाला परिवार ने समारोह का आयोजन कर विदाई दी. रविवार को स्कूल परिसर में समारोह का आयोजन हुआ. जहां शिक्षक संजय वर्मा का पूरा परिवार जिसमें धर्मपत्नी श्रीमती आभा वर्मा, पूर्णिमा संदीप वर्मा, पुत्र हर्ष, पुत्री प्रथा, भतीजी श्रेया, बहन संध्या और उनके साथी शिक्षक सहित स्कूल के विद्यार्थी शामिल हुए. विदाई समारोह के अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के जरिए शिक्षक के प्रति अपना आभार व्यक्त किया. विद्यालय प्रबंधन ने उनके योगदान की सराहना करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किया. सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. स्कूल के प्राचार्य शैलेन्द्र गुप्ता, उपप्राचार्य यतीन्द्र अग्रवाल और बीआरसी रविन्द्र हरिनखे? ने कहा कि शिक्षक संजय वर्मा को एक आदर्श शिक्षक और मार्गदर्शक के रूप में याद किया जाएगा. उनकी कमी विद्यालय परिवार को हमेशा महसूस होगी. सेवानिवृत्त प्राचार्य के.सी. साहू ने संजय वर्मा के साथ के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि वह जिले भर के तमाम शिक्षकों की परेशानियों का निराकरण करने के लिए सदैव तत्पर रहते थे. विदाई समारोह के दौरान स्कूल प्रबंधन और विद्यार्थियों ने शिक्षक संजय वर्मा को उपहार और भगवान की तस्वीर भेंट की. अंत में संजय वर्मा ने कि वह रिटायर नहीं हो रहे है वह सदैव शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं देते रहेंगे. शाम सा? 4 बजे स्कूल से भव्य जूलुस निकालकर उन्हें वाहन पर बिठाकर बाजे-गाजे के साथ नाचते-गाते हुए घर तक पहुंचाया गया. जुलूस का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया. अस्पताल मैदान के सामने प्रमोद दुबे ग्रुप ने स्वागत कर विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को स्वल्पाहार कराया. सिनेमा चौक में भूतपूर्व छात्रों ने शिक्षक संजय वर्मा का स्वागत किया. यहां पूर्व विधायक टामलाल सहारे भी शिक्षक के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. बस स्टैंड में बस एजेंटों ने उनका सम्मान किया।

27 अगस्त 1963 को डॉ राजहंस वर्मा के घर में जन्मे शिक्षक संजय वर्मा का शैक्षणिक सफर 01 जुलाई 1982 को प्राथमिक शाला सेलवा से शुरू हुआ. 1986 से वर्ष 2001 तक शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगी में अपनी सेवाएं दी. यहां से प्राथमिक शाला पीपल टोला में उनका तबादला हुआ जहां उन्होंने करीब 4 वर्ष सेवाएं दी. यहां से तबादला होने के बाद शासकीय माध्यमिक शाला अर्जुननाला में और फिर खैरलांजी, नट्टी टोला स्कूल में उन्होंने सेवाएं देते हुए वर्ष 2012 में सांदीपनि स्कूल पहुंचे जहां से वह 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हुए. संजय वर्मा ने अपने शैक्षणिक सफर के दौरान पिता से लेकर पुत्र तक को शिक्षा देने का काम किया है. इसी बात को लेकर कई बार वह अकसर विद्यार्थियों के साथ चुटकी भी लिया करते थे. जिसमें वह विद्यार्थियों को कुछ इस तरह समझाते कि सिर्फ तुझे नहीं तेरे पिता को भी मैनें पढ़ाया है।

बिना टीपी,14 चक्का वाहन से लकड़ी का छग हो रहा था परिवहन

वन विभाग कर्मियों ने की छापामार कार्यवाही, आरोपी को गिरफ्तार कर ट्रक किया जप्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर छापामार कार्यवाही करते हुए वन विभाग के कर्मचारियों ने बिना टीपी के 14 चक्का वाहन से लकड़ी का छत्तीसगढ़ परिवहन कर रहे एक आरोपी को लकड़ी से भरे ट्रक के साथ गिरफ्तार किया है।जिस पर वन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लकड़ी और ट्रक की जप्ती बनाई गई है।मामला पश्चिम बैहर सामान्य के अंतर्गत आने वाले कक्ष क्रमांक 1561, स्थित बाबा मंडी से गुजरने व रायपुर की ओर जाने वाले मार्ग का बताया गया है।जहां आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करते हुए वन कर्मियों ने ट्रक को जप्त कर तहसील बिरसा के ग्राम झामुल निवासी आरोपी 35 वर्षीय रोशन पिता संतुराम सोनकुतरे के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीती देर रात योजनाबद्ध तरीके से आरोपी को किया गया गिरफ्तार

प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी मिली थी, कोई व्यक्ति ट्रक में लकड़ियां भरकर अवैध तौर पर उसका परिवहन छत्तीसगढ़ कर रहा है।जिसकी सूचना पर 30 और 31अगस्त की दरमियानी रात यह कार्रवाई की गई है। बताया गया की छापेमार यह कार्यवाही वन मंडलाधिकारी उत्तर बालाघाट सामान्य व उपवन मंडलाधिकारी बैहर सामान्य के मार्गदर्शन में, वन परिक्षेत्र अधिकारी पश्चिम बैहर सामान्य के निर्देशन की गई।जानकारी के अनुसार बैहर क्षेत्र के ग्राम परसाटोला के भूमि स्वामी के आम ,किन्हीं की लकड़ी का रायपुर परिवहन किया जा रहा था।इस अंतराज्यीय गिरोह के आरोपी से भारत बेंज ट्रक 14 चक्का सीजी 04 एलवी 9695 ट्रक बिना टीपी परिवहन करते हुए वन कक्ष क्रमांक 1561,बाबा मंडी से गुजरने वाले रोड से जप्ती किया गया।

अलग अलग टीम कर रही थी आरोपी की तलाश

बताया गया कि इस ट्रक को जप्त करने के अलग अलग टीम बनाकर योजना बद्ध तरीके से रात्रि 2.45 को आरोपी ड्राइवर ,ट्रक मालिक जग रोशन सोनकुतरे पिता संतुराम, झामुल तहसील बिरसा से जप्ती कर पीआरओ 2681/15 दिनांक 31 अगस्त के तहत कार्यवाही कि गई।जिसमे मप्र अभिवहन वनोपज नियम 2022 की धारा 03,10 के तहत कार्यवाही कर प्रकरण तैयार किया गया है। जप्ती कार्यवाही में अरुणेंद्र शेखर तिवारी परिक्षेत्र सहायक बैहर, अक्षय कुमार यादव वनरक्षक बीट परसाटोला, राजेंद्र गुप्ता वनरक्षक बीट बैहर, राहुल कुमार वनरक्षक बीट सहायक परसाटोला, अतीक खान वाहन चालक, जियालाल सुरक्षा श्रमिक, घनश्याम सुरक्षा श्रमिक सहित अन्य का योगदान रहा।

कटंगी खैरलांजी में 18 महीनों में 185 करोड़ की विकास सौगात- विधायक गौरव पारधी

सांसद भारती पारधी एवं विधायक गौरव पारधी के ने मोहगांवघाट में किया नवीन पंचायत भवन का भूमि पूजन

नांदी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी खैरलांजी विधानसभा अंतर्गत ग्राम मोहगांवघाट में रविवार को अटल ग्राम सुशासन भवन (पंचायत भवन) के निर्माण हेतु भूमिपूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद श्रीमती भारती पारधी के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर विधायक श्री गौरव पारधी भी मौजूद रहे। ग्रामवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए यह भवन स्वीकृत किया गया है। नया पंचायत भवन न केवल पंचायत कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करेगा, बल्कि ग्राम के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सशक्त आधार बनेगा। सांसद और विधायक के ग्राम आगमन पर ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीण और नागरिकगण उपस्थित रहे, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

राहत भरी खबर — सरेखा रेलवे ओवरब्रिज का कार्य हुआ लगभग पूरा

टू व्हीलर्स और फोरव्हीलर के लिए कल से शुरू हो सकता है सरेखा पुल, अधिकारी ने दी जानकारी, अंतिम चरण में चल रहा कार्य

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रेलवे उड़ान पुल से जुड़ी एक राहत भरी खबर समाने आई है।जानकारी के अनुसार जिले के बहुप्रतिक्षित सरेखा रेलवे ओवरब्रिज का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। जहां तराई जैसे छुट-मुट कार्यों को छोड़कर यह ओवर ब्रिज बनकर लगभग तैयार हो चुका है।जिससे जल्द आवागमन भी शुरू किया जाएगा।जिसका निरीक्षण कर अधिकारियों द्वारा 2 से 5 सितंबर के बीच इस रेलवे ओवरब्रिज को टू व्हीलर और छोटे फोर व्हीलर के लिए शुरू करने की बात कही गई है।ज्ञात हो कि इससे पहले कोसमी से बैहर रोड बायपास मार्ग में दो लेग से आवागमन, प्रारंभ है, जबकि हनुमान चौक की ओर जाने वाले तीसरे लेग में बेरिंग कोट सहित अन्य कार्य शेष होने से, इस मार्ग पर आवागमन बंद था, जिसे विभाग जल्द ही हल्के वाहनों के लिए शुरू करने जा रहा है। जिससे शहर में बालाघाट से गोंदिया और बैहर जाने वाले मार्गो में आवागमन से लोगों को राहत मिलेगी।

सुधार कार्य के लिए कुछ दिन बाद अंडरपास पुल, 15 दिनों के लिए हो सकता है बंद

सरेखा रेलवे ओवरब्रिज के बन जाने और इससे वाहनो के आवागमन से ना केवल शहर बालाघाट से कोसमी और बायपास मार्ग पर आवागमन में हो रही दिक्कत से राहत मिलेगी। बल्कि इसके शुरू हो जाने के बाद, अंडरपास में पानी के सिपेज को सुधारने भी रेलवे विभाग को समय मिल जाएगा। चूंकि हल्के वाहनो के अंडरपास ब्रिज से आवागमन होने से बरसात से हो रही अंडरपास ब्रिज में सिपेज की समस्या यथावत बनी है, रेलवे विभाग चाहता है कि कम से कम 15 दिन, सुधार कार्य के लिए इसे बंद रखा जाए लेकिन प्रशासन के पास, अब तक हल्के वाहनों के बायपास की समस्या थी, लेकिन अब सरेखा रेलवे ओवरब्रिज के हनुमान चौक की ओर से थर्ड लेग शुरू होने से प्रशासन के समक्ष बायपास की समस्या भी खत्म हो जाएगी। कहां जा रहा है कि सरेखा रेलवे उड़ान पुल सभी वाहनों के लिए शुरू होने के कुछ दिन बाद अंडर पास में पानी की समस्या को खत्म करने के लिए इस मार्ग को करीब 15 दिनों के लिए बंद कर सुधार कार्य किया जा सकता है।ताकि अंडरपास से आवागमन करने वाले लोगों को भी किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।हालांकि अंडरपास से आवागमन कब बंद किया जाएगा फिलहाल रेलवे द्वारा इसकी जानकारी नहीं दी गई है।लेकिन उड़ान पुल से आवागमन पूरी तरह से प्रारंभ होने के बाद कुछ दिनों के लिए अंडरपास ब्रिज से आवागमन बंद कर ,सुधार कार्य किए जाने की बात कहीं जा रही है।

भारी वाहनों के लिए फिलहाल राहत नही

विभागीय जानकारी के अनुसार सरेखा रेलवे ओवर ब्रिज को 2 से 5 सितंबर के बीच हल्के वाहनों के लिए शुरू किया जाएगा।जिसमें टू व्हीलर और छोटे फोर व्हीलर का आवागमन हो सकेगा लेकिन फिलहाल इस उड़ान पुल से बड़े व भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगी रहेगी। जिसके चलते भारी वाहनों को फिलहाल इससे राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। उन्हें पूर्व की भांति गोंगलाई से वैनगंगा बायपास मार्ग से ही आवागमन करना होगा।लेकिन भारी वाहनों के लिए जरूरी है कि गोंगलई से वैनगंगा तक मार्ग को दुरूस्त किया जाए, जो वर्तमान समय में जर्जर और खतरनाक हालत में है। वही इस मार्ग पर अत्यधिक भारी वाहनों का आवागमन शुरू रहने के चलते यह मार्ग दिनों दिन खराब होता नजर आ रहा है।जिसकी यथाशीघ्र मरम्मत किए जाने की आवश्यकता बनी हुई है। ताकि इस मार्ग से बड़े व भारी वाहनों का आवागमन निरंतर रूप से किया जा सके।

निर्माण में हुई देरी ने बढाई परेशानी

आपको बताए कि सरेखा रेलवे उडान पुल निर्माण कार्य काफी देरी से शुरू किया था।जिसे बनाकर तैयार करने, और उससे आवागमन शुरू करने में भी काफी देरी हो चुकी है।विभागीय जानकारी के अनुसार 16 मई 2023 को प्रारंभ हुए, इस कार्य को पूरे दो साल पूरे हो गए है। पूर्व में इसकी समय-सीमा, 25 मई 2025 तय थी लेकिन अब इसे अक्टूबर तक पूर्ण करने की बात कही जा रही है।

38.67 करोड़ की लागत से वाय आकार में बने, सरेखा ओवरब्रिज का निर्माण 989.44 मीटर लंबा और लगभग 7.30 मीटर उंचा गया है।इस पुल का निर्माण पूर्ण होने और यहां से सभी छोटे बड़े वाहनों का आवागमन शुरू करने से लोगों को काफी राहत मिलेगी। जिसके संकेत भी वर्तमान समय में मिलने लगे हैं।

2 से 5 सितंबर के बीच कभी भी शुरू किया जा सकता है ब्रिज-सनोडिया

सरेखा रेलवे ओवर ब्रिज को शुरू करने को लेकर किए गए निरीक्षण के संदर्भ में, की गई चर्चा के दौरान सेतु संभाग एसडीओ अर्जुन सनोडिया ने बताया कि 2 से 5 सितंबर के बीच, तीसरे लेग पर हल्के दुपहिया और चौपहिया वाहनो के लिए आवागमन प्रारंभ कर दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि कोसमी और बैहर रोड बायपास लेग से आवागमन प्रारंभ कर दिया गया है, ओवरब्रिज के तीसरे लेग में हनुमान चौक जाने वाले छोर में अभी बेरिंग कोट और अन्य कार्य होना था, जिसके कारण, इस मार्ग पर अभी आवागमन बंद रखा गया है।जिसके पूर्ण होते ही यहां से आवागमन शुरू कर दिया जाएगा। सर्विस रोड बनाने का कार्य भी शुरू कर दिया गया हैं। तराई सहित अन्य छुटमुट कार्य चलते रहेंगे।

खेल दिवस के अवसर पर 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न खेल गतिविधियों का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।मध्यप्रदेश शासन, खेल एवं कल्याण विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त से 31 अगस्त तक विभिन्न खेल कार्यक्रम का आयोजन सभी विकासखंड जिला स्तर पर खेल एवं कल्याण विभाग जिला खेल अधिकारी अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया । जिसमें कटंगी युवा समन्वयक संतोष पारधी द्वारा शासकीय कन्या माध्यमिक शाला में स्कूल प्रधान पाठक एम ,एल,भलावी के द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर स्कूली छात्राओं द्वारा खो,खो, खेल का आयोजन किया गया । मेजर ध्यानचंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। स्कूल के छात्राओं के साथ शपथ ग्रहण की गई ।इस कार्यक्रम में सभी शिक्षक शिक्षिका सम्मिलित हुए लक्ष्मी मेरावी, पुष्प लता शेडे, अनीता देशमुख, उषा मासूरकर माध्यम पटले, तथा 30 अगस्त को शासकीय राजा भोज महाविद्यालय में भी स्कूल प्राचार्य अनिल शेडे, जन भागीदारी के सदस्य टिंकल बाघमारे, स्पोर्ट्स ऑफिसर अधीर घोड़ेश्वर समस्त स्टाफ द्वारा शपथ ग्रहण की गई तथा पारंपरिक खेल की जानकारी प्राचार्य तथा युवा समन्वयक द्वारा दी गई । शतरंज, केरम, जैसे इंडोर खेल का आयोजन किया गया । 31 अगस्त को ग्राम बनेरा में कबड्डी तथा साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसमें बालक वर्ग में बनेरा प्रथम स्थान रही। बालिका वर्ग में जमुनिया प्रथम रही विजेतावर्ग के खिलाड़ियों को मोमेंट स्मृति चिन्ह, मेडल देकर ग्राम बनेरा के सरपंच भागवत पटले, भूतपूर्व उपसरपंच पवन कुमार सोनवाने, पंच कमलेश राउत, टेकलाल राउत , फ्रेंड्स क्लब कटंगी,कैलाश डोंगरे, इमलेश रावत, आनंद रोकड़े, दिमाग चंद कोवाचे द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया गया।

माइंस के ठेका श्रमिकों की विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले आयोजित हुई आवश्यक बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले भरवेली माइंस के खदान ठेका श्रमिकों की एक आवश्यक बैठक भरवेली में आयोजित की गई । यहां प्रदेश संगठन के उपाध्यक्ष ने ठेका श्रमिकों के साथ आवश्यक बैठक की , जिसमें ठेका श्रमिकों को पीएफ ,वेतनमान और उनकी अन्य स्थानीय समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया गया । श्रमिकों को विश्वास दिलाया गया कि उनकी हर छोटी से बड़ी समस्या में भारतीय मजदूर संगठन उनके साथ खड़ा है।

आपको बता दे की 31 अगस्त को भरवेली में भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले खदान ठेका श्रमिक संगठन की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया । यहां दो दिवसीय प्रवास पर पहुंचे भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश पटेल ने बैठक को संबोधित किया और बताया कि वह बीते कुछ दिनों से देख रहे हैं कि बालाघाट में श्रमिकों को पीएफ का फायदा नहीं दिया जा रहा है। उनकी नियम अनुसार वेतन नहीं दी जाती, तो कई श्रमिकों को प्रति महीना समय पर वेतन नहीं दिया जाता । ऐसे कई श्रमिकों के

स्थानीय मुद्दों को लेकर यह आवश्यक बैठक आयोजित की गई । जिसमें भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष योगेश यादव भी इस बैठक में उपस्थित रहे , उन्होंने भी श्रमिकों को यह विश्वास दिलाया कि उनकी छोटी से लेकर बड़ी मांगों के लिए आज भारतीय मजदूर संघ उनके साथ खड़ा है , उन्हें अपने हक अधिकार के लिए लड़कर आगे आना होगा तभी मजदूरों को उनका हक मिलेगा ।

अखिल भारतीय आशा व मिड-डे मिल कर्मचारी महासंघ का राष्ट्रीय बैठक संपन्न

सीएम हाउस के घेराव को लेकर बनाई रणनीति

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय आशा कर्मचारी महासंघ व अखिल भारतीय मिड-डे मिल कर्मचारी महासंघ की शनिवार को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक शहर के गोंदिया रोड स्थित एक भवन में रविवार को संपन्न हुई। इस दौरान पत्रकारों से चर्चा में संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि बैठक में देश के करीब 10 राज्यों की आशा कार्यकर्ता संघ व मिड-डे मिल संघ के पदाधिकारी शामिल हुये। जिसमें आशा कार्यकर्ताओं व मिड डे मिल का कार्य करने वाली रसोईयां बहनें व स्व-सहायता समूह की समस्याओं व मांगों को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा आशा कार्यकर्ताओं से शासन की विभिन्न योजनाओं में कार्य करवाया जाता है। लेकिन समय पर मानदेय का भुगतान नहीं किया जा रहा है। वहीं रसोईयां बहनों व स्व-सहायता समूह को भी तीन-तीन माह से राशि का भुगतान नहीं किया जाता है। ऐसे में मिड-डे मिल का कार्य संचालित करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा अन्य मांगें व समस्याएं है जिसको लेकर आगामी दिनों में पूरे प्रदेश भर की आशाओं व रसोईयां बहनों एवं समूह की महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री का भोपाल में घेराव किया करने की रणनीति बनाई गई। इस दौरान प्रमुख रूप से अखिल भारतीय आशा कर्मचारी महासंघ की राष्ट्रीय महामंत्री गीता कटरे, मिड-डे मिल कर्मचारी महासंघ की राष्ट्रीय महामंत्री लीला नगपुरे, राष्ट्रीय उप महामंत्री सुरेन्द्र पांडे, भारतीय मजदूर संघ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजेश वर्मा, राष्ट्रीय उप महामंत्री सुरेन्द्र पांडे, राष्ट्रीय संगठन मंत्री बी. सुरेन्द्रन सहित अन्य मौजूद रहे। इसके अलावा बैठक में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, राजस्थान, अंडमान, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश सहित अन्य राज्यों की आशा व मिड-डे मिल संगठन के पदाधिकारियों ने अपने राज्यों की समस्याओं को भी रखा। सभी राज्यों के पदाधिकारियों ने केन्द्र सरकार से मांग की है कि पूरे प्रदेश में समान कार्य समान वेतन प्रदान किया जाए।

शासन से मांगें पूरी करने लगाई गुहार

इस दौरान संगठन की पदाधिकारियों ने शासन से मांग की है कि आशा कार्यकर्ताओं को व मिड-डे मिल का कार्य करने वाली रसोईयां बहनों को सामाजिक सुरक्षा बीमा पेंशन का लाभ दिया जाए। हर माह मानदेय का भुगतान किया जाए। पूरे प्रदेश व देश में आशाओं की एक ही ड्रेस हो। गर्भवती आशा बहनों को मातृत्व अवकाश की सुविधा दी जाए। आशा कार्यकर्ताओं व रसोईयां बहनों को शासन द्वारा न्यूनतम वेतन प्रदान किया जाना चाहिए।

इन मांगों को लेकर किया जाएगा सीएम हाऊस का घेराव

पूर्व घोषणा के अनुरूप मानदेय में वृद्धि करने, प्रतिमाह 10 तारीख के अंदर मानदेय का पूर्ण भुगतान किए जाने, कार्यकर्ताओं को शासकीय कर्मचारी घोषित करने, न्यूनतम वेतनमान का शीघ्र भुगतान किए जाने, एलटीटी भुगतान की वर्ष 2021 से रोकी गई संपूर्ण राशि का यथाशीघ्र भुगतान करने, विभाग द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित न किए जाने ,ऑनलाइन वर्क का दबाव न बनाने, आशा कार्यकर्ताओं द्वारा कराए जाने वाले 50 से 60 प्रकार के अलग-अलग कार्यों का अलग-अलग भुगतान करने ,सितंबर 2018 में की गई घोषणा के अनुरूप बढाकर मानदेय दिए जाने एवं प्रति वर्ष 1000 रुपए मानदेय वृद्धि की घोषणा तत्काल पूरी किए जाने सहित बच्चो की 100 प्रतिशत उपस्थिति के आधार पर पोषण आहार देने सहित मिड डे मील के अंतर्गत काम करने वाली सभी महिलाओं की वर्षों से लंबित अन्य मांगों को यथाशीघ्र पूरी किए जाने की मांग को लेकर जल्द ही सीएम हाउस का घेराव किए जाने की रणनीति बनाई गई है।

तेंदुआ ने किया गाय के 2 बछड़ों का शिकार, दहशत में गांव

मामला वन परिक्षेत्र बिरसा अंतर्गत ग्राम कबराटोला, खुर्सीपार से लगा वन क्षेत्र का

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा वन परिक्षेत्र के ग्राम कबराटोला ,खुर्सीपार से लगे वन क्षेत्र में इन दिनों तेंदुआ का आतंक चल रहा है। तेंदुआ ने गाय के दो बछड़ों का शिकार किया है ।जिससे इन दिनों ग्रामीणों में तेंदुआ की दहशत से भय का माहौल बना हुआ है । ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दे दी है ।जिसके बाद से ही वन विभाग की टीम द्वारा ग्रामीणों को अपने मवेशियों को इस क्षेत्र में ले जाने से मना भी किया गया है ।

वन परिक्षेत्र बिरसा, दमोह सामान्य के अंतर्गत बीट धोपघट के कक्ष क्रमांक 1704 ग्राम कबराटोला , खुर्सीपार से लगा वन क्षेत्र के समीप राजस्व क्षेत्र में पिछले 2 दिनों से वन्य प्राणी तेंदुआ के द्वारा 2 बछड़ों का शिकार किया गया। वन क्षेत्र गांव के समीप है। इस घटना से गांव वालों में डर का माहौल बन गया है।

गांव वालों ने इसकी सूचना इस क्षेत्र के जनपद सदस्य और उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बिरसा हेमंत साहू को दिए। इस पर हेमंत साहू के द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर तत्काल इसकी सूचना वन विभाग के वन परिक्षेत्र अधिकारी सौरभ शरणागत को दी गई। रेंजर के निर्देशन पर सहायक परिक्षेत्र अधिकारी जीवनलाल वरकड़े, वनपाल इंदिरा गर्ग, अजीबदास सोनवाने मौके पर पहुंचकर उनके द्वारा पंचनामा बनाकर विधिवत कार्यवाही की गई। गांव वाले अपने अपने मवेशियों को चराने के लिए पास के ही जंगल के पास लेकर जाते हैं। गांव वालों ने जानवर चराते समय देखा कि तेंदुआ अपने 2 छोटे-छोटे शावक के साथ जंगल में है तो गांव वालों के द्वारा अपने-अपने मवेशियों को लेकर घर आ गए। लेकिन गांव के ही नैनसिंह , झुमुकलाल का मवेशी घर नहीं आया तो उनके द्वारा अपने मवेशी की खोज शुरू की गई। एक दिन बाद गांव के ही फूलदास और गेंदलाल का भी मवेशी घर नहीं पहुंचा तो गांव वालों को तेंदुआ का संदेह हुआ। गांव के हीरामन पंचतिलक, नंदलाल व राजाराम पंचतिलक के द्वारा हेमंत साहू को इसके बारे में बताया गया। हेमंत साहू के द्वारा वन विभाग को सूचना देने के बाद वन विभाग की टीम गांव पहुंची। वन विभाग, गांव वाले और जनप्रतिनिधि हेमंत साहू सब एक साथ मिलकर मवेशी को खोजने के लिए पास के ही जंगल में गए तो वहां उन्होंने देखा कि एक गाय का बछड़ा को तेंदुआ पूरा खा गया था , जबकि दूसरे को आधा खाया था। इस पर वन विभाग के द्वारा विधिवत कार्यवाही की गई। उपाध्यक्ष हेमंत साहू के द्वारा गांव वालों को अकेले जंगल नहीं जाने, मृत पशु पर किसी प्रकार का कोई जहरीला पदार्थ नहीं छोड़ने, खुले में शौच नहीं करने की समझाइश दी गई। वन विभाग के द्वारा गांव में मुनादी भी करवाया गया।

208 कोबरा बटालियन द्वारा धूमधाम से मनाया गया 'राष्ट्रीय खेल दिवस'

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। कोबरा बटालियन 208, बडगॉव, किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा दिनांक 29/08/2025 से 31/08/2025 तक 'राष्ट्रीय खेल दिवस' का आयोजन बड़े ही उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस की शुरूआत दिनांक 29/08/2025 को बटालियन के कपिंग गिल (कमाण्डेंट 07 बटा0) एवं शशी भूषण सिंह बिष्ट (कमाण्डेंट 208 कोबरा) द्वारा दिनांक 29/08/2025 को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद को श्रद्धांजली अर्पण के साथ किया गया। साथ ही विशिष्ट अतिथी योगेंद्र फुलबांधे (राष्ट्रीय स्तरीय वॉलीबाल खिलाड़ी) एवं अयान खान (राष्ट्रीय स्तरीय वॉलीबाल खिलाड़ी) को श्री कपिंग गिल (कमाण्डेंट 07 बटा0) एवं श्री शशी भूषण सिंह बिष्ट (कमाण्डेंट 208 कोबरा) द्वारा गुलदस्ता और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन कैम्प परिसर में किया गया, जिसमें मुख्य रूप से मैराथन दौड़, तैराकी प्रतियोगिता एवं साईकल रैली खेल शामिल रहें। इन सभी खेल प्रतियोगिताओ में 208 कोबरा तथा 7 बटालियन के अधिकारियों और जवानों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। 'राष्ट्रीय खेल दिवस' को मनाने के क्रम में इन सभी खेल प्रतियोगिताओ का आयोजन का उद्देश्य जनता एवं जवानों में खेल भावना, टीम वर्क, शारीरिक तंदुरूस्ती तथा आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना था।कार्यक्रम के समापन पर विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर कमाण्डेंट महोदय द्वारा बटालियन के सभी अधिकारियों और जवानों को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' की बधाई दी गई और खेलों को जीवन का अहम हिस्सा बताते हुए खेल में निरंतर भागीदारी हेतु प्रेरित किया।

बंदरों का आतंक: किसानों की धान एवं गन्ने की फसल को पहुंचा रहे नुकसान, किसान परेशान

फसल को लेकर किसान चिंतित, वन विभाग नही दे रहा ध्यान, किसानों में आक्रोश व्याप्त, आंदोलन करने की दी चेतावनी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली सहित अन्य ग्रामों के किसानों के द्वारा खरीफ सीजन में अपने खेतों में धान, गन्ने एवं तुअर की फसल लगाई गई है और धान की फसल गर्भ में आ चुकी है। लेकिन लाल मुंह के बंदर (वानरों) का इतना आतंक बढ़ गया है कि बड़ी संख्या में ग्राम व खेतों में पहुंचकर धान सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है। जिससे किसान फसल को लेकर बेहद परेशान है। साथ ही बंदरों के आतंक के चलते किसान अकेले अपने खेतों की ओर जा नही पा रहे है जिससे उनकी फसल भी प्रभावित हो रही है। वहीं रोजाना लाल मुंह के बंदर (वानर) बड़ी संख्या में पहुंचकर खेतों में लगी धान की फसल जो गर्भ में आ चुकी है उसे तोड़कर खा रहे है जिससे सैकड़ों एकड़ में लगी फसल खराब हो रही है जिससे किसान अपनी फसल को लेकर चिंतित नजर आ रहे है। साथ ही किसानों के द्वारा वन विभाग को पूर्व में बंदरों के द्वारा धान सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचाने के संबंध में जानकारी दे चुके है। लेकिन वन विभाग के द्वारा भी कोई कार्यवाही नही की जा रही है जिससे किसानों में वन विभाग के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं किसानों ने जल्द बंदरों को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़े जाने, फसल का मुआवजा दिलवाने की शासन-प्रशासन से मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

सैकड़ों एकड़ खेती में लगी फसल को पहुंचा रहे नुकसान, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बघोली, टेकाड़ी ला. चिचगांव सहित अन्य ग्राम जंगल से लगा हुआ है और इन ग्रामों के किसानों के द्वारा खरीफ सीजन में सैकड़ों एकड़ खेती में धान की फसल के साथ ही कुछ किसानों ने गन्ना, तुअर सहित अन्य फसल लगाये है। वहीं धान की फसल गर्भ में आ रही है, गन्ने में रस भरने लगने है। जिसका सेवन बंदर (वानर) कर रहे है जो उन्हे मीठा लगता है। इस तरह से धान के रोपा जिसमें कुछ दिनों बाद बाली आने वाली है। जिसे तोड़कर नुकसान पहुंचा रहे है। वहीं फसल को बचाने के लिए सुबह 10 से 12 किसान इन बंदरों को खदेड़ने का काम करते है जिसके चलते कुछ फसल बची हुई है। लेकिन अगर किसान फसल की देख-रेख नही करेगें तो फसल को काफी नुकसान पहुंचा सकते है। ऐसी स्थिति में किसानों को फसल बहुत कम होगी जिससे उन्हे आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा। साथ ही ये बंदर किसानों को अकेले देखकर उन पर हमला करने का भी प्रयास करते है जिसके चलते महिला किसान खेत जाने से डर रहे है। किसानों ने वन विभाग से जंगल से खेत में पहुंच रहे बंदरों को खदेड़कर घने जंगल में सुरक्षित लेकर जाने एवं राजस्व विभाग व वन विभाग से मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

फसल को पहुंचा रहे नुकसान - बसंतराव

किसान बसंतराव कातुरे ने बताया कि किसानों ने कड़ी मेहनत कर धान, तुअर सहित अन्य फसल अपने खेतों में लगाये है। लेकिन जंगल की ओर से बंदर खेतों में पहुंचकर फसल को नुकसान पहुंचा रहे है जिससे हम लोग परेशान है। साथ ही यह भी बताया कि कई बार वन विभाग को शिकायत कर चुके है लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान दिया जा रहा है, जिससे किसानगण आक्रोशित है।

शिकायत करने के बाद भी नही हो रही सुनवाई - जागेश्वर

जागेश्वर चौधरी ने बताया कि खेतों में धान की फसल लगाई गई है जो गर्भ में आ चुकी है। जिसमें धीरे-धीरे दाने आ रहे है लेकिन रोजाना एक से दो सैकड़ा से अधिक लाल मुंह के बंदर खेतों में पहुंचकर धान के रोपे को तोड़कर नुकसान पहुंचा रहे है। जिन्हे अकेला व्यक्ति खदेड़ भी नही सकता है, जिन पर हमला करने का प्रयास करते है। साथ ही यह भी बताया कि फसल को बचाने के लिए विगत दिवस से 8 से 10 लोग एक साथ बंदरों को भगाने का प्रयास कर रहे है लेकिन बाद में पुन: आकर फसल को नुकसान पहुंचा देते है। श्री चौधरी ने बताया कि वन विभाग को बंदरों के आतंक के बारे में जानकारी दे चुके है लेकिन कोई सुनवाई नही हो रही है।

मांगे पूरी नही होने पर करेगें आंदोलन - ओमकार

ओमकार ठाकरे ने बताया कि विगत कई वर्षों से बंदरों के आतंक से बघोली सहित अन्य ग्रामों के किसान व ग्रामीणजन परेशान है और वन विभाग व राजस्व विभाग के द्वारा फसल नुकसानी का मुआवजा के लिए प्रकरण तैयार किया जाता है, लेकिन संतुष्टजनक मुआवजा नही मिला है। साथ ही यह भी बताया कि इस वर्ष बंदरों का आतंक अधिक बढ़ चुका है, जिनके द्वारा धान सहित गन्ने की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। वन विभाग से मांग है कि बंदरों को पकड़कर घने जंगल में छोड़े नही तो ग्रामीणजन आंदोलन करने बाध्य होगें।

इनका कहना है-

ग्राम बघोली जंगल से लगा हुआ ग्राम है और जंगल से बंदर अपनी भोजन की तलाश में गांव की ओर आ रहे है। फसल को नुकसान पहुंचा रहे है तो राजस्व विभाग से मुआवजा दिलवाने एवं वन विभाग के द्वारा गस्त कर उन्हे जंगल की ओर भगाने का प्रयास किया जायेगा।

टीसी मरावी
रेंजर
दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा।

पुराने विद्युत पोल को निकालने एवं मेंटेनेंस कार्य के चलते 5 घंटे बिजली आपूर्ति सेवा बंद रहने से हुई परेशानी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा विद्युत विभाग के द्वारा मजार से मानपुर तक पुराने पोल को निकालने एवं मेंटनेंस कार्य हेतु लालबर्रा पावर हाउस से निकलने वाले फीडर लालबर्रा 01 नंबर से प्रात: 10 बजे से बिजली गुल कर दी गई थी। जिसके बाद विद्युत विभाग के कर्मचारियों के द्वारा पुराने पोल को निकालकर मेंटेनेंस का कार्य किया गया। जिसके चलते नगर मुख्यालय में 5 घंटे तक बिजली आपूर्ति सेवा बंद रहने से व्यापारीगण, ऑनलाईन दुकान संचालक, बैंकिंग कार्य करने वाले दुकानदारों सहित आमजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। साथ ही रविवार को सुबह से लेकर दोपहर तक तेज धुप एवं उमस भरी गर्मी लगने से लोगों को बिजली गुल रहने से खासा परेशानी हुई है। वहीं लालबर्रा मजार से मानपुर पुल तक पुराने पोल को निकालने एवं मेंटनेंस का कार्य दोपहर 3 बजे तक चला। जिसके चलते लालबर्रा नगर मुख्यालय के शांति नगर, पांढरवानी, आमाटोला, रामजीटोला, उदासीटोला, अमोली, बस स्टैण्ड लालबर्रा सहित लालबर्रा मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली कटौती हुई। वहीं पुराने पोल निकालने एवं मेंटेनेंस कार्य पूर्ण होने के बाद बिजली आपूर्ति सेवा प्रदाय की गई जिसके बाद नगरवासियों ने राहत की सांस लिये। वहीं स्थानीयजनों ने कहा कि 5 घंटे तक बिजली गुल रहने से बिजली से चलने वाले व्यापार प्रभावित हुए है, विद्युत विभाग से मांग है कि विद्युत पोल व ट्रांसफार्मरों में तकनीकी खराबी आती है तो उसे तत्काल दुरूस्त करें। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लालबर्रा मजार से मानपुर पुल तक नये विद्युत पोल लग चुके है इसलिए पुराने पोल को निकालने एवं मेंटेनेंस कार्य आवश्यक था, ताकि बिजली की लाइन को सुरक्षित और बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखना पड़ा था और काम पूर्ण होने के बाद बिजली नियमित रूप से चालू कर दी गई। इस कार्य में नगरवासियों का सहयोग भी मिला है।

पलाकामथी में गायत्री परिवार की विचार गोष्ठी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत गणेशपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पलाकामथी स्थित माँ गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर में 31 अगस्त को अखिल विश्व गायत्री परिवार नवचेतना केन्द्र का विचार गोष्ठी कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह विचार गोष्ठी कार्यक्रम अखिल विश्व गायत्री परिवार नवचेतना केन्द्र के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर गायत्री परिवार के द्वारा वर्ष 2026 में पांच विशिष्ट जन्म शताब्दी मनाई जाना है उस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। चर्चा में ब्लाक समन्वयक वीरेंद्र बिसेन ने बताया कि विकासखंड के सभी नवचेतना केंद्र में विचार गोष्ठी के माध्यम से शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से प्रत्येक परिजनों एवं भावनाशील भाई-बहनों तक परमपू'य गुरूदेव के विचारों को पहुंचाना, माँ गायत्री की साधना, मानव में देवत्व के उदय एवं विश्व के कल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पाक्षिक बैठक कर नवचेतना केंद्रों को सुदृढ़ बनाने के क्षेत्र में काम करने के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई है। साथ ही यह भी बताया कि गायत्री साधना उपासना के क्रम के अवलोकन मार्गदर्शन का दायित्व वरिष्ठ परिजन हरिलाल बिसेन, शीतल कटरे को सौंपा गया। श्री बिसेन ने बताया कि गायत्री परिवार द्वारा वर्ष 2026 में पांच विशिष्ट जन्म शताब्दी मनाई जायेगी जिसके निमित्त चरणबध्द कार्यक्रम नियोजित हैं। इस हेतु साधना, श्रम, समय एवं साधन आवश्यक है और आगामी 7 से 13 सितंबर तक गायत्री शक्तिपीठ मोहगांव (जाम) में ब्लॉक स्तर प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न संस्कार, पूजन विधि एवं सरल भजन-गायन का प्रशिक्षण दिया जायेगा। साथ ही आगामी 7 नवंबर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित की जायेगी, जिसकी प्राथमिक तैयारी पूर्ण की जा चुकी है। श्री बिसेन ने बताया कि इस विचार गोष्ठी में वरिष्ठ परिजन ढालसिंह बिसेन जिला संरक्षक, बुधसिंह पारधी, हेमंत पारधी जिला प्रतिनिधि, अरूण गोयल प्रभारी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा ने निर्धारित कार्य योजना से उपस्थितजनों को अवगत करवाया है। इस अवसर पर नवचेतना केंद्र पलाकामथी सहित क्षेत्र के वरिष्ठ गायत्री परिजन उपस्थित रहे।

वीणा वादिनी माँ सरस्वती की प्रतिमा स्थापना के लिए किया गया भूमिपूजन

धूमधाम से मनाया जायेगा 33 वें वर्ष में माँ सरस्वती महोत्सव, होगें विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय का माँ सरस्वती महोत्सव जिले सहित पूरे महाकौशल क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त, ऐतिहासिक रूप से मनाया जाने वाला माँ सरस्वती महोत्सव इस वर्ष 33 वें वर्ष में प्रवेश करते हुए आगामी 27 सितंबर को वीणा वादिनी माँ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थापना के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसकी तैयारी माँ सरस्वती महोत्सव समिति के द्वारा की जा रही है। माँ सरस्वती महोत्सव की तैयारी के लिए समिति के पदाधिकारियों के द्वारा सरस्वती ग्राउंड में गत दिवस वीणा वादिनी माँ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थापना के लिए पूजन अर्चन कर भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर पंडित के द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न करवाया गया। वहीं इस 13 दिवसीय माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर मेले स्वरूप की तरह स्टाल, दुकाने, झूले लगेगें जो श्रध्दालुओं का मनमोह लेगा। साथ ही विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रोजाना आयोजित किये जायेगें जिससे पुरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आयेगा, जिसकी तैयारी समिति के द्वारा प्रारंभ कर दी गई है।

27 सितंबर से प्रारंभ होगा माँ सरस्वती महोत्सव

आपकों बता दे कि लालबर्रा का माँ सरररस्वती महोत्सव पूरे महाकौशल क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त, ऐतिहासिक रूप से मनाने वाला पर्व है और इस वर्ष 27 सितंबर से माँ सरस्वती महोत्सव प्रारंभ होने वाला है। महोत्सव हर्षोल्लास से मनाने के साथ ही विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित भी किये जायेगें। साथ ही वीणा वादिनी मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थल को भी आकर्षण लाईटिंग के साथ सजाने की तैयारी महोत्सव समिति के द्वारा प्रारंभ की जायेगी। माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थापना हेतु दरबार सजाया जायेगा, जिसके निर्माण के लिए गत दिवस विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया गया एवं आगामी 27 सितंबर को वीणा वादिनी माँ सरस्वती की प्रतिमा स्थापना के साथ ही माँ सरस्वती महोत्सव प्रारंभ हो जायेगा। इस 13 दिवसीय पर्व पर रोजाना विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगें। साथ ही यह भी बताया कि पूरे प्रांगण को विशेष आकर्षक लाइटिंग से सजाया जायेगा जो श्रध्दालुओं के लिए आकर्षक का केन्द्र रहेगा। इस अवसर पर माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

मशीनटोला बेहरई में भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा गणेशोत्सव पर्व

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई के मशीनटोला में जय बजरंग गणेशोत्सव समिति के द्वारा गत दिवस प्रथम पू'य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। इस गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर सुबह-शाम आरती की जाती है एवं रात्रि में भजन सहित धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। साथ ही भगवान श्रीगणेश के गीत दिन-रात सुनाई देने से पुरा ग्राम भक्तिमय हो गया है। जय बजरंग गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसस पर रोजाना सुबह-शाम आरती की जाती है एवं रात्रि में धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे है। साथ ही यह भी बताया कि पर्व के समापन के एक दिन पूर्व हवन-पूजन एवं भंडारा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीय श्रध्दालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील जय बजरंग गणेशोत्सव समिति अध्यक्ष कैलाश ठाकरे, उपाध्यक्ष उमाशंकर बघेले, कोषाध्यक्ष प्रभुदयाल पटले, सचिव विजय चौहान सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण स्थल पर अव्यवस्था से यातायात प्रभावित

जगह जगह पड़े पत्थर एवं गड्ढे दुर्घटनाओं को दे रहे निमंत्रण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी बालाघाट मार्ग स्थित ग्राम पंचायत वारा रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा था। जो बीते कुछ समय से बंद पड़ा हुआ है जहां आवागमन के लिए निर्माण कंपनी के द्वारा व्यवस्था नहीं बनाई गई है,वहीं भारी वाहनों को रोकने के लिए जो व्यवस्था बनाई गई है वह पूरे यातायात को प्रभावित कर रही है। तो वहीं राहगीरों के लिए दुर्घटना का सबक भी बन रही है, ऐसे में आवागमन कर रहे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे फाटक बंद होने पर लगने वाले जाम को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। जहां पर आवागमन कर रहे लोगों के द्वारा निर्माण कंपनी पर आक्रोश भी व्यक्त किया जा रहा है। क्योंकि बीते करीब २ महीने से अधिक का समय हो गया है निर्माण कार्य बंद की तरह ही संचालित किया जा रहा है। मार्ग पर छोटे फोर व्हीलर वाहनों को रोकने के लिए क्रांकीट के बड़े.बड़े पत्थर रख दिए गए हैं। मात्र एक तरफ ही मार्ग का निर्माण किया गया है वह भी सीधा कनेक्टिविटी नहीं दी गई है। लंबा मार्ग बनाकर छोड़ दिया गया है जहां से कच्चा मार्ग बना हुआ है तो वहीं दूसरी तरफ पूरा कच्चा मार्ग है जहां छोटे बड़े गड्ढे हो गए हैं। यात्री प्रतीक्षालय के सामने मिट्टी गिट्टी और बड़े पत्थर रखकर मोटरसाइकिल के लिए रास्ता बनाई गई है। इसी तरह रेलवे ओवर ब्रिज के प्रारंभ और अंत दोनों छोर पर गिट्टी के माध्यम से छोटे वाहनों के लिए रास्ता खोला गया है। क्रॉसिंग के पास बड़े पत्थर रख दिए गए है, इस प्रकार की व्यवस्था दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रही है। इससे रोजाना किसी ने किसी प्रकार में दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है भारी वाहनों के लिए द्वारा चौक से गायत्री मंदिर रोड़ पर डायवर्ट कर दिया गया है किंतु उक्त चौक पर स्थित मार्ग की भी हालत बहुत दयिनी हो गई है। इस मार्ग से वारासिवनी ,खैरलांजी ,कटंगी ,तिरोड़ी सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के लोग प्रतिदिन जिला मुख्यालय के लिए आवागमन करते हैं। तो वहीं करीब १२०० से अधिक विद्यार्थी प्रतिदिन शिक्षा अध्ययन करने के लिए सांदीपनि विद्यालय आवागमन करते हैं। जहां पर स्कूल लगने और छूटने के दौरान भयंकर जाम की स्थिति बनी रहती है विद्यार्थियों के साथ दुर्घटनाएं भी घटित होती है बड़ी दुर्घटना की संभावनाएं भी बनी रहती है। किंतु निर्माण कंपनी के द्वारा उक्त व्यवस्था को नजर अंदाज कर व्यवस्थित आवागमन की व्यवस्था नहीं की गई है। जिसको लेकर ग्रामीणों सहित राहगीरों में काफी आक्रोश व्याप्त है। वहीं इस दौरान भारी यातायात और स्कूल के समय पर किसी प्रकार की पुलिस व्यवस्था भी मौके पर नजर नहीं आती है। सभी के द्वारा अति शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करने तत्कालीन व्यवस्था के रूप में बेहतरीन यातायात व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है। ताकि लोग सुरक्षित रूप से बिना किसी दुर्घटना से भय मुक्त होकर प्रतिदिन आवागमन कर सके।

रेलवे क्रॉसिंग के पहले ही पत्थर रख दिए है जो आवागमन को बाधित कर रहा है-ईश्वरी पात्रे

नगरवासी ईश्वरी पात्रे ने बताया कि मेरे घर के सामने से रेलवे ओवर ब्रिज प्रारंभ होता है। जहां मैं देखता हूं कि किनारे में सीमेंट सड़क बना दी गई है किंतु वह पूरी नहीं बनाई गई है पेट्रोल पंप तक सड़क है उसके बाद कच्चा मार्ग है। जहां बहुत छोटे.बड़े गड्ढे हैं ऊंचा नीचा भाग है और सामने क्रॉसिंग के पहले ही पत्थर रख दिए हैं। जहां पर साइकिल या मोटरसाइकिल अनबैलेंस होते रहते हैं लोग गिरते हैं। अभी तक कांक्रीट पत्थर पर कोई गिर नहीं है किंतु गिरेगा तो उसका सर फूट जाएगा यह जो पुलिया वालों ने रास्ता बनाए हैं वह अच्छा नहीं है। जबकि रोजाना भयंकर गांव के लोग यहां से रात दिन आना.जाना करते हैं रात्रि के समय हर किसी को डर लगा रहता है दुर्घटना शत प्रतिशत हो सकती है। यहां पर ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए बड़े वाहन इस मार्ग पर आए ना परंतु छोटी जो गाड़ियां हैं उनका आना.जाना हो सके। अभी आगे नवरात्र पर्व है भयंकर लोग बालाघाट से वारासिवनी आते जाते है इन सब को देखते हुए व्यवस्था करनी चाहिए।

मार्ग पर पड़ा बड़ा पत्थर दुर्घटना का कारण बन रहा है-श्रीराम गौतम

जनपद सदस्य श्रीराम गौतम ने बताया कि यह ओवर ब्रिज का काम पिछले ३ महीने से बंद पड़ा जैसा चल रहा है छोटा.मोटा कुछ करते रहते हैं बाकी बंद जैसा ही है। सांदीपनी स्कूल के बच्चे सुबह १० से ११ और शाम को ४ से ६ के बीच में यहां से आना जाना करते हैं। लंबा जाम लग जाता है कई दिक्कतें होती है यह जो फोर व्हीलर का रास्ता खोले हैं पर उस लायक यहां से व्यवस्था नहीं की गई है। आगे फोर व्हीलर जा नहीं सकते हैं तो इन्हें क्यों ना खंबे गढ़ाकर टू व्हीलर की व्यवस्था करनी चाहिए। जगह जगह पत्थरों से बड़े वाहनों को रोकने का प्रयास किया गया है तो यह गलत है रास्ते पर पड़ा बड़ा पत्थर दुर्घटना का कारण हो सकता है। इस ट्रैफिक अव्यवस्था को व्यवस्थित करना चाहिए ना कि बाधित करना चाहिए । यह चाहे तो मार्ग में दो खंबे लगा दे ताकि वाहन व्यवस्थित आना जाना करें। परंतु ऐसा कुछ नहीं किया गया है नहर से लेकर शिव मंदिर तक जो निर्माण स्थल है वहां पूरी अव्यवस्था है।

नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब के पंडाल का हुआ भूमिपूजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के इंडोर स्टेडियम परिसर में नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब बस स्टैंड के द्वारा माता रानी के दरबार निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। यह कार्यक्रम नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा की अध्यक्षता सहित समस्त पदाधिकारी सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें पंडित लक्ष्मीकांत मिश्रा के द्वारा विधि विधान से वैदिक मंत्रो उच्चरण के साथ यह भूमि पूजन संपन्न कराया गया। जहां इस वर्ष नवरात्र पर्व को अति भव्य बनाने को लेकर कार्यक्रम की श्रृंखला एवं आयोजनों की रूपरेखा भी तैयार की गई। विदित हो की नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब बस स्टैंड का नवरात्र पर्व अपने पंडाल कार्यक्रम और हिंदी सिनेमा के अभिनेता सहित गायको को बुलाने की श्रृंखला को लेकर जिले ही नहीं महाकौशल सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में ख्याति प्राप्त है। यहाँ प्रतिदिन हजारों लोग नवरात्र पर्व को देखने और उत्सव में शामिल होने के लिए आते हैं। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी कार्यक्रम को विशाल और भव्य बनाने का कार्य समिति के द्वारा किया जा रहा है।

9 नहीं 10 दिन होगा गरबे का आयोजन

नव शक्ति का पर्व नवरात्र इस वर्ष २२ सितंबर से प्रारंभ होगा जिसका समापन २ अक्टूबर दशहरा पर्व पर होना है। यह नवरात्र पर्व ९ दिन की जगह ११ दिवस का होने वाला है। ऐसे में १० दिनों के लिए गरबे का आयोजन नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा आयोजित किया जाना है। जहां मुंबई के कलाकार आकर गरबा कार्यक्रम संभालेंगे वहीं इस वर्ष बड़े पैमाने पर गरबे का आयोजन समिति के द्वारा किया गया है। जहां पूर्व के ग्राउंड को और बड़ा कर दिया गया है इस प्रकार इस गरबा कार्यक्रम को पूर्व से और भव्य बनाने का प्रयास समिति के द्वारा किया जा रहा है। जो पूरे नवरात्र के दौरान आकर्षण का केंद्र रहेगा।

8 अक्टूबर को खुलेगा लकी कूपन ड्रॉ

नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब बस स्टैंड के द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी लकी कूपन ड्रॉ का आयोजन किया जायेगा। जिसमें लाखों रुपये के इनाम रखे जाएंगे इस कूपन ड्रॉ खोलने का आयोजन प्रतिवर्ष शरद पूर्णिमा पर किया जाता है। जिसमें हिंदी सिनेमा के मशहूर कलाकार और गायक के द्वारा प्रस्तुति दी जाती है जो इस वर्ष शरद पूर्णिमा की जगह ८ अक्टूबर को आयोजित किया जा रहा है। जिसमें हिंदी सिनेमा के अभिनेता चंकी पांडे सहित अन्य अभिनेता एवं गायक के रूप में बड़े कलाकार को बुलाने का प्रयास समिति के द्वारा किया जा रहा है। जो हर वर्ष से अधिक भव्य कार्यक्रम होने की संभावना समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा के द्वारा व्यक्त की जा रही है।

हिंदी सिनेमा के कलाकार चंकी पांडे का वारासिवनी में होगा आगमन-संजयसिंह कछवाहा

नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब बस स्टैंड का यह २२ वां वर्ष है। इस नवरात्र पर्व को दुगने उत्साह के साथ उत्सव के रूप में मनाने के लिये हमने आज पंडाल का विधिवत भूमि पूजन किया है। इसके बाद माता रानी का भव्य दरबार बनना चालू हो जाएगा साथ ही कार्यक्रम की रूपरेखा भी तैयार कर ली है। सभी को पता है कि हमारा बहुत बड़ा कार्यक्रम होता है इसमें १० दिन पूरा नवरात्र में गरबा होगा उसमें मुंबई के कलाकार आ रहे हैं जो बड़े पैमाने पर होना है। शरद पूर्णिमा पर जो हमारा प्रोग्राम होता है उसमें हिंदी सिनेमा के कलाकार चंकी पांडे को बुला रहे हैं उनका अमेरिका में कार्यक्रम था ५ अक्टूबर की रात में वह भारत आएंगे तो ६ अक्टूबर की जगह ८ अक्टूबर को हमने लक्की कूपन ड्रॉ खोलने का कार्यक्रम रखा है। इसमें हिंदी फिल्म वार २ के सिंगर साज सज्जा सहित अन्य बड़े कलाकार भी शामिल होंगे। इस बार हमारे पंडाल का थीम बहुत बड़ा है जो पूरे नवरात्र का आकर्षण केंद्र रहेगा उसी का अभी नाप लिया गया है। यह पंडाल कोलकाता के कलाकारों के द्वारा बनाया जाएगा वह पिछले तीन वर्षों से मातारानी का पंडाल तैयार कर रहे हैं। थीम अभी बता नहीं सकते हैं लक्की कूपन ड्रॉ में इस बार स्पोर्ट बाइक और अन्य आकर्षक इनाम रखे गए हैं।

कोटवार संघ की बैठक सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। तहसील कार्यालय स्थित सामुदायिक सभा कक्ष में कोटवार संघ की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष प्रकाश वासनिक की अध्यक्षता में प्रारंभ की गई। जिसमें समस्त कोटवारों को अपने हक अधिकारों के लिए एकजुट होने की प्रेरणा देकर, आगामी समय में आवाज बुलंद करन, प्रदेश संगठन के द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आगामी समय में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई। प्रकाश वासनिक ने बताया कि कोटवार संगठन के द्वारा लगातार हर स्तर पर अपनी जायज मांगों को लेकर प्रयास किया जा रहा है। परंतु शासन के द्वारा उन्हें नजर अंदाज किया जा रहा है अनेकों ऐसे मौके रहे हैं जब कोटवारों के हित में सरकार के द्वारा कई फैसले लिए गए किंतु आज भी उन फैसलों का संचालन नहीं हो पाया है। जिसके कारण कोटवार अपने आप को पिछड़ा और कमजोर व्यक्ति मान रहा है। ऐसे में प्रदेश संगठन के द्वारा वर्ष २००७ से २०२३ तक सरकार के द्वारा जितने भी वादे किए गए हैं आदेश जारी किए गए हैं उन सभी पर क्या कार्यवाही की गई है और कब तक कार्यवाही होगी इस संबंध में शासन से हमारे द्वारा जवाब भी मांगा गया है। इसके दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए हैं यदि इस बार भी सरकार के द्वारा हमें मिलने वाले लाभ को नहीं देती हैं और हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो सरकार के खिलाफ हम लोग धरना प्रदर्शन करेंगे। अपनी मांगों को मनवाने के लिए हर प्रयास किए जाएंगे इसी विषय को लेकर हमारे द्वारा बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें सभी को संगठित रहने के लिए कहते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई है। सरकार ने कहा था ५०० प्रतिवर्ष कोटवारों के मानदेय में बढ़ोतरी की जाएगी परंतु वह कुछ लोगों में हुई कुछ में नहीं जबकि कहा सबको गया था। यह लोग कोटवार को भूमि देने वाली बात बताते हैं तो इसमें सबसे बड़ा विषय यह है कि वह भूमि कैसी है। कुछ लोग हैं जिनके पास भूमि है तो वह कृषि योग्य नहीं है पड़त में है जंगल पहाड़ की है। कुछ लोगों ने अपनी मेहनत से उसे कृषि योग्य बनाया तो सरकार उसे देना नहीं चाह रही है। हम लोगों का कोई वेतन मान भी नहीं है कलेक्टर दर से भी कम मिलता है और सभी के वेतन में कोई समानता नहीं है किसी को कम किसी को ज्यादा और किसी को बहुत कम वेतन मिल रहा है। हर किसी के साथ समस्या है महंगाई का दौर है घर परिवार चलाना बच्चों को शिक्षित करना अब बहुत महंगा हो गया है सरकार को इस व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए। ताकि हम भी अपने बच्चों को शिक्षित कर अच्छा जीवन दे सके इस प्रकार से कई विषय रहे जिस पर चर्चा की गई है। हमारी मांग पत्र शासन को चल गया है यदि जल्द उस पर कोई कार्यवाही नहीं होती है तो निश्चित है कि आंदोलन होगा।

अंसेरा की बेटी को मिला न्याय

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम अंसेरा निवासी कंचन पिता मानकराम ठाकरे का विवाह जनपद खैरलांजी के ग्राम तुमसर टटेकसा निवासी किशोर राहँगड़ाले के साथ हुआ था। विवाह के उपरांत श्रीमती कंचन राहँगड़ाले की मृत्यु दिनांक १०/१०/२०२४ को ३७ वर्ष की आयु में बीमारी के चलते हो गई थी। श्रीमती राहंगडाले अपने पीछे २ बच्चे भी छोड़ गई है।श्रीमती राहगंडाले ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत एस बीआई लाइफ का समूह बीमा करवाया था। स्वर्गीय श्रीमती राहंगडाले के भाई ग्राम अंसेरा निवासी टामलाल ठाकरे जो कि स्वयं बैंक के कियोस्क संचालक हैं, बीमा राशि में मिलने में हो रही देरी से व्यथित थे। यह समाचार पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख के द्वारा जनहितैषी कार्यों में विशेष रुचि लेने की बात सुनकर उन्होंने विक्रम देशमुख से संपर्क किया और बीमा राशि दिलाने हेतु मदद की अपील की। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख ने मृतक के प्रकरण को कार्मिक जन शिकायत मंत्रालय भारत सरकार को अगस्त माह में प्रेषित किया था। जिसके जवाब के रूप में एसबीआई लाइफ इन्शुरन्स की वाईस प्रेसिडेंट ने विक्रम देशमुख को सूचित किया कि मृतिका का बीमा क्लेम स्वीकार कर लिया गया है और शीघ्र क्लेम सेटलमेंट हो जाएगा। विक्रम देशमुख के प्रयासों से २१ अगस्त २०२५ को मृतिका श्रीमती कंचन राहगंडाले के पति किशोर राहँगड़ाले के खाते में दो लाख रुपये की राशि बीमा धन के रूप में जमा हो चुकी है। विक्रम देशमुख के द्वारा लोक कल्याण हेतु किए गए प्रयास पर ग्राम अंसेरा निवासी टामलाल ठाकरे, शैलेश खरोले,संजय खरोले,घनश्याम देशमुख एवं अन्य ग्रामीणों ने धन्यवाद ज्ञापित किया है।

ग्राम मदनपुर में प्रदीप जायसवाल ने प्रधानमंत्री के संदेश मन की बात को सुनकर संगठन पर की चर्चा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मदनपुर में सरपंच के निवास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बूथ क्रंमाक ७१ में वारासिवनी खैरलांजी के प्रभारी के रूप में सुना। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की रविवार के १२५ वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो जानकारी दी की जम्मू कश्मीर ने बडी उपलब्धियां हासिल की है। पुलवामा के स्टेडियम में रिकार्ड संख्या में जनमानस डे नाईट क्रिकेट मैच में एकत्रित हुये है। इसी तरह मोदी के द्वारा कही गयी बातो में यह भी उल्लेखनीय है की एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना आज के परिवेश में देश की एकता, देश के विकास के लिये बहुत जरूरी है। इस अवसर पर सरंपच श्रीमती प्रीति सुनील झिल्पे,श्रीराम गौतम, संजय सोनाी,संतोष पारधी,दिवानचंद

राहंगडाले,केशोलाल राहंगडाले,भगतसिंह पारधी,महेन्द्र राहंगडाले,वर्षा पटले, उषा झिल्पे, सुनीता पंचेश्वर,किरण झिल्पे,धनेन्द्र बाहेश्वर, सदन मानेश्वर, परमानंद झिल्पे, मोहरलाल झिल्पे,हर्षित रेडडी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पोषण भी पढ़ाई भी- भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरुआत —अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज़ होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्ये आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने—न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षा- आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है। आज के भारत में, खेल अब सिर्फ़ मनोरंजन भर नहीं, अपितु —नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुंल स्पखष्ट्‍ और विश्व सनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्या ?वस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है—जीवन के शुरुआती छह वर्षों में। वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में—पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है। भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है,जितनी जल्दी शुरुआत,उतने बेहतर परिणाम—और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यकक्त्‍ किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है—जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है। ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है—यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है।मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरुआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी ज़ोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यीवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है।

अनुसन्धान संस्थान में तकनिकी हिंदी जानकारों की आवश्यकता

आज हिंदी का प्रचार जोर शोर से चल रहा है और हिंदी हेतु सरकार द्वारा राजभाषा हेतु उपनिदेशक (राजभाषा) व अनुवाद अधिकारी की नियुक्ति होती है अच्छी बात है अभी हिंदी दिवस भी सामने आ रही है और अभी से ही लोग हिंदी लेख और उससे जुड़े प्रतियोगिता में भाग लेने को इक्छुक है हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दि जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पड़े है यदि पड़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पड़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से नहीं होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है अनुसन्धान संस्थान में देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे आईआईटी, एनआईटी आदि के स्टूडेंट रहते हैं वहाँ सारा पढ़ाई इंग्लिश में होता है तकनिकी हिंदी और सिर्फ हिंदी में काफी अंतर है वहाँ हिंदी अनुवादक कार्मिक होते हैं जिसे विज्ञान और इंजीनियरिंग की पकड़ कितनी होती है वो सबको पता है नतीजा यह होता है कि टेक्निकल या इंजीनियरिंग शब्दों का हिंदी में कैसे इस्तेमाल किया जाए अंत में गूगल ट्रांसलेशन की मदद लेते हैं और कार्मिक द्वारा हिंदी ट्रांसलेशन में गलत अर्थ आता है जैसे आप फिजिकल प्रोग्रेस को हिंदी में गूगल ट्रांसलेशन करेंगे तो शारीरिक प्रगति आती है जिसे भौतिक प्रगति होना चाहिए उसी तरह परचेज ऑर्डर का गूगल ट्रांसलेट करते हैं तो खरीद आदेश आता है जबकी क्रय आदेश होना चाहिए इसी तरह प्रोक्योरमेंट को गूगल से ट्रांसलेशन करेंगे तो भी खरीद ही आता है जबकी उसका सही अर्थ प्रापण होना चाहिए आरटीडी जो एक इलेक्ट्रिकल यन्त्र है उसे गूगल से ट्रांसलेशन करने पर सेवानिवृत हो जाता है और एक ऐसा ही शब्द ञद्ब जिसे जिसे टाईटेनियम कहा जाता है गूगल उसे तिवारी पकड़ लेता है ऐसे अनगिनत शब्द हैं जो विज्ञान में हिंदी में गूगल कभी सही अर्थ जो उसमें फिट होना चाहिए वो नहीं बतलाता है अत: यदि अनुसन्धान संस्थान में हिंदी को अनिवार्य करना जरुरी नहीं है नहीं तो वहाँ के साइंटिस्ट को शोध करने में कई कठिनाई का सामना करना पड़ता है ऐसे भी वैज्ञानिक खोज देश या विदेश पर निर्भर नहीं करती है वह सिद्धांत को प्रैक्टिकल के सफलता पर निर्भर करती है और जब आईआईटी और लगभग सभी इंजीनियरिंग कॉलेज में इंग्लिश में पड़ा होता है तो अनुसन्धान संस्थान में वैज्ञानिक हिंदी में कैसे काम करेंगे अत: अनुसन्धान संस्थान में देश के विकास हेतु टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है जो समय से कार्य को पूर्ण करना उसका उद्देश्य होता है तकनीकी लेखन से आशय तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखने से है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, रोबोटिक्स, वित्त, चिकित्सा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी जैसे तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखना। अत: आज हिंदी में तकनिकी लेखन यदि शुरुआत से ही की जाए तभी इसका फायदा होगा मंगलवार (5 अगस्त, 2025) को लोकसभा को सूचित किया गया कि सरकार ने आधिकारिक संचार, केंद्रीय सेवाओं या शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है।गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने डीएमके सांसद कलानिधि वीरस्वामी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार ने हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने उत्तर दिया, नहीं, महोदय। डीएमके सांसद मथेश्वरन वी.एस. द्वारा 2014 से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर खर्च की गई धनराशि के बारे में पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने आँकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चला कि 2014-15 और 2024 के बीच राजभाषा विभाग को आवंटित बजट से 736.11 करोड़ खर्च किए गए हैं।लेकिन हिंदी अपने देश की भाषा है खुसबू बिखेरती है अत: हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान होएक प्रसिद्ध और शिक्षाप्रद दोहा है।

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।रसरी आवत जात के सिल पर परत निशान।।

इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है अभ्यास। अगर मान लिया जाए अभ्यास ही गलत हो, या गलत दिशा में किया जा रहा हो। तो सफलता मिलने की संभावना लगभग शून्य ही हो जाएगी। इसलिए हर कार्य या अभ्यास के पीछे भी गंभीरता बहुत जरूरी है। गंभीरता और मन से किया गया कार्य ही सार्थक होता है। इसके अभाव में अभ्यास निरर्थक साबित हो जाएगा। हम जो भी प्रश्नों के जवाब देते हैं वह जवाब कहीं न कहीं मौजूद भी होते हैं। अगर उस जवाब में हम अपने अनुभव द्वारा, उनमें नए उदाहरण नहीं जोड़ेंगे। तो मेरे जवाब का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा यानी मेरा जवाब गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जाएगा। उसे एक तरह का कॉपी-पेस्ट ही माना जाएगा। स्कूल के दिनों में एक कहानी पढ़ी थी कि किस तरह एक जादुई बांसुरी वाला व्यक्ति पूरे शहर के लोगों को चूहे के आतंक से आजादी दिलाता है। उस बांसुरी की आवाज में इतना खिंचाव था कि शहर के सारे चूहे उस आवाज के पीछे खींचते चले गए और शहर के बाहर दूरदराज गुफा में बंद कर दिए गए। कहीं न कहीं यह तकनिकी हिंदी का प्लेटफार्म भी लोगों को जादुई बांसुरी वाले व्यक्ति की तरह ही अपनी ओर आकर्षित करता है और विज्ञान लेखक बगैर पारिश्रमिक के ही लगातार मेहनत करते रहते हैं। जो एक सच्चाई भी है।मेरे हिसाब से विज्ञान लेखन का जो नाता है वह कहीं न कहीं एक आकर्षण से भी जुड़ा हुआ मालूम पड़ता है। पुरातात्विक अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि आज से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व ही मनुष्य ने फसल पैदा करना सीखा था । वेदों में भी इस काल के कृषि विकास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है। ॠग्वेद तथा अथर्ववेद में कृषि, गोपालन आदि का विशद विवेचन मिलता है। इनमें फसल उत्पादन के लिये आवश्यक भूमि, भूमि की तैयारी, जल तथा सिंचाई, पादप-पोषण, फसल सुरक्षा और मौसम के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है । साथ ही उस समय के गोपालन के बारे में भी जानकारी मिलती है। जिसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर परीक्षण करके बहुत लाभ उठाया जा सकता हैं। इन्हीं जानकारियों को यहॉं क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया हैं। अलग-अलग भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का भी प्रयोग मिलता है। यूरोपीय देशों की भाषाओं के लिए रोमन लिपि का प्रयोग मिलता है। ईरान और इराक आदि देशों की भाषाओं के लिए फारसी लिपि का प्रयोग होता है। अरब देशों की भाषाओं और बोलियों के लिए अरबियन लिपि का प्रयोग होता है। भारत में संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश प्राचीन भाषों का प्रयोग मिलता है। हिन्दी, मराठी, गुजराती और पंजाबी आदि आर्य भाषा-परिवार की भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का प्रयोग होते हुए भी नागरी लिपि का प्रयोग होता है। संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, मराठी, कोंकणी, नेपाली और मणिपुरी भाषाओं की अभिव्यक्ति के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग होता है। बांग्ला, उड़िया, असमिया आदि पूर्वी क्षेत्र की भाषाओं की अलग-अलग लिपियां हैं। परन्तु इन भाषाओं का देवनागरी लिपि के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।हिन्दी एक व्यापक भाषा है, जो सम्पूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें सम्पूर्ण भारत एक साथ बोलता है। इसके एक-एक शब्द के उच्चारण में हमारी आत्मा, हमारी संस्ड्डति समाई हुई है। भारतीय संस्ड्डति को जीवित रखने के महान् उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए मनीषियों ने हिन्दी को प्रतिनिधि भाषा घोषित करनें में भारत का और अपना गौरव समझा है। यह निर्विवाद सत्य भी है कि जिस दिन 'हिन्दी' व्यावहारिक रूप में प्रतिनिधि भाषा का रूप धारण कर लेगी और 'अंग्रेजी' का मोह भंग हो जायेगा, उस दिन हमारा देश भाषा के दृष्टिकोण से एक हो जायेगा, विज्ञान के क्षेत्र में अंग्रेजी का कार्य अनायास ही समाप्त हो जायेगा। हिन्दी देश की एकता की क ?ी है। हिन्दी सहज, सरल एवं सम्पूर्ण भाषा है, पर्याप्त शब्द कोष है।इसमें हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है, भरपूर-साहित्य है, जिसके संवाद अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। हिन्दी ने अपनी मौलिकता एवं सुबोधता के बल पर ही राष्ट्र की सभ्यता, संस्ड्डति और साहित्य को जीवन्त बनाए रखा है सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बंधा महसूस कराते रहती है एवं अनेकता में एकता के दर्शन कराती है।हिन्दी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

-संजय गोस्वामी

आओ खुशियों के खुबसूरत रिश्तों नातों संबंधों की कद्र करें

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में भारत ही एक ऐसा देश है जहां रिश्तोंनातों की बहुत गहराई से कद्र होती है, जो कि आदि अनादि काल से ही भारत की मिट्टी में समाया हुआ है,इसलिए जो मानव भारत की मिट्टी पर पैदा हुआ है उसमें प्राकृतिक रूप से उसके मन में रिश्ते नातों, संबंधों की कद्र करना समा जाता है, परंतु समय का तकाजा है,उसके चकरे के घूमने से कई चीजें न केवल बदल जाती है,बल्कि व्यक्ति विशेष का स्वभाव, अंदाज, आदत तो छोड़ो लेकिन उसके जीवन की दिनचर्या ही बदल जाती है जिसमें उसके रिश्ते नाते संबंधों में दरार आने लगती है, जिससे वह व्यक्ति खुशीयों की खूबसूरत लकीर से हटकर अकेलापन और दुख की ओर चल पड़ता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इसका सबसे मजबूत कारण मिस अंडरस्टैंडिंग मिस कम्युनिकेशन व कम्युनिकेशन गैप है, चूंकि सामने वाला व्यक्ति, कहना कुछ चाहता है, हम समझते कुछ हैं, और हो कुछ और जाता है इसलिए सबसे पहले हमें उस अंडरस्टैंडिंग के अंदाज को समझने की जरूरत है,जिस लहजे में हमसे बोला जा रहा है, अगर हम यह तकनीक सीख गए तो मेरा पूरा विश्वास है हमारे रिश्ते नाते हमेशा दूर-दूर तक साधारण वह मजबूत रहेंगे। अवस्था में रहेंगे और हमें खुशियां मिलेगी क्योंकि खुशियों के लिए हमारे द्वारा बनाए संबंधों रिश्तो नातों को मजबूत स्वस्थ और खुशहाल बनाना जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे रिश्तो के बिना जीवन बेकार है रिश्तो पर ध्यान देने की जरूरत है, खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों को तोड़ने में गलतफहमी संवादहीनता व नांसमझी की मुख्य भूमिका हैँ। खुशहाल रिश्तों नातों को मजबूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत जरूरी हैँ।

साथियों बात अगर हम अपने जीवन में रिश्तों नातों को निभाने की करें तो,व्यक्ति के जीवन में उसका परिवार, दोस्त और रिलेटिव सबसे ज्यादा करीब होते हैं।रिश्ता चाहें जो भी हो,उसे निभाने के लिए कई जरूरी बातों का ख्याल रखना होता है। परिवार में हर व्यक्ति की सोच और स्वभाव एक दूसरे से अलग होती है, लेकिन फिर भी सभी घर में एक दूसरे के साथ बैलेंस बनाकर चलते हैं।कई बार व्यवहार बिल्कुल अलग होने और सोच एक दूसरे से न मिलने के कारण रिश्ते खराब हो जाते हैं और कई बार टूट भी सकते हैं,ऐसा कोई नहीं चाहता कि उनका रिश्ता उनके करीबियों से खराब हो जाए या टूट जाए, इसलिए अपने किसी भी रिश्ते में लापरवाही या नासमझी नहीं करनी चाहए। रिश्तो को खुशहाल रखने के लिए इन बातों को रेखांकित करना जरूरी है। (1) इज्जत और सम्मान करें-रिश्ता चाहें माता पिता से हो या दोस्तों से हो, उसकी मर्यादा को हमेशा याद रखना चाहिए,कोई भी रिश्ता बिना सम्मान के ज्यादा दिन नहीं टिक

पाता है अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए एक दूसरे की इज्जत करना बेहद जरूरी है। (2)भरोसा करें और ईमानदार रहें-दुनियां के हर रिश्ते की नींव भरोसे पर टिकी होती है। भरोसा कमजोर पड़ते ही सालों पुराने और खून के रिश्ते भी टूट जाते हैं,इसीलिए हमको अपने किसी भी रिश्ते में बेवजह शक नहीं करना चाहिए और अपनों का भरोसा कभी नहीं तोड़ना चाहिए। (3) इन चीजों को करने से बचेंरोक-टोक ना करें-हर समय की रोक-टोक किसी भी व्यक्ति को परेशान कर सकती है और वे आपसे धीरे धीरे दूर हो सकते हैं, इसीलिए बेवजह बात बात पर रोक टोक ना करें और सामने वाले को उनका पूरा समय देने की कोशिश करें। (4) मिसकॉम्युनिकेशन से बचें-किसी भी रिश्ते में कम्युनिकेशन गैप आने से रिश्ते खराब हो जाते हैं, इस स्थिति से बचने के लिए मन में कोई बात ना रखें और खुलकर बात करें और दूसरो को भी अपने मन की बात कहने का मौका दें।

साथियों बात अगर हम रिश्ते खराब होने के कारणों की करें तो, जब जब किसी रिश्ते के बीच में मैं का भाव आ जाता है तो है रिश्ता खराब होना निश्चित होता है,उसरिश्ते को तब तक नहीं बचाया जा सकता जब तक की मैं का भाव मिटा न दिया जाए।और यह हमारी आपसी तालमेल पर ही निर्भर करता है कभी हम अपनी गलती माने, कभी सामने वाला अपनी गलती माने, इसी प्रकार से जिंदगी खुशी पूर्वक चलती रहती है। परंतु यदि हम यह सोच कर बैठ जाएंगे कि हम तो गल्ती करते ही नहीं, तो फिर रिश्ता निभाना मुश्किल हो जाएगा। कई बार हमको उस बात के लिए भी सामने वाले से माफी मांग लेनी चाहिए, जिसमें कि हमारा कोई दोष नहीं है,क्योंकि कभी-कभी यह समय की आवश्यकता होती है और बाद में सही समय पर उस व्यक्ति को उसकी गलती का एहसास दिलाया जा सकता है।परंतु यदि अभी लड़ाई चल रही है और हम भी अपनी बात पर अड़ गए, तो फिर विवाद का अंत होना संभव ही नहीं है, विवाद बढ़ता ही चला जाएगा और यह स्थिति हमारे जीवन में अशांति और क्लेश घर कर जाएगा। एक सफल रिश्ते की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है,विश्वास और एक दूसरे पर भरोसा, इसे कभी भी नहीं टूटने देना चाहिए, क्योंकि यदि एक बार किसी का भरोसा आप पर से उठ गया, तो यकीन मानिए फिर दोबारा से उस व्यक्ति को भरोसे में ला पाना असंभव ही होता है वह हमेशा हमें शक की दृष्टि से ही देखेगा। यदि एक बार हमारे जीवन में शक नामक घुन लग गया तो यकीन मानिए फिर वह हमको तबाह करके ही छोड़ता है। पुरानी कहावत है लव रिक्वायर्स टोलरेंस।इसका सीधा अर्थ है प्यार में नजर अन्दाजी यानि झुकना जरुरी है।यानि अगर झुकोगे नहीं,तो टूट जाओगे(रिश्ता खत्म) ।तलाक के 90 प्रतिशत मामले अकड़ का नतीजा होते हैं। दोनों में से कोई भी झुकने को तैयार नहीं होता। इसलिए रिश्ता टूट जाता है।गलती हुई है,तो सॉरी बोलिए।बात को खत्म करिये। नजर अन्दाज करने की आदत डालिये।छोटी सी गलती को तूल देना अच्छा नहीं!अगर रिश्ता पति पत्नी का है,तो न कोई छोटा है,न कोई बड़ा ।टोकरी शहतूत के पेड़ की टहनी से इसलिए बनती है कि उसमें लचक होती है।वह मोड़ने पर टूटती नहीं ।यानि जो व्यक्ति झुकना नहीं जानता,वह टूट जाता है। इसलिए रिश्ता जिन्दा रखना है,तो झुकना सीखें वरना,एक दिन राख के ढेर में यादों को तलाशते रहजाएंगे ।रिश्तों में एक दूसरे को स्पेस देना बहुत जरूरी है। क्योंकि जब तक हम उनसे दूर नहीं जाएंगे वो आपकी कमी को कभी महसूस नहीं कर पाएंगे।और अगर रिश्तों को बेहतर बनाने की सोच से हम नजदीकियां बढ़ाएगे तो कहीं उलटा ही ना हो जाए,क्योंकि ज्यादा मिठास भी शुगर कर देती है,हाहाहा...। इसलिए थोड़ी दूरियां बनाइये ताकि हमारी कमी उन्हें महसूस हो,हमको याद करने का उन्हें अवसर दे।

साथियों बात अगर हम रिश्तो को जोड़े रखने की टिप्स को समझने की करें तो, रिश्तो को जोड़े रखने के लिए कभी अंधा कभी बहरा तो कभी गूंगा होना पड़ता है जी हां! यह रिश्ते को ही नहीं आज अपने घर में भी हर बुजुर्ग को बच्चों के साथ रहना, खाना है,तो यह करना चाहिए। यह उपाय हमको हर समस्या से बचाए रखता है।(1) समझदारी-रिश्तों को मजबूती से जोड़ने के लिए समझदारी बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप दूसरों की भावनाओं को समझ सकते हैं।(2) संवाद कौशल-सही संवाद कौशल रखना रिश्तों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है, जिससे समस्याओं का समाधान हो सकता है।(3)समर्पण-रिश्तों को टिकाऊ बनाए रखने के लिए समर्पण बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप एक दूसरे के साथ खुशियों और दु:खों का हिस्सा बन सकते हैं। (4) सहमति और समर्थन-रिश्तों में सहमति और समर्थन देना जरूरी है ताकि हर कदम पर आप एक दूसरे के साथ हों। (5) आपसी आत्मविश्वासरिश्तों को मजबूत रखने के लिए आपसी आत्मविश्वास महत्वपूर्ण है, ताकि आप खुद को और दूसरों कोसमझ सकें।जो लोग रिश्तो के प्रतिवफादार नहीं होते, और उनकी मर्यादा नहीं समझते या उनकी कीमत नहीं समझते, ऐसे लोग अपने रिश्तो को आसानी से तोड़ देते हैं।रिश्ते तोड़ते समय उनके मन में जरा सा भी संकोच या शर्म महसूस नहीं होती क्योंकि ऐसे लोग शर्म और संकोच से परे होते हैं, वह जानते ही नहीं है कि ,शर्म, मर्यादा और संकोच क्या कहलाता है ? ऐसे व्यक्तियों से यदि रिश्ता टूट जाता है तो दुख नहीं करना चाहिए,क्योंकि यह व्यक्ति आगे जाकर हमें और ज्यादा परेशान करते हैं।हमें यदि कल परेशान होना है तो ,क्यों ना हम इनके रिश्ते से टूट कर ,अभी बिखर कर फिर नए तरीके से संभलकर जीवन को आगे बढ़ाएं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों संबंधों की कद्र करें।खुशहाल रिश्तों नातों को मजबूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत जरूरी.रिश्तों नातों को खुशहाल बनाने आपसी आत्मविश्वास, समर्पण सहमति समर्थन व समझदारी का भाव रूपी अस्त्र की महत्वपूर्ण भूमिका हैँ।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

ट्रंप टैरिफ का दबाव और भारत का आत्मविश्वास - जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही

अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दुनिया में कई बार ऐसा होता है कि एक बड़े देश की नीति छोटे-बड़े देशों की अर्थव्यवस्था पर भूकंप की तरह असर डालती है। बीते वर्षों में अमेरिका ने जिस तरह से टैरिफ यानी आयात शुल्क का इस्तेमाल किया, उसने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अनिश्चितताओं में धकेल दिया। कई देशों के लिए यह सीधा झटका था, क्योंकि उनकी निर्यात क्षमता, निवेश प्रवाह और मुद्रा स्थिरता इस तरह के फैसलों पर निर्भर करती है। अमेरिका की यह नीति, जो ट्रंप प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट' सोच का परिणाम बताई जा रही है, का उद्देश्य अपने घरेलू उद्योगों और रोजगार को सुरक्षित करना बताया गया, लेकिन असल में यह दुनिया के लिए एकतरफा आर्थिक दबाव का साधन बन गई है। सवाल यह था कि भारत जैसे विकासशील देश इस चुनौती का सामना किस तरह करेंगे? रेटिंग एजेंसियों और वैश्विक थिंक-टैंकों ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका के टैरिफ का असर भारत पर गंभीर होगा। कहा गया कि भारत का निर्यात बुरी तरह प्रभावित होगा, विदेशी निवेशक भारत से मुंह मोड़ सकते हैं, रुपये पर दबाव बनेगा और रोजगार पर संकट आएगा। लेकिन, ठीक इसके उलट भारत ने जिस आत्मविश्वास और मजबूती के साथ इस दबाव का सामना किया, उसने सारी भविष्यवाणियों को गलत साबित कर दिया है।

अमेरिकी टैरिफ बम के बावजूद यह उपलब्धि अपने आप में असाधारण

ताजा तथ्य इसे और मजबूती से साबित करते हैं। सांख्यिकी मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के आंकड़े जारी किए हैं। इन आंकड़ों के सामने आते ही आज पूरी दुनिया ने देखा कि भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। यह वृद्धि न केवल पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही (6.5 प्रतिशत) से कहीं अधिक है, बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमानित 6.5 प्रतिशत से भी ज्या दा है। वैश्विक अनिश्चितताओं, व्यापारिक तनाव और अमेरिकी टैरिफ बम के बावजूद यह उपलब्धि अपने आप में असाधारण कही जाएगी।

कृषि ने निभाई ताकतवर भूमिका

अगर हम क्षेत्रवार देखें तो कृषि ने इस बार बड़ी भूमिका निभाई। बेहतर मानसून और सरकारी निवेश की बदौलत कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पिछले साल यह केवल 1.5 प्रतिशत थी। विनिर्माण क्षेत्र ने 7.7 प्रतिशत की दर से विकास किया और निर्माण क्षेत्र ने 7.6 प्रतिशत की। सेवा क्षेत्र, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, ने 9.3 प्रतिशत की शानदार गति हासिल की, जबकि पिछले साल यह महज़ 6.8 प्रतिशत था। यानी कि ग्रामीण खेतों से लेकर शहरी बाजारों तक और फैक्टरी की मशीनों से लेकर डिजिटल सेवाओं तक हर जगह विकास की आहट साफ-साफ सुनाई दे रही है।

सकल स्थायी पूंजी निर्माण में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

आर्थिक स्वास्थ्य का एक बड़ा संकेतक निवेश का स्तर होता है। इस तिमाही में सकल स्थायी पूंजी निर्माण में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई, जबकि पिछले साल यह 6.7 प्रतिशत थी। इसका सीधा मतलब है कि भारत में उद्योगों और बुनियादी ढांचे में निवेश का रुझान तेज है। सरकार के अंतिम उपभोग व्यय में भी 9.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दोगुने से अधिक है। राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों में सरकारी पूंजीगत खर्च ने इस वृद्धि को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ग्रामीण मांग का मजबूत बने रहना भी इस वृद्धि की कहानी का अहम हिस्सा है। बेहतर मानसून, कृषि उत्पादन और सरकारी योजनाओं ने गांवों में खपत को बनाए रखा। हालांकि निजी अंतिम उपभोग व्यय की वृद्धि पिछले साल की तुलना में कुछ धीमी रही। सात प्रतिशत की तुलना में महज 8.3 प्रतिशत, लेकिन कुल तस्वीर में इसका असर गंभीर नहीं पड़ा, क्योंकि सार्वजनिक निवेश ने इस कमी की भरपाई कर दी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा कहते हैं कि सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून, कम मुद्रास्फीति, बढ़ती क्षमता उपयोग और अनुकूल वित्तीय परिस्थितियों से आर्थिक गति बनी रहने की उम्मीद है। मज़बूत सरकारी पूंजीगत व्यय सहित सहायक मौद्रिक, नियामक और राजकोषीय नीतियों से भी मांग में वृद्धि होनी चाहिए। निर्माण और व्यापार में निरंतर वृद्धि के साथ सेवा क्षेत्र में भी तेजी बनी रहने की संभावना है।

अमेरिका और यूरोप मंदी की आशंकाओं से जूझ रहे

अगर हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह सफलता और बड़ी दिखाई देती है। अमेरिका और यूरोप मंदी जैसी आशंकाओं से जूझ रहे हैं। चीन की अर्थव्यवस्था भी पिछले वर्षों की तरह तेजी से नहीं बढ़ रही। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी माना है कि भारत आने वाले वर्षों में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर बनाए रखने वाली दुनिया की एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था रहेगा। यह भारत की नीतिगत स्थिरता, युवा जनसांख्यिकी, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे पर किए जा रहे भारी-भरकम निवेश का परिणाम है।

ये बनी भारत की सबसे बड़ी ताकत

यहां यह बात समझनी होगी कि अमेरिकी टैरिफ बम से भारत कैसे बचा! दरअसल, इसका पहला कारण है, भारत का विशाल घरेलू उपभोक्ता बाजार। 140 करोड़ की जनसंख्याक अपने आप में एक बहुत बड़ी ताकत है। जब घरेलू मांग बनी रहती है, तो बाहरी झटकों का असर सीमित हो जाता है। दूसरा कारण है, केन्द्र की मोदी सरकार की नीतियां। आत्मनिर्भर भारत अभियान, वोकल फॉर लोकल, स्टार्टअप्स और एमएसएमईस को समर्थन, सबने मिलकर विदेशी दबाव कम किया। तीसरा कारण यह है कि जनता का सहयोग। उपभोक्ताओं ने कठिन परिस्थितियों में भी देशी उत्पादों का साथ दिया, स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन दिया और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत किया। भारत की यह मजबूती शोधपरक दृष्टि से भी दिलचस्प है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारत की सबसे बड़ी ताक़त उसका युवा जनसंख्या आधार है। आधे से अधिक लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। डिजिटल इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है और स्टार्टअप इकोसिस्टम में भारत दुनिया में सबसे आगे है। इसके साथ ही रिज़र्व बैंक और सरकार की समन्वित नीतियां अर्थव्यवस्था को स्थिरता देती हैं।आज भारत जिस आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है, वह केवल आर्थिक संकेतकों की कहानी नहीं है। यह जनता और सरकार की साझी ताकत की गाथा है। यह उस देश की कहानी है जो बाहरी दबावों के बावजूद न केवल टिकता है, बल्कि और तेज दौड़ने लगता है। अमेरिका का टैरिफ बम भारत को डराने में नाकाम रहा। इसके उलट इसने भारत की अर्थव्यवस्था को और भी मज़बूत कर दिया। इन सभी तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष रूप में यही कहना होगा कि जब दुनिया मंदी के डर और वैश्विक व्यापारिक तनाव से घिरी है, भारत ने यह दिखाया है कि उसकी अर्थव्यवस्था का इंजन आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और जन-सहयोग से चलता है। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और यही उसे आने वाले वर्षों में वैश्विक नेतृत्व की राह पर ले जाएगा।

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। आयातित मालों में नरमी से आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेल बाजार सुस्ती पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन 4550 रू. प्रति क्विटल पर मजबूत रहा। शक्कर में ऊपरी स्तरों से मामूली लटक रही। वहीं, दलहनों में मूंग बाजार घटाकर बोले गये।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। शक्कर में 23.50 लाख टन के कोटे के बाद यद्यपि त्यौहारी माँग अच्छी रहने के बावजूद बाजार सुस्ती पर देखे गये। समीक्षा सप्ताह के दौरान शक्कर में बाजार 10-15 रू. प्रति क्विटल तक घटाकर बोले गये और शक्कर घटकर4230-4265 रू. प्रति क्विंटल पर आ गयी। खोपरे गोले में स्टॉक वाली बात नहीं है। आवकें सामान्य है। आलौच्य अवधि में खोपरा गोला 5-10 रू. प्रति किलो के सुधार पर रहा। कालीमिर्च में दिसावर कमजोर रहने से भावों में सुस्ती देखे गयी। कालीमिर्च में बाजार 745-770 रू. प्रति किलो पर एटम क्वालिटी माल बोले गये। तरबूज मगज में फिलहाल लेवाली ठंडी रहने से बाजार में नरमी बनी है। समीक्षा सप्ताह के दौरान तरबूज मगज में बाजार 540-600 रू. प्रति किलो के बीच आ गये। नारियल सहित किराना जिंसों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे।

तेल तिलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। बाजार सूत्रों का मानना है कि आयातित मालों में आयी नरमी का असर बाजार पर है। खरीफ तिलहन उत्पादन भी अच्छा रहने की आशा है, जिससे भावों में सुस्तता बनी हुयी है। समीक्षा सप्ताह के दौरान यद्यपि तिलहनों में सोयाबीन 4550 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। सरसो व रायडे में भी कीमतें ऊंची रही। किन्तु सोया तेल रिफाइंड माल 10-15 रू. प्रति 10 किलो तक हल्के रहे और सोया तेल रिफाइंड माल 1175-1180 रू. प्रति 10 किलो से घटकर 1160-1170 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सींगदाना तेल 1360-1370 रू. प्रति 10 किलो पर बने रहे।

दाल दलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। चने में लेवाली विशेष नहीं है। बाजार 6150-6200 रू. प्रति क्विंटल के बीच सामान्य देखे गये। मूंग में बिकवाली दबाव से बाजार 200-300 रू. प्रति क्विंटल तक टूटे और मूंग में बाजार 8000-8300 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। मसूर में बाजार 6050-6100 रू. प्रति क्विंटल के दायरे में रहे। तुअर में लेवाली कमजोर रहने से बाजार 6000-6500 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होने पर अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि भारत में विशाल जीडीपी वृद्धि और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने की क्षमता मौजूद है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि एक ऐसी तिमाही में जिसे टैरिफ तिमाही का नाम देना उचित होगा, देश की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि यह वह तिमाही थी, जब रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की जा रही थी। यह वह समय था जब पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था टैरिफ की उच्च दरों से नाखुश थी और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता थी। इस समय हमने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। हमें हमारी तुलना विश्व के दूसरे देशों से करनी चाहिए। उन्होंने भारत की जीडीपी की तुलना अलग-अलग देशों से करते हुए कहा कि हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2023 और 2024, दो सालों तक, जर्मनी ने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि हमारी तुलना अमेरिका से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि -0.5 फीसदी दर्ज की। हमारी तुलना जापान से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक, उन्होंने -0.2 फीसदी नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की है। हमारी तुलना ब्रिटेन से करें। सितंबर और अक्टूबर 2024 तक, उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की। पिछले कुछ सालों में भारत के प्रदर्शन को लेकर जिंदल ने कहा कि हमने कोरोना से लेकर अब तक हर तरह की नकारात्मकता का सामना किया है। कोरोना के बाद पिछले पांच सालों में वैश्विक अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से धीमी गति से गुजरी। बल्कि कुछ अर्थव्यवस्थाएं मंदी के दौर से भी गुजरी हैं, लेकिन फिर भी भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और वह किसी भी प्रतिस्पर्धी देश से कहीं ज्यादा तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

1 सितंबर से बदल रहे कई नियम, आम लोगों की जेब पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। सितंबर महीने से पैसों से जुड़े नियमों में बदलाव होने वाले हैं, जो सीधे आम लोगों की जेब और रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करेंगे। इनमें आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइलिंग की आखिरी तारीख, आधार कार्ड अपडेट, यूपीएस में बदलाव की अंतिम तिथि और क्रेडिट कार्ड से जुड़े नए नियम शामिल हैं। अगर आपने समय रहते ये जरूरी काम पूरे नहीं किए, तो परेशानी में पड़ सकते हैं। जो लोग आयकर रिटर्न फाइल करने से चूक गए थे, उनके लिए सरकार ने लेट फाइलिंग की अंतिम तारीख 30 सितंबर 2025 तय की है। अगर आप इस तारीख तक रिटर्न दाखिल नहीं करते हैं तो आपको लेट फीस और ब्याज देना होगा। वहीं आधार कार्ड अपडेट कराने की आखिरी तारीख 14 सितंबर 2025 तय की गई है। इसके बाद आधार अपडेट कराने पर आपको फीस देनी होगी। अगर आपके आधार में नाम, जन्मतिथि, पता या मोबाइल नंबर गलत है तो समय रहते अपडेट करा लें। सरकार ने कर्मचारियों को एनपीएस से यूपीएस में बदलने का विकल्प दिया है। इसकी डेडलाइन 30 सितंबर 2025 है यानी अगर आप नई पेंशन योजना (यूपीएस) चुनना चाहते हैं तो इस तारीख तक फॉर्म जरुर भर दें। 1 सितंबर यानी सोमवार से चांदी के ज्वेलरी खरीदने वालों के लिए नया नियम लागू हो जाएगा। अब ग्राहकों के पास दो विकल्प होंगे ङ्क वे चाहें तो हॉलमार्क्ड सिल्वर खरीद सकते हैं या फिर नॉन-हॉलमार्क्ड सिल्वर भी ले सकते हैं। बीआईएस ने सिल्वर ज्वेलरी के लिए भी हॉलमार्किंग सुविधा शुरू करने का फैसला किया है, लेकिन अभी यह नियम अनिवार्य नहीं होगा, बल्कि स्वैच्छिक रहेगा। अभी कई बैंक स्पेशल फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम चला रहे हैं, जिनकी आखिरी तारीख सितंबर 2025 है यानी अगर आप एफडी में निवेश करना चाहते हैं और बेहतर ब्याज दर पाना चाहते हैं, तो इंडियन बैंक और आईडीबीआई बैंक की इन स्पेशल एफडी योजनाओं में 30 सितंबर से पहले निवेश कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यो में बढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आप कहीं घूमने जाने की योजना बना सकते हैं। आप अपने दिल से लोगों को भला सोचेंगे, लेकिन लोगों इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती हैं। आपने यदि खानपान में बदलाव किया, तो पेट संबंधित समस्या आपको परेशान करेंगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आप अपने कामों को समय से निपटाने की कोशिश करें। वाहनों का प्रयोग आपको सावधानी से करना होगा। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों की चालों को समझना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपका कोई पुराना लेनदेन आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। संतान को आप किसी एक्टिविटी को ज्वाइन करा सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप नौकरी में मनमुताबिक लाभ मिलने से काफी खुश रहेंगे। आप अपने शत्रुओं के भी मित्र बन सकते हैं, लेकिन फिर भी आप उन पर भरोसा ना करें। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप संतान को कहीं बाहर जाकर पढ़ाई करने के लिए भेज सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। संतान को यदि कोई सेहत संबंधित समस्या थी, तो वह भी ठीक होगी, लेकिन आप अपनी जल्दबाजी की आदत के कारण किसी समस्या में आ सकते हैं। आप अपने कामों को लेकर लापरवाही ना दिखाएं। आपको दिखावे के चक्कर में पड़ने से बचना होगा। आप किसी से काम को लेकर हामी ना भरें, नहीं तो उसे पूरा करने में समस्या अवश्य आएगी। आप किसी नए बिजनेस के लिए कोई पार्टनरशिप कर सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में मेहनत की आवश्यकता है, तभी उन्हें बेहतर रिजल्ट मिलेंगे। आपको अपनी किसी भी बात को लेकर बेवजह क्रोध करने से बचना होगा, नहीं तो परिवार के सदस्य नाराज हो सकते हैं। आप नौकरी में यदि बदलाव की योजना बना सकते हैं, जिसके लिए आप किसी दूसरे नौकरी के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की रहने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे। आप किसी अजनबी की बातों में ना आएं। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों से भी सावधान रहना होगा। संतान आपसे किसी नए वाहन की खरीददारी के लिए बातचीत कर सकते हैं। आप अपने ससुराल पक्ष से किसी व्यक्ति से मेल-मिलाप करने जा सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए व्यापार के मामले में अच्छा रहने वाला है और आपकी आय में वृद्धि होगी। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। किसी पारिवारिक मामले को लेकर आप किसी बाहरी व्यक्ति से सलाह मशवरा न करें। व्यापार में आपको अच्छे लाभ मिलेंगे। सेहत में भी उतार चढ़ाव चल रहा था, तो वह भी काफी हद तक दूर होगा। माता-पिता से आपकी अच्छी बॉन्डिंग रहेगी, जिससे आप काम पूरे करने में सलाह मशवरा कर सकते हैं और उनकी सेवा के लिए भी आप समय निकालेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए धन के मामले का बढ़िया रहने वाला है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। शेयर मार्केट से जुड़े लोग कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। आप अपने घर के रिनोवेशन का काम करने की प्लानिंग करेंगे। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुश होगी। आप वाहनों का प्रयोग थोड़ा संभलकर करें।

धनु- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आप अपने कामों से आज एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे, जिससे आपको खुशियों रहेगी, लेकिन आप आज इधर-उधर के कामों में ना पड़ें और अपने समय का सदुपयोग करें। बिजनेस में भी आपको किसी बड़ी डील को फाइनल करने का मौका मिलेगा। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो उसके आपको मिलने के पूरी संभावना है।

मकर- आज का दिन आपके लिए चिंताग्रस्त रहने वाला है, क्योंकि आपकी कोई पुरानी समस्याओं उभर सकती हैं। आप अपनी आंखों का खास ख्याल रखें। संतान की पढ़ाई-लिखाई से संबंधित जानकारी आप उनसे लेते रहें, नहीं तो वह रास्ता भटक सकते हैं। आपको अपने बढ़ते खर्च पर लगाम लगाने की आवश्यकता है। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं, जिसमें परिजनों का आना जाना लगा रहेगा।

कुंभ- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी की बातों से काफी खुश रहेंगे। आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो उसके आपको मिलने के पूरे संभावना है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी और आपकी अच्छी सोच का आपको कार्यक्षेत्र में लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। आपको किसी सरकारी योजना में इन्वेस्टमेंट करना बेहतर रहेगा। कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामलों में आपको सावधानी बरतनी होगी, तभी आपको जीत मिल सकती है, क्योंकि विरोधी आपके खिलाफ कोई षड्यंत्र रच सकते हैं।

शब्दजाल - 8007

शब्द जाल में 1978 में प्रदर्शित 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

दा	रा	अ	ति	थि	ग	दा	मा	य	क	चि
मा	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	भू
द	आ	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ख
प	जा	खि	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
ट	द	र	री	हा	मि	री	अ	न	प	ढ़
ह	ह	प	व	झ	ह	ला	प	ड़	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	कू	ट	ना	ला	ह	क
दो	मु	सा	फि	र	छ	सौ	खू	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	न	दा	र	द
अं	खि	यों	के	झ	रो	खे	से	न	रु	थो
त	ड़	पा	ब	द	ल	ते	रि	श्ते	ह	ट

आखिरी डाकू, अनपढ़, अपना खून, भूख, अतिथि,आजाद,बदलते रिश्ते, दामाद, दो मुसाफिर, अंखियों के झरोखे से

शब्दजाल - 8006 का हल

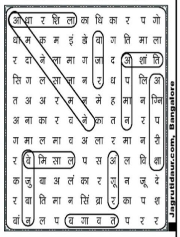

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6951

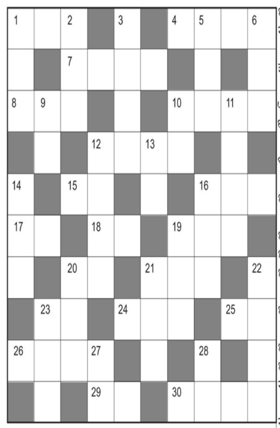

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 6950

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8475

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -8474 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2025 वर्ष का 244 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 19.55 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 16.32 बजे को समाप्त।
करण बालव 13.55 बजे तदनन्तर कौलव 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 8.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872454
जूलियन दिन 2460919.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 08
विशेष गौरी पूजा।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.53 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	तुला	09.04 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.18 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.40 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.26 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.59 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.29 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.09 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.08 बजे से
7.30 से 9.00		कर्क	02.21 बजे से
बजे तक		सिंह	04.37 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सच की राह

यह उस समय की बात है जब महादेव गोविंद रानाडे बालक थे। एक दिन वह घर में अकेले थे। उनका मन नहीं लग रहा था। वह बाहर बरामदे में खड़े-खड़े सोच रहे थे कि क्या करें। तभी उन्हें ख्याल आया कि कोई ऐसा खेल खेलना चाहिए जो अकेले खेला जा सके। उन्होंने सोचा क्यों न चौपड़ ही खेल लूं। उन्होंने मकान के एक खंभे को अपना साथी बनाया। खंभे के लिए अपना दायां हाथ व अपने लिए बायां हाथ निश्चित किया। फिर उन्होंने खेलना आरंभ किया। पहले दाएं हाथ से पासा फेंका। यह था खंभे का दांव। फिर बाएं हाथ से पासा फेंका। यह दांव उनका अपना था। थोड़ी ही देर में रानाडे हार गए। रानाडे को पता नहीं था कि उनका खेल सामने सड़क पर खड़े कुछ लोग देख रहे थे। उन्होंने पूछा, 'क्यों भैया, तुम खंभे से हार गए?' इस पर रानाडे बोले, 'क्या करूं? बाएं हाथ से पासा फेंकने की आदत नहीं है। खंभे का दाहिना हाथ था, सो वह जीत गया।' जब उनसे यह पूछा गया कि उन्होंने दायां हाथ अपने लिए और बायां हाथ खंभे के लिए क्यों नहीं रखा, तो रानाडे बोले, 'हार गया तो क्या हुआ। कोई मुझे बेईमान तो नहीं कह सकता न। अपने लिए दायां हाथ रखता और बेजान खंभे के लिए बायां, तो बेईमान कहलाता। बेचारे खंभे के साथ अन्याय हो जाता। अन्याय करना तो बहुत ही बुरा होता है।' रानाडे की बात सुनकर लोग भौंचक रह गए। सच के प्रति रानाडे की यह भावना आजीवन बनी रही।

सूडोकु नवताल- 7260

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7259 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

टैरिफ के चलते इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट

मुंबई। अमेरिकी टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के दबाव के कारण बाजारों में शुरुआती आशावाद कम होने से इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स 2.2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। मेटल, आईटी, रियल्टी और ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली साफ देखी गई, जिनमें 0.5 फीसदी से 1.5 फीसदी तक की गिरावट आई। इसके विपरीत, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मीडिया और एफएमसीजी शेयरों में 0.4 फीसदी से 1 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन कमजोर रहा, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में क्रमश: 0.57 फीसदी और 0.39 फीसदी की गिरावट आई। प्रस्तावित जीएसटी रेशनलाइजेशन, अनुकूल मानसून आउटलुक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में कमी और सितंबर में फेड दरों में संभावित कटौती जैसे वैश्विक कारकों के कारण इस सप्ताह बाजार सकारात्मक रूप से खुले। अमेरिकी टैरिफ की समय सीमा से पहले सतर्कता बरती गई, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली हुई और तीन सत्रों तक बाजार लाल निशान पर रहा। विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय वस्तुओं पर बाद में लगाए गए टैरिफ ने विश्वास को कम किया, जिससे सभी क्षेत्रों में मुनाफावसूली को बढ़ावा मिला। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख ने कहा कि बड़े शेयरों में गिरावट आई, जबकि मध्यम और छोटे शेयरों में बढ़े हुए मूल्यांकन और बढ़ी हुई अनिश्चितता के कारण भारी गिरावट देखी गई। उन्होंने कहा सरकारी खर्च और नीतिगत उपायों से प्रेरित भारत का पहली तिमाही का मजबूत जीडीपी आंकड़ा बाहरी चुनौतियों से निपटने में एक सुरक्षा कवच प्रदान कर सकता है, हालांकि राजकोषीय चिंताएं बनी हुई हैं। टैरिफ विवादों के समाधान से मार्केट सेंटीमेंट को बढ़ावा मिल सकता है, लेकिन 25 फीसदी का रेसिप्रोकल टैरिफ निकट से मध्यम अवधि तक प्रभावी रहने की संभावना है। जिन क्षेत्रों पर असर पड़ने की संभावना है उनमें कपड़ा, उपकरण निर्माता, धातु, ऑटो और समुद्री खाद्य शामिल हैं। आईटी और फार्मा क्षेत्र में सेंटीमेंट पर दबाव देखने को मिल सकता है, हालांकि टैरिफ का उन पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। भारत की अर्थव्यवस्था ने अप्रैल-जून 2025 तिमाही में उम्मीदों से बेहतर 7.8 फीसदी की रियल जीडीपी वृद्धि के साथ बढ़त हासिल की। निकट भविष्य में बाजारों में मिश्रित रुझान की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि उपभोग और घरेलू विकास पर केंद्रित क्षेत्रों, जैसे कि एफएमसीजी, ड्यूरेबल्स, विवेकाधीन वस्तुएं, सीमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को जीएसटी में कटौती, मजबूत मांग और सरकारी खर्च में वृद्धि से लाभ होने की संभावना है।

पेटीएम ने साफ किया, यूपीआई पेमेंट में नहीं आएगी कोई परेशानी

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पेटीएम ने साफ किया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल में बदलावों पर गूगल प्ले की हालिया अधिसूचना अधूरी थी और इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। कंपनी ने कहा कि पेटीएम पर यूपीआई भुगतान में कोई व्यवधान नहीं है और उपभोक्ता व व्यापारी दोनों के लेन-देन निर्बाध बने हुए हैं। पेटीएम ने बताया, इसका मतलब है कि अगर कोई यूजर यूट्यूब प्रीमियम या गूगल वन स्टोरेज या किसी भी आवर्ती प्लेटफॉर्म के लिए पेटीएम यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर रहा था, तब उस बस अपने पुराने ङ्मपेटीएम हैंडल को अपने बैंक से जुड़े नए हैंडल, जो ङ्मपीटीएचडीएफसी, ङ्मपीटीएक्सिस, ङ्मपीटीयस या ङ्मपीटीएसबीआई से बदलना होगा। पेटीएम ने बताया कि यह बदलाव, थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (टीपीएपी) के रूप में काम करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से मंजूरी मिलने के बाद नए यूपीआई हैंडल्स पर उसके माइग्रेशन का हिस्सा है। आवर्ती मैंडेट्स के लिए अपडेट पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त, 2025 है, यही वजह है कि गूगल प्ले ने यह अलर्ट जारी किया है। ग्राहकों को आश्वस्त करते हुए, पेटीएम ने कहा कि यह एक आसान अपडेट है जो निर्बाध आवर्ती भुगतान सुनिश्चित करता है जबकि ऐप पर अन्य सभी यूपीआई लेनदेन बिना किसी बदलाव के जारी रहते हैं।

अमेरिकी टैरिफ से होने वाले नुकसान को लेकर केंद्र सरकार हुई सतर्क

नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इसके जवाब में भारत ने तुरंत राहत उपाय शुरू कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का मकसद निर्यातकों को नकदी की कमी से बचाना, उत्पादन को बनाए रखना और नौकरियों को सुरक्षित रखना है। इसके अलावा विशेष आर्थिक क्षेत्रों में छूट और आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने की योजना है। अमेरिका ने 7 अगस्त से 25 फीसदी और 27 अगस्त से अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि यह कदम भारत के रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर उठाया गया है। इससे भारत के करीब 49 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है। यह भारत के अमेरिका को होने वाले कुल निर्यात का 55 फीसदी से ज्यादा है। खासकर कालीन (60 फीसदी), टेक्सटाइल (50 फीसदी), रत्न और आभूषण (30 फीसदी) और परिधान (40 फीसदी) जैसे क्षेत्रों पर ज्यादा असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निर्यातकों को ऑर्डर रद्द होने, भुगतान में देरी और नकदी की कमी का डर सता रहा है। सरकार ने इसके लिए कई योजनाएं तैयार की हैं। छोटे और मझोले उद्यमों को खास ध्यान दिया जा रहा है। इनके लिए ब्याज सब्सिडी, फैक्टरिंग, कोलैटरल सपोर्ट, निर्यात नियमों में मदद, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स सहायता दी जाएगी। साथ ही गोदाम सुविधाओं को बेहतर किया जाएगा। सेज यूनिट्स में ऑर्डर घटने की आशंका है। सरकार इन इकाइयों को विशेष छूट देगी। जीएसटी में टैक्स स्लैब कम करने और ज्यादा सामान को कम टैक्स ब्रैकेट में लाने की योजना है। इससे घरेलू मांग बढ़ेगी, जो निर्यातकों को वैकल्पिक बाजार देगी।

राज्य स्तरीय शालेय कराते प्रतियोगिता में बालाघाट के विजय, आदित्य, शिवानी करेंगे संभाग का प्रतिनिधित्व

बालाघाट (पद्‌मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश लोक शिक्षण संचनालय एवं मध्य प्रदेश शासन के निर्देश अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय, जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी एवं आयोजक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य शरद ज्योतिषी द्वारा संभागीय शालेय कराटे प्रतियोगिता 28 अगस्त को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में संपन्न करायी गयी । नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर की उपस्थिति में मेजर ध्यानचंद जी के जन्म दिवस के अवसर पर खेल मंत्रालय की टैगलाइन एक घंटा मैदान के लिए संबंध में जानकारी देकर संभाग के 07 जिलों के लगभग 250 खिलाड़ियों को शपथ दिलाकर इस शालेय प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया था। संभागीय शालेय कराते प्रतियोगिता के

अंतर्गत जबलपुर संभाग के सात जिलों ने सहभागिता की जिसमें जबलपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, सिवनी, नरसिंहपुर, कटनी एवं बालाघाट सम्मिलित हुए ।

इस संभाग स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में खेल और युवा कल्याण विभाग मुलना स्टेडियम जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र के 10 खिलाड़ियो ने जिला खेल अधिकारी अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में एवं जिला खेल प्रशिक्षक जिला खेल प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन के मार्गदर्शन में क्रमशः आरव तुरकर, सत्यम बर्वे, मेघ बिसेन, विजय बोरीकर, आर्यन जायसवाल, तन्वी बावनकर, कनक ठाकरै, आदित्य राणा, ध्रुवांक असाटी एवं शिवानी नेवारे ने भाग लिया। जिसमें राज्य स्तर के लिए मिनी वर्ग में विजय बोरीकर, जूनियर वर्ग में आदित्य राणा एवं सीनियर वर्ग में शिवानी नेवारे ने जबलपुर संभाग टीम में अपनी जगह सुरक्षित की है। इन खिलाड़ियों ने जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, कटनी, नरसिंहपुर के खिलाड़ियों को हराकर राज्य स्तर पर खेलने का यह अवसर हासिल किया है ।

इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी अभिषेक चौधरी एवं जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे, जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी ने सभी कोच एवं खिलाड़ियों को राज्य स्तर में पहुंचने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने में अजय ठाकुर, शैलेंद्र यादव, कमल तिलासे, कार्यालय विभागीय कर्मचारी योगेंद्र पटले, केदारनाथ ठाकरे, धीरज डोंगरे, शंकर लाल राहंगडाले जिला पीटीआई संघ के अध्यक्ष राजेश बिसेन, जिला ताइक्कांडो संघ के सेक्रेटरी नवजीत सिंह परिहार, अफीशियल कराते कोच एवं युवा समन्वयक कटंगी संतोष पारधी, राजेश बंम्बुरे बैहर, खेमलाल बरकडे, बालाघाट समन्वयक श्रीमती रीना रन्नेरे, बिरसा श्रीमती रितु परते, श्रीमती ममता वारासिवनी बिसेन एवं बालाघाट व्यायाम शिक्षक कंचन दास महाजन एमएलबी स्कूल, नवनीत दुबे खेल शिक्षक सांदीपनी स्कूल बालाघाट, बीना चौधरी सांदीपनी स्कूल रजेगाव हरीश धुवारें, राजेन्द्र सहारे, पुरूषोत्तम लिल्हारे, कोच रुपेन्द्र बनकर कार्यालय से सुधीर ठाकरे, दीपक अवचट, रंजीत का सराहनीय योगदान रहा है एवं उन्होंने इस उपलब्धि पर चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है ।

बाल गणेश उत्सव समिति देवलगांव ने की श्री गणेश जी की प्रतिमा स्थापित

लांजी (पद्‌मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत देवलगांव में बाल गणेश उत्सव समिति बाल टोली के द्वारा वार्ड क्रमाक 13 में श्री गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर विशेष पूजा आराधना की जा रही है साथ ही विभिन्न प्रकार के आयोजन भी बाल टोली के द्वारा किये जा रहे। विशेषज्ञ आकर्षण का केन्द्र लेजिंम डांस, रिकार्डिंग डांस, कुर्सीदौड, मटकी फोड़, गेंद डालो ईनाम पाओ जैसे अनेको मनोरंजन कर श्री गणेश उत्सव पर्व मनाया जा रहा है। इसी क्रम में बाल गणेश उत्सव समिति के द्वारा अनंत चुतदर्शी को महाप्रसाद वितरण कर हवन पूजन पश्चात प्रतिमा विसर्जन किया जायेगा। समिति के सदस्य रामाजी सोनवाने अध्यक्ष, माधवराव टेंभरे, सहसराम हरिनखेडे ,मेघराज फुंडे ,अनिल फुंडे सचिव, ठानेंद्र ठाकरे, जीवनलाल कोल्हे, गणेश टेंभरे, नेमचंद टेंभरे , चंदन लाल टेंभरे , जीवन लाल क्षीरसागर, नंदकिशोर फुंडे, इंद्रराज फुंडे, संतोष फूडे , प्रकाश फुंडे, राजकुमार फुंडे, रामेश्वर फुंडे, उमेंद्र टेंभरे, रामाजी टेंभरे, गुलाब बागडे , देवराम बागडे, चितरंजन बागडे, कमल बागडे,पांडुरंग टेंम्भरे , विजय टेंभरे , सुखदेव टेंभरे, रामराज सोनवाने, पुनेश टेंभरे, सहसराम सोनवाने, मानिक लाल सोनवाने, सेवक राम सोनवाने, छन्नू राऊत , ज्ञानी राम राउत, मनोहर लाल राउत , सतीश बागडे, छोटेलाल ठाकरे , गोपाल ठाकरे , जैनेंद्र ठाकरे, विनोद ठाकरे, बबलू राऊत, बृजलाल सोनवाने, डाकचंद गुजर, जयचंद गुजर, टेकचंद सोनवाने , युवराज ठाकरे, कमल सोनवाने , लोकराम सोनवाने , डोंडू सोनवाने, गणेश सोनवानी, पांडुरंग बागडे, सदाराम बागडे, मुकेश राऊत, हीरालाल राउत, एवन बागड?र , प्रीतम लाल ठाकरे, जीतलाल कटरे, मंगल टेंभरे आदि के द्वारा सभी भक्त एवं धर्म प्रेमियों से कार्यक्रमो में उपस्थिती की अपील की है।

नव युवक श्री गणेश उत्सव समिति देवलगांव ने की प्रतिमा स्थापना

लांजी(पद्‌मेश न्यूज)। क्षेत्र भर में गणेशोत्सव की धूम है। घर-घर में विराजे विघ्नहर्ता की विशेष आराधना की जा रही है। सुबह से ही गणपति बप्पा मोरिया के जयघोष के बीच मंदिर व पंडालों में विशेष पूजा अर्चना आरती कर धूम धाम से श्री गणेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे। क्षेत्र के ग्राम देवलगांव में हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया जा रहा है। बताया गया कि नवयुवकों द्वारा भगवान गणेश के पंडालों में आकर्षक रंग बिरंगी विद्युत साज सज्जा की गई है। भगवान गणेश की स्थापना होते ही देवलगांव में चारों ओर भगवान की भक्ति से संबंधित मधुर गीत सुनाई दे रहे हैं। पंडालों में समितियों द्वारा सुबह व शाम के समय आरती की जा रही

है। विकासखंड के देवलगांव में नवयुवक श्री गणेश उत्सव मंडल के शिवकुमार बरई,, जितू ठाकरे, धर्मेंद्र मेश्राम, किसन सोनवाने, सचिन रहांगडाले, दीपक मेश्राम, हेमनिधी चौधरी, राजेश्वर चौधरी, अक्षय कोहरे, आशिष चौधरी, विजय ठाकरे, विकास गजबे, ओमप्रकाश गौतम, राजकुमार बरई,सचिन बिसेन, शुभम भालाधरे, गुलशन सोनवाने, जितेन्द्र गजबे के अलावा अन्य ग्रामीणों के सहयोग से रोजाना मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ग्राम बालक गण सहित ग्रामीणो के द्वारा बढ चढकर भाग लिया जा रहा है। वहीं समिति के सदस्यो ने बताया अनंत चुतदर्शी को महाप्रयाद का आयोजन पण्डाल के समीप किया गया है।

भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होकर लांजी पहुंचे हवलदार आरिफ खान का किया भव्य स्वागत

लांजी (पद्‌मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम पूनाभर्री निवासी हवलदार आरिफ खान, जो भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स में 18 वर्षों तक देश सेवा में समर्पित रहे, 31 अगस्त 2025 को सेवानिवृत्त होकर अपने गृह नगर लांजी लौटे। इस अवसर पर पूर्व सैनिक कल्याण संगठन लांजी-किरनापुर और उनके मित्र मंडल ने उनका भव्य स्वागत किया।

आरिफ खान, सरिफउल्लाह खान उर्फ बाबू पटेल और रशीदा खान के पुत्र हैं। उन्होंने छोटी उम्र में ही देश सेवा का संकल्प लिया और वर्ष 2007 में राजपूताना राइफल्स में भर्ती होकर अपनी सेवा शुरू की। 18 वर्षों की सेवा के दौरान उन्होंने भारत के विभिन्न सीमावर्ती क्षेत्रों में कार्य किया, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के तहत जैसलमेर (पाकिस्तान सीमा) पर महत्वपूर्ण योगदान शामिल है।

सेवा क्षेत्रः 2007-2010ः दिल्ली ट्रेनिंग सेंटर, राजपूताना राइफल्स, 2010-2011ः अंडमान निकोबार द्वीप समूह, 2011-2013ः

जम्मू-कश्मीर (गुरेज, कारगिल), 2013-2015ः राष्ट्रीय राइफल्स, जम्मू-कश्मीर, 2016ः बीकानेर, राजस्थान, 2017-2019ः अरुणाचल प्रदेश (चीन सीमा), 2019-2020ः मेरठ, उत्तर प्रदेश, 2021-2023ः जम्मू-कश्मीर (हाई एल्टीट्यूड), 2023-2025ः उदयपुर, जोधपुर, और जैसलमेर (ऑपरेशन सिंदूर) इसके अतिरिक्त, आरिफ खान ने ऑपरेशन पराक्रम और इन्फेंट्री राजपूताना राइफल्स में ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

स्वागत समारोहः 31 अगस्त 2025 को लांजी के सुभाष चौक पर पूर्व सैनिक कल्याण संगठन और मित्र मंडल ने फूल-माला, बैंड-बाजे के साथ हवलदार आरिफ खान का भव्य स्वागत किया। उन्होंने सुभाष चौक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और संगठन के सदस्यों के साथ रैली निकालकर क्षेत्रवासियों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी सैन्य सेवा के अनुभव साझा किए और संगठन को धन्यवाद दिया।

उपस्थित गणमान्यः स्वागत समारोह में पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के अध्यक्ष पवन कुमार सोनवाने, उपाध्यक्ष हुलास राम सिरामे, सचिव गणेश मोरघड़े, कोषाध्यक्ष प्रीतम चालक, मीडिया प्रभारी रूप कुमार बिसेन, पर्यावरण प्रभारी श्रीराम नगपुरे, मानव विकास प्रभारी निरंजन देवगढ़े, सदस्य शैलेंद्र मोहबिया, सुनील पालेवार, कमलेश बसेना, चिंटू दुबे, एडवोकेट बबीता पशीने, संध्या चालक, किरण नगपुरे सहित सैनिक परिवार के सदस्य और बच्चे उपस्थित थे।

मित्र मंडल से साहिद खान, खालिद खान, साजिद खान, उज्जवल श्रीवास्तव, विशाल दुग्गड, शालू अली, ईकराम शेख, नितीन बडघैया, शुभम मिश्रा, अमित आसटकर, अमन मिश्रा, विजय पांचे, उपकेन वराड़े, अमित मुरकुटे सहित अन्य मित्रों और नगरवासियों ने भी उनका स्वागत किया।

हवलदार आरिफ खान की देश सेवा और उनके योगदान को लांजी क्षेत्रवासियों ने गर्व के साथ याद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीएम हाउस के गेट पर लगी विक्रमादित्य वैदिक घड़ी

भोपाल । मप्र का सीएम हाउस पहला होगा, जहां भारतीय काल गणना पर आधारित दुनिया की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित की गई है। इस घड़ी और नवनिर्मित प्रवेश द्वार का उद्घाटन 1 सितंबर (सोमवार) को किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक एप भी तैयार कराया है, जिसमें 189 भाषाओं को समाहित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय काल गणना की सबसे विश्वसनीय पद्धति का इस्तेमाल विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के रूप में उज्जैन में किया था। इस घड़ी का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 फरवरी 2024 को किया था।

वैदिक घड़ी को लखनऊ की संस्था आरोहण के आरोह श्रीवास्तव ने टीम की मदद से तैयार किया है। इसमें त्ररूञ्ज के 24 घंटों को 30 मुहूर्त (घटी) में बांटा गया है। हर घटी का धार्मिक नाम और खास मतलब है। घड़ी में घंटे, मिनट और सेकेंड वाली सुई भी रहेगी। सूर्योदय और सूर्यास्त के आधार पर यह टाइम कैलकुलेशन करती है। मुहूर्त गणना, पंचांग, मौसम से जुड़ी जानकारी भी हमें इस घड़ी के जरिए मिलेगी।

मुख्यमंत्री निवास में करेंगे युवाओं से संवाद

मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने बताया कि इस तारतम्य में मुख्यमंत्री निवास पर युवाओं से संवाद भी करेंगे। इसके पहले सुबह 9 बजे से शौर्य स्मारक से भव्य बाइक रैली निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि यह वैदिक घड़ी भारतीय परंपरा, वैदिक काल गणना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित विश्व की पहली घड़ी है। बीते साल 29 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उज्जैन में इसकी पुर्नस्थापना की जा चुकी है। इसकी खूबियों और इसके महत्व को देखते हुए देश और दुनिया में व्यापक सराहना मिली है। प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ भारतीय दूतावासों में इसकी स्थापना की जा चुकी है। इसके बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री निवास, विधानसभा, मंत्रालय और सभी ज्योर्तिलिंगों के साथ प्रमुख मंदिरों में इसकी स्थापना पर विचार किया गया है। इस दौरान विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के अन्वेषणकर्ता आरोह श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

उकवा विजेता और कांद्री बनी उपविजेता

कटंगी(पद्‌मेश न्यूज)। क्षेत्र की मायॅल नगरी तिरोड़ी में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जन्म जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय अंतर खान फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. रविवार की शाम साढ़े 04 बजे समारोह पूर्वक प्रतियोगिता का समापन हुआ. प्रतियोगिता के समापन से पहले सामूहिक पैदल यात्रा और स्वस्थ भारत की प्रतिज्ञा ली गई. प्रतियोगिता में तिरोड़ी, भरवेली, चिखला, कांद्री, मनसर, डोंगरी बुर्जूग, उकवा खान की फुटबॉल टीमों ने हिस्सा लिया. प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला उकवा और कांद्री के बीच खेला गया. जिसमें उकवा टीम विजयी रही. कांद्री उपविजेता टीम बनी. फुटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी को रोमांचित कर दिया. 29 अगस्त को खेल भावना, सहयोग और प्रतिस्पर्धा की भावना को समर्पित मेजर ध्यानचंद को याद कर प्रतियोगिता की शुरुआत की गई थी. प्रतियोगिता में पहले ही दिन से सभी टीमों के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबले हुए. सभी टीमों ने अनुशासन, टीम वर्क और बेहतरीन कौशल का परिचय देते हुए दर्शकों का दिल जीत लिया. प्रतियोगिता के समापन समारोह में मॉयल अधिकारी मनीष ढोके, रितेश माने, गजानंद देवतले, प्रितेश नागदेवे, राकेश बिसेन, आशीष दुआ, अभिनंदन कुमार, प्रदीप उके ने शिरकत की. इन अधिकारियों ने विजेता और उपविजेता टीम को सम्मानित किया. मायॅल प्रबंधक ने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी विकास करते हैं. मॉयल ने सदैव खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य किया है।

मदर्स प्राइड कॉन्वेंट स्कूल, नंदोरा (घोटी) में शाला प्रबंधन समिति का गठन

लांजी (पद्‌मेश न्यूज)। नगर के समीपवर्ती वनांचल क्षेत्र ग्राम नंदोरा (घोटी) में संचालित मदर्स प्राइड कॉन्वेंट स्कूल में 30 अगस्त 2025 को नई शाला प्रबंधन समिति के गठन हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सभी अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे।

संस्था प्रभारी श्रीमती कल्पना सोनवाने ने उपस्थित अभिभावकों को शाला प्रबंधन समिति की संरचना व गठन प्रक्रिया की जानकारी दी। शासन के निर्देशानुसार अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों के आधार पर 10 सदस्यीय समिति का चयन किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से दिलीप ऊईके को अध्यक्ष और श्रीमती गीता मनोज मानकर को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसके साथ ही डिलेश्वर मरठे, जागेश्वर दांदरे, टेकचंद पांचे, धीरज वाहने, विजय श्रीवास, दिनेश दांदरे, श्रीमती स्वाती चित्रकांत टिकेश्वर और श्रीमती गुणिता सूरेश पांचे को समिति सदस्य के रूप में चुना गया।

नवनिर्वाचित समिति को शाला प्रभारी श्रीमती कल्पना सोनवाने, शाला संचालक प्रतीक देवगढ़े, संदीप बोरकर और समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बधाई दी। सभी ने शाला के विकास और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की अपेक्षा व्यक्त करते हुए आभार प्रकट किया।

साडरा में श्री गणेश पर्व की धूम, रोजाना आयोजित हो रहे कार्यक्रम

लांजी (पद्‌मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम साडरा में सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति बस स्टैण्ड साडरा के द्वारा धूम धाम से श्री गणेश पर्व का आयोजन किया जा रहा है। समिति के सदस्यों एवं ग्राम वासियों के सहयोग से रोजाना कार्यक्रम कर आयोजित किये जा रहे। जिसके तहत मनोरंजन के लिये कुर्सी दौड़, मटकी फोड़, रिकार्डिंग डांस, गरबा, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सहित अन्य आयोजन किये जा रहे। समिति के सदस्य गण महाराजः- परमानंद तिवारी , राजा रणदीवे, राज नगपूरे, राकेश घोरमारे ,कैलाश हनोते , दामेश ढोक , राहुल रणदीवे, छोटू रणदीवे, दिनेश घोरमारे , जय रणदीवे, प्रणव बिल्हारे,ओम प्रकाश विजयवार, सागर बिल्हारे, अजय सोनवाने, सुमित रणदीवे, प्रवीण गजबे ,शुभम बिल्हारे ,सोमेश रणदिवे ,राहुल गुर्दे ,आकाश जामुरे ,सोनू मेहर ,देवेंद्र वसिष्ठ ,सागर सांडे,सतीश ठाकरे ,आशु नंदनवार ने बताया कि अनंत चतुदर्शी को हवन पूजन कर महाप्रसाद वितरण किया जायेगा तथा विधि पूर्वक प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा।

श्रीमति फिरोज़ा खान को बनाया गया यूनाइटेड नेशन रिसोॅस सेन्टर म.प्र. का कार्डीनेटर

बालाघाट (पद्‌मेश न्यूज)। श्रीमति फिरोज़ा खान को यूनाइटेड नेशन रिर्सोस सेन्टर ने म.प्र. का कार्डीनेटर बनाया। ज्ञात हो कि विगत 25 वर्षों से श्रीमति खान यूनेस्को से जुड़ी है और सक्रिय रूप से राष्ट्रीय, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर अनेक कार्यक्रमो में सहभागिता कर चुकी है। प्रमुख रूप से शिक्षा, जलवायु परिवर्तन विश्व धरोहर,सांस्कृतिक मानवाधिकारों की सुरक्षा एवं सस्टेनेबल डेव्हलपमेंट में अनेको कार्यशाला मे सहभागिता कर चुकी है। श्रीमति खान के कार्यों को देखते हुए डा अश्विनी शर्मा एक्जीकीटीव डायरेक्टर यूनाइटेड रिर्सोस सेन्टर गुहाटी दारा पत्र जारी कर श्रीमति खान को म.प्र. का कार्डनेटर बनाया गया। श्रीमति खान सामाजिक क्षेत्र में काफी सराहनीय कार्य कर चुकी है जिन्हे म.प्र. शासन एवं केन्द्र शासन द्वारा अनेकों बार सम्मानित किया जा चुका है। उनकी. इस उपलब्धी पर स्नेहीजनो द्वारा बधाई प्रेषित की गई है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्रांडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में 50 फीसदी की सीमा से आगे जाएगा आरक्षण...

सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी मामले को किया टॉप ऑफ द बोर्ड में लिस्टेड, 22 सितंबर से होगी सुनवाई

भोपाल। मप्र में ओबीसी आरक्षण का रास्ता एक तरह से साफ हो गया है। इस मुद्दे पर अब भाजपा और कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक कर प्रस्ताव पास किया है। यह मामला पिछले 6 सालों से अटका हुआ है। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा सरकारी भर्ती परीक्षाओं में शामिल हुए उन लाखों अभ्यर्थियों को उठाना पड़ रहा है, जिसमें आरक्षण का फार्मूला तय न होने की वजह से नियुक्तियां नहीं दी जा रही। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी मामले को टॉप ऑफ द बोर्ड में लिस्टेड किया है। यानी 22 सितंबर से सुप्रीम कोर्ट में इस पर सबसे पहले सुनवाई होगी। माना जा रहा है ओबीसी आरक्षण का रास्ता जल्द ही साफ हो जाएगा, लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि 27 फीसदी आरक्षण का फार्मूला किस तरह निकलेगा। ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण के मामले में पूर्व में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया फैसला रोड़ा बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण नहीं दिया जा सकता। हालांकि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण दे चुकी है। छत्तीसगढ़ सरकार ने दिसंबर 2022 को विधानसभा में विधेयक पास कर ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया है। इसके बाद वहां एसटी को 32 फीसदी, एससी को 13 और ईडब्ल्यूएस को 4 फीसदी आरक्षण दिया जा जा रहा है। इस तरह छत्तीसगढ़ में 76 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट भी राहत दे चुकी है।

मप्र में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा 2019 में शुरू हुआ। दिसंबर 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार सत्ता में आई। मार्च 2019 में कमलनाथ सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण फैसला किया और प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया। मार्च 2020 में सरकार के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल हुई। हाईकोर्ट ने 27 फीसदी आरक्षण पर रोक लगाई। कोर्ट ने कहा कुल आरक्षण 50 फीसदी से ज्यादा नहीं किया जा सकता। मप्र में मार्च 2019 के पहले सरकारी नौकरियों में ओबीसी को 14 फीसदी, एसटी को 20 फीसदी और एससी को 16 फीसदी आरक्षण दिया जाता था। बाकी बचे 50 फीसदी पद अनरिजर्व्ड कैटेगरी से भरे जाते थे। इसमें 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस शामिल था। इस तरह आरक्षण की सीमा 50 फीसदी थी। ओबीसी का आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी किए जाने के बाद प्रदेश में आरक्षण की सीमा बढकर 63 फीसदी जाएगी। यानी ओबीसी 27 फीसदी, एसटी को 20 फीसदी, एससी को 16 फीसदी आरक्षण हो जाएगा। यानी आरक्षण 63 फीसदी हो जाएगा। यानी अनारक्षित वर्ग के लिए 37 फीसदी बचेगा। इसमें भी 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस का आरक्षण रहेगा।

87-13 का फॉर्मूला नहीं आएगा काम

हालांकि सरकारी नौकरियों में भर्तियों के लिए 87-13 का फार्मूला लागू किया गया था। यहां 87 का आशय अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व सामान्य वर्ग के लिए कुल आरक्षण के लिए 87 फीसदी और 13 फीसदी का मतलब ओबीसी के लिए निर्धारित 27 में से 14 का लाभ दिए जाने के बाद बाकी 13 फीसदी के परिपेक्ष्य में पद होल्ड किए जाने थे। हालांकि ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य एडवोकेट धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा कहते हैं कि यह एक अंतरिम व्यवस्था थी, इस फार्मूले को रद्द कर दिया गया है। ओबीसी आरक्षण में सरकारी भर्तियों पर किसी तरह की रोक ही नहीं है, तो सरकार अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग देना क्यों नहीं चाहती।

ओबीसी के साथ धोखा कर रही सरकार

उधर सपाक्स के संस्थापक और रिटायर्ड आईएएस हीरालाल त्रिवेदी कहते हैं कि आरक्षण के मामले में एक आयोग बनाया जाना चाहिए कि सामाजिक और आर्थिक रूप से आरक्षण किसे मिलना चाहिए। आयोग अध्ययन करे कि किस-किस को आरक्षण के वर्ग से बाहर किया जाए और किसे कितना फीसदी आरक्षण मिलना चाहिए। सरकार ने ओबीसी वर्ग में क्रीमिलेयर को भी डाल दिया। जबकि एससी, एसटी के साथ भी क्रीमिलेयर होना चाहिए। एक तरह से यह पिछड़ों के साथ भेदभाव है। सरकार की कोशिश यह होनी चाहिए कि अंतिम पंक्ति को कैसे आगे लाया जाए। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र सिंह कहते हैं कि सरकार को क्रीमिलेयर भी लागू कर देना चाहिए। आज किसी एक परिवार में 10-10 लोग सरकारी नौकरी में हैं, लेकिन एक वर्ग ऐसा भी है। जिसके जीवन स्तर में सुधार नहीं आ पा रहा।

फैसले से 8 लाख अभ्यर्थियों को मिलेगी राहत

ओबीसी आरक्षण की वजह से 2019 से अभी तक करीबन 35 भर्तियां अटकी हुई हैं। इससे करीबन 8 लाख अभ्यर्थी प्रभावित हैं। ओबीसी आरक्षण का मामला सुलझने से इन अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी। इनमें से कई अभ्यर्थियों ने परीक्षाएं दी, लेकिन रिजल्ट अब तक रूका हुआ है। उन्हें पता ही नहीं कि वे सिलेक्ट हुए भी हैं या नहीं। विवाद के चलते सभी भर्ती परीक्षा में 13 फीसदी पद होल्ड पर रखे गए हैं।

मप्र में भारी बारिश से नदी-नाले उफान...

भोपाल। मप्र में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। लोग जान जोखिम में डालकर उफनती नदियां पार कर रहे हैं। उज्जैन में कार सवार पुलिया से बह गए। कार झाडियों में फंस गई। वहां मौजूद लोगों ने कार सवारों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। उज्जैन में गंभीर डैम का एक गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। नर्मदापुरम में तवा डैम के तीन गेट आज भी खुले हुए हैं। रायसेन में भारी बारिश के बाद राहतगढ़ वाटरफॉल 80 फीट ऊंचाई से गिर रहा है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, चंबल और सागर संभाग में भी तेज बारिश हुई है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- मध्यप्रदेश के बीचोंबीच से एक मानसून टर्फ गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की एक्टिविटी भी है। इस वजह से शनिवार को इंदौर समेत कई जिलों में तेज बारिश का दौर बना रहा।

इंदौर में 3 इंच से ज्यादा बारिश, खरगोन भी तरबतर

प्रदेश के निमाड़ में शनिवार को बादल जमकर बरसे। इंदौर में 3.1 इंच पानी गिर गया। वहीं, खरगोन में डेढ़ इंच बारिश हुई। गुना में आधा इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। ग्वालियर, पचमढ़ी, रतलाम, बालाघाट, हरदा, श्योपुर, मंदसौर, धार में भी हल्की बारिश का दौर जारी रहा। रात में भी कई जिले भीगे।

पुल पर से बह रही शिप्रा नदी

उज्जैन के आस-पास हुई बारिश के कारण शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। रविवार सुबह बडनगर मार्ग को जोडने वाले छोटे पुल के ऊपर से करीब तीन फीट पानी बह रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से पुल के दोनों ओर बैरिकेड्स लगाए गए हैं। पुल पर पुलिस और होमगार्ड के जवान तैनात है। इंदौर और बांध के कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश के कारण उज्जैन के गंभीर डैम में पानी बढ़ रहा है। इंदौर के यशवंत सागर डेम के गेट खुलने के बाद गंभीर डैम का एक डेढ़ मीटर तक खोला गया। डैम की कुल क्षमता 2250 एमसीएफटी है।

तवा डैम के तीन गेट आज भी खुले

नर्मदापुरम के इटारसी और आसपास के क्षेत्रों में रविवार सुबह से तेज बारिश जारी है। तवा डैम के 13 गेटों में से 3 गेट दो-दो फीट खोले गए हैं। इनसे लगभग 10,542 क्यूसेक पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। जल स्तर की स्थिति के अनुसार, सेठानी घाट पर 941.90 फीट, तवा डैम पर 1164.40 फीट, बरगी डैम पर 422.76 मीटर और बारना डैम पर 348.23 मीटर जलस्तर दर्ज किया गया है।

हर जिले में खुलेंगे पीसीबी के दफ्तर

- मप्र में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सरकार की कवायद

भोपाल। प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के कार्यालय खोले जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण और जल-वायु प्रदूषण पर प्रभावी रोक के लिए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। बताया जा रहा है कि इस प्रक्रिया की शुरुआत कटनी, गुना और देवास जिलों से हो चुकी है, जहां पहले क्षेत्रीय कार्यालय थे, जिन्हें अब जिला कार्यालयों में बदला जा रहा है। इन दफ्तरों से ही जिला स्तर पर प्रदूषण की नियमित मानिटरिंग भी की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेशभर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर कड़ाई से रोक लगाने की भी तैयारी की जा रही है।

बता दें कि प्रदेश में अभी केवल संभागीय मुख्यालयों और औद्योगिक शहरों में ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दफ्तर और मानिटरिंग यूनिट हैं। यह भी बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन तय सीमा से देश में प्रदूषण अधिक है। इससे भारतीयों की उम्र 3.5 साल घट रही है। इस संकेत से देशभर में चिंता बढ़ी है। शिकागो यूनिवर्सिटी के एनर्जी पालिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में वायु प्रदूषण का स्तर तय सीमा से आठ गुना अधिक पाया गया था। इस दृष्टिकोण से अब राज्य सरकार इस ओर अधिक ध्यान दे रही है और इसी के तहत जिलों में पीसीबी के कार्यालय खोलने का निर्णय लिया गया है।

5 सितम्बर तक आएगी भाजपा पदाधिकारियों की पहली सूची

भोपाल। भाजपा की नगर कार्यकारिणी अब एक सप्ताह के अंदर घोषित होगी। भोपाल में खुले लिफाफों के बाद उनकी सूची बनाई गई, लेकिन उसमें जातिगत और क्षेत्र के समीकरणों में सामंजस्य का लेकर प्रदेश संगठन को संशय था। अब एक बार फिर सूची जिलाध्यक्षों को सौंप दी गई है। कहा जा रहा है कि 5 सितम्बर तक नगर कार्यकारिणी की पहली सूची घोषित कर दी जाएगी। सूची होल्ड रखी जाने की खबर दैनिक अग्निबाण ने पहले ही प्रकाशित कर दी थी। भाजपा संगठन द्वारा इस बार नगर कार्यकारिणी को लेकर नया प्रयोग किया जा रहा है, जिसमें रायशुमारी के आधार पर नियुक्तियां की जाना हैं। इसको लेकर पिछले एक महीने से कवायद चल रही है। पहले विधायकों और वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए गए नामों को लेकर संगठन ने मना कर दिया था और अपने पर्यवेक्षक भेजकर रायशुमारी करवाई थी। रायशुमारी के लिफाफे भोपाल पहुंचने के बाद सूची बनाने का काम चल रहा है और संगठन द्वारा हर संभाग के जिलाध्यक्षों को बुलाकर उनसे सूची पर मंथन किया जा रहा है। इन सूचियों को देखने पर पता चल रहा है कि इसमें विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने अपने समर्थकों को उपकृत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, जबकि संगठन ने कहा था कि क्षेत्र में जातिगत, क्षेत्रीय और प्रभावशाली कार्यकर्ताओं को ध्यान में रखकर नियुक्ति की जाए, ताकि उनका समाज में प्रभाव रहे। सभी जिलाध्यक्षों को उनके जिलों की सूची देकर कहा गया है कि जो नाम रायशुमारी में आए हैं, उन नामों पर एक बार विधायक और वरिष्ठ नेताओं से मंथन करें और उनकी वर्तमान स्थिति क्षेत्र में कैसी है, उस पर भी जानकारी जुटाएं।

पटवारियों का रिव्यू होगा कैडर, विभागीय स्तर पर बनी सहमति

- अब बनेंगे सीनियर और सर्किल पटवारी

भोपाल। मप्र में पटवारियों का कैडर रिव्यू करने को लेकर विभागीय स्तर पर सहमति बन गई है। अब पटवारी सीनियर और सर्किल पटवारी बनेंगे। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने अफसरों को चिट्ठी लिखकर कहा है कि पटवारी कैडर का रिव्यू प्रोजेक्ट तैयार करें। अगर ऐसा हुआ तो 27 साल बाद पटवारियों के कैडर रिव्यू पर अमल की स्थिति बनेगी। जिससे पटवारियों के वेतनमान में हुई विसंगति को भी सुधारा जा सकेगा। कैडर रिव्यू को लेकर एक दौर की बैठक भी हो चुकी है।

प्रदेश के 23 हजार पटवारियों को समयमान वेतनमान समेत अन्य मांगों को लेकर राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट किया जाता रहा है। एमपी पटवारी संघ के माध्यम से मंत्री से हुई चर्चा के बाद कैडर रिव्यू पर विचार करने की सहमति दिखाई गई थी। अब विभाग के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल ने पटवारियों के कैडर रिव्यू को लेकर पिछले दिनों पटवारी संघ के पदाधिकारियों की मौजूदगी में बैठक की है। इसमें पटवारियों के वेतनमान, भत्ते, पदोन्नति, भर्ती समेत अन्य मुद्दों पर तैयार किए गए प्रस्ताव पर चर्चा हुई है। कैडर रिव्यू से पटवारी संवर्ग के कर्मचारियों को फायदे होंगे। इसे देखते हुए इसमें सुधार के लिए और बदलाव के लिए भी निर्देश दिए हैं। इसके बाद प्रस्ताव पर अंतिम सहमति के बाद इसे राजस्व मंत्री के संज्ञान में लाकर सीएम को इससे अवगत कराया जाएगा। इसके पहले 1998 में पटवारी कैडर का रिव्यू किया था।

तैयार होगा कैडर रिव्यू प्रोजेक्ट

प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने पिछले माह 29 जुलाई को प्रमुख सचिव राजस्व विभाग को पत्र लिखा था। इसके बाद शासन ने आयुक्त भू अभिलेख को पत्र लिखकर कहा है कि प्रदेश के पटवारी संवर्ग के कैडर रिव्यू प्रोजेक्ट को तैयार किया जाए। इसके बाद पूरे प्रकरण का परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। इसका प्रस्ताव मध्य प्रदेश पटवारी संघ ने दिया है। इसलिए इसके बारे में मप्र पटवारी संघ को भी जानकारी दी जाए। मप्र पटवारी संघ के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह का कहना है कि सरकार को इसके लिए बार-बार ज्ञापन दिए जा रहे थे। अभी बैठक हुई है, लेकिन जब तक सरकार इस पर अंतिम निर्णय नहीं लेती, तब तक कुछ कहा नहीं जा सकता।

अब गोडाउन में ही चलेंगे समर्थन मूल्य खरीदी केंद्र

भोपाल। प्रदेश में गेहूं, धान, चना, उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए राज्य सरकार अब गोडाउन को प्राथमिकता देगी। ऐसा इसलिए होगा ताकि गोडाउन पर समर्थन मूल्य खरीदी केंद्र बनाए जाने पर खरीदे गए अनाज को ढोने में लगने वाला खर्च रोका जा सके। यह निर्णय खरीदी प्रक्रिया को और आसान बनाने के चलते लिया गया है। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रश्मि अरुण शमी ने यह बात प्रोक्योरमेंट रिफार्म पर हुई स्टेट लेवल वर्कशॉप में कही। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में हुई वर्कशॉप में भारत सरकार के अपर मुख्य सचिव एवं वित्तीय सलाहकार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति संजीव शंकर, भारत सरकार में संयुक्त सचिव सी. शिखा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपर मुख्य सचिव शमी ने कहा कि गत रबी सीजन में लगभग 9 लाख किसानों से 77 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं खरीदा गया और लगभग 20 हजार करोड़ रुपए किसानों के खाते में ट्रांसफर किए गए। गेहूं खरीदी में राज्य सरकार द्वारा 175 रुपए प्रति क्विंटल का बोनस दिया है। इसी तरह लगभग 6 लाख 50 हजार किसानों से 43.5 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। खरीदी के लिए किसानों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में आधार नम्बर को भी जोड़ा गया है। खरीदी केन्द्रों से ही मिलर्स को धान देने का प्रावधान किया है। खरीदी केन्द्रों पर किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

पीडीएस को जन पोषण केंद्र बनाएंगे

शमी ने कहा कि पीडीएस दुकानों में अनाज ले जाने वाले वाहनों की सघन मॉनिटरिंग की जाती है। प्रदेश में उचित मूल्य की दुकानों को जन पोषण केन्द्र के रूप में विकसित करने की भी योजना है। वर्तमान में इंदौर में यह कार्य शुरू कर दिया गया है। उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न लेने वाले उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी कराई जा रही है। ई-केवाईसी के बाद अपात्र लोगों को बाहर किया गया है और लगभग 5 लाख 70 हजार नए उपभोक्ताओं को सूची में जोड़ा गया है। भारत सरकार के अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति संजीव शंकर ने कहा कि वर्कशॉप में उपस्थित अधिकारी अपने सुझाव जरूर दें। शंकर ने कहा कि खरीदी की प्रक्रिया को और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है, इस संबंध में विमर्श किया जायेगा। भारत सरकार की संयुक्त सचिव पॉलिसी एण्ड एफसीआई सी. शिखा ने बिलिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सब्सिडी की जानकारी प्रतिमाह भेजें। उन्होंने मध्यप्रदेश की गुड प्रैक्टिसेस के बारे में भी जानकारी दी और विभाग की कार्यप्रणाली की सराहना की।

गढ़पाले ने दी पीसीएसएपी की जानकारी

जनरल मैनेजर एफसीआई विशेष गढ़पाले ने प्रोक्योरमेंट सेंटर सेल्फ असेसमेंट प्रोग्राम (पीसीएसएपी) के बारे में जानकारी दी। आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने गेहूं और धान के खरीदी के संबंध में बनाये गये एक्शन प्लान की जानकारी दी। उन्होंने खरीदी प्रक्रिया के सरलीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये। एमडी नागरिक आपूर्ति निगम अनुराग वर्मा ने उपार्जन और भंडारण की प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं से अवगत कराया। अश्विनी गुप्ता ने फिजिकल वेरिफिकेशन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

पीएम की मां को गाली देने से नाराज भाजपा ने राहुल गांधी की निकाली अर्थी

भोपाल। बिहार के दरभंगा में कांग्रेस की सभा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दिए जाने के विरोध में आज भोपाल में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अर्थी निकाली। प्रदर्शन के लिए भाजपा महिला मोर्चा की बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भोपाल के रेड क्रॉस चौराहे पर इक्ट्ठा हुईं और नारेबाजी करते हुए कांग्रेस कार्यालय की ओर बढने लगीं। हालांकि, पुलिस ने उन्हें सिद्धांत हॉस्पिटल के सामने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया।

प्रदर्शन के दौरान बारिश शुरू हो गई, जिसके चलते महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने अर्थी को वहीं तोड़ दिया और प्रदर्शन समाप्त किया। इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया और भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति भी शामिल हुए।

अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहा कि महिलाओं का अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्या महिलाएं राजनीति और अन्य क्षेत्रों में अपमान सहने के लिए काम करती है? हम राहुल गांधी से पूछना चाहते हैं, क्या आपके घर में बहन-बेटियां नहीं हैं? क्या आप इसी तरह माताओं और बहनों का अपमान करते रहेंगे?

राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगें

राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि अब मातृशक्ति जाग चुकी है और यदि अब भी कांग्रेस ने होश नहीं संभाला तो बची-खुची कांग्रेस भी पूरी तरह स्वाहा हो जाएगी। हमारी मांग है कि राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और आगे से किसी भी महिला का अपमान नहीं करें। भाजपा में महिलाओं को जो सम्मान, सुरक्षा, स्वाभिमान और बराबरी का अधिकार दिया गया है, वह किसी अन्य पार्टी में नहीं है।

मूकबधिर बच्चियों से दुष्कर्म करने वाले हॉस्टल संचालक को आजीवन कारावास

भोपाल। राजधानी के विशेष न्यायालय ने मूकबधिर बच्चियों के साथ दुष्कर्म और शोषण करने वाले आरोपी हॉस्टल संचालक अश्विनी कुमार शर्मा को आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। विशेष न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव की कोर्ट ने आरोपी पर 2,500 रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की राशि जमा नहीं करने की स्थिति में दोषी को अतिरिक्त 6 माह का कारावास भुगतना होगा। आरोपी अश्विनी ने मूकबधिर पीड़िता युवती के साथ दुष्कर्म कर उसे 10 दिनों तक कैद में रखा था। घर में कैद करने के बाद उससे झाड़ू, पोंछा और बर्तन धुलवाने का काम करवाता था। इतना ही नहीं आरोपी पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी वीडियो बनाकर मोबाइल में सेव कर लेता था, और हॉस्टल में दूसरी लड़कियों को दिखाता था। प्रकरण में शासन की ओर से डीपीओ राजेंद्र कुमार उपाध्याय और विशेष लोक अभियोजक टीपी गौतम ने पैरवी की। लोकअभियोजक से मिली जानकारी के अनुसार दुष्कर्म की यह घटना अवधपुरी थाना क्षेत्र की अक्टूबर 2017 से 1 मार्च 2018 के बीच की है। पीड़िता यू श्रवण बाधित होकर अनुसूचित जनजाति की बालिका है, पीड़िता ने 2016 में 11वीं की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद उसे सामाजिक न्याय विभाग भोपाल की मदद से शासकीय गैस राहत एवं पुनर्वास प्रशिक्षण संस्थान गोविंदपुरा भोपाल में प्रवेश दिलाया गया था। पीड़िता को आरोपी अश्विनी कुमार शर्मा द्वारा संचालित कृतार्थ ब्यायज हॉस्टल में रखवाया गया इस हॉस्टल को सामाजिक न्याय विभाग से अनुदान मिलता था। आरोपी ने पीड़िता को खाना बनाने और रहने के लिए अपने घर पर बुला लिया। इसके बाद आरोपी ने जबरदस्ती की। इस मामले में आरोपी अश्विनी कुमार शर्मा के खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं। आरोपी ने तीन पीड़िताओं के साथ दुष्कर्म किया है। मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न से तंग आकर पीड़िताएं अपने घर लौट गई और बाद में समाजसेवी की मदद से आपबीती बताई। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर कोर्ट में चालान पेश किया था। सूनवाई पूरी होने पर कोर्ट ने आरोपी अश्विनी कुमार शर्मा को धारा 376 (2) आई भादवि में 15 वर्ष, धारा 3(2) (अ) एससीएसटी एक्ट में आजीवन कारावास, धारा 323 में 6 माह एवं 7 हजार रूपये अर्थदण्ड एवं अर्थदण्ड जमा न करने की दशा में 6 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास से दण्डित किया है।

आरोपी अश्विनी को पिछले साल इसी मामले में एक अन्य मूकबधिर पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने पर उम्रकैद की सजा हो चुकी है।

आखिर कैसे मिलेगा मिशन वात्सल्य योजना का लाभ

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग की मिशन वात्सल्य योजना के तहत 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों को प्रति माह 4000 की सहायता देने की घोषणा की गई है। लेकिन योजना की पात्रता के लिए सरकार ने ग्रामीण परिवारों की आय सीमा 72,000 और शहरी परिवारों की आय सीमा 96,000 प्रतिवर्ष तय कर दी है। यही शर्त अब योजना को सवालों के घेरे में खड़ा कर रही है। दरअसल, सरकार ने ही हाल ही में मजदूरी दरलगभग 700रु प्रतिदिन निर्धारित की है। यदि कोई मजदूर साल भर नियमित काम करे, ओर से 500 रु की मजदूरी मील तो भी उसकी सालाना आय लगभग 1,50,000 से अधिक होगी। ऐसे में अधिकांश परिवार योजना की आय सीमा से बाहर हो जाएंगे और पात्र दिव्यांग बच्चों को सहायता नहीं मिल पाएगी।

वंचित रह जाएंगे कई बच्चे

सरकार द्वारा जो मानक स्तर तय किया गया है वह वास्तविकता से कहीं पर है इसके आधार पर इंदौर के कई दिव्यांग वात्सलय योजना का लाभ पाने से वंचित हो सकते हैं। विशेषज्ञों की माने तो सरकार को या तो आय सीमा बढ़ानी चाहिए या फिर मजदूरी दर में बढ़ोतरी के अनुरूप पात्रता शर्तों में बदलाव करना चाहिए।मौजूदा प्रावधानों के कारण वास्तविक जरूरतमंद दिव्यांग बच्चे भी योजना से वंचित रह सकते हैं।

लगभग 20 दिन का समय बीत जाने के बावजूद भी अब भी कई दिव्यांग इस योजना में लाभान्वित नहीं हो पाए हैं विभाग से मिली जानकारी के अनुसार लगभग 2600 बच्चे पात्रता रखते हैं इसलिए घर घर जाकर सर्वे कर बच्चों को लाभान्वित किए जाने की प्रणाली बनाई गई है।ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव और सामाजिक सुरक्षा अधिकारी मिलकर सर्वे करेंगे। शहरी क्षेत्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, वार्ड प्रभारी और मोबाइल स्त्रोत सलाहकार घर-घर जाकर दिव्यांग बच्चों की जानकारी जुटाएंगे। वही छात्रावास और आश्रमों में रहने वाले बच्चों को लाभ दिलाने के लिए संस्था प्रमुख और प्राचार्य जिम्मेदार रहेंग।

मिशन वात्सल्य योजना, आय सीमा बन रही बाधा

लाभ-दिव्यांग बच्चों को 4000 प्रति माह

ग्रामीण आय सीमा- 72,000 प्रतिवर्ष

शहरी आय सीमा - 96,000 प्रतिवर्ष

जब न्यूनतम मजदूरी ही आय सीमा से अधिक है, तो योजना का लाभ आखिर किसे मिलेगा।

बाजार में 100 और 200 रुपए के नकली नोट

भोपाल। देश में 100 और 200 रूपये के नकली नोट बड़ी मात्रा में प्रचलन में आ गए हैं। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल ने 9300 के नकली नोट पहुंचे हैं। यह 100 और 200 रूपये के नकली नोट हैं।नकली नोट रिजर्व बैंक मे आने पर इसकी रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई गई है।

रिजर्व बैंक के शाखा प्रबंधक देवेंद्र बोराना ने 100 रूपये के 67 और 200 रूपये के 13 नकली नोट की रिपोर्ट एमपी नगर पुलिस स्टेशन पर दर्ज कराई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद इसकी जांच शुरू कर दी है।

पहले सेट में एक भी गेम नहीं गंवाया और दूसरे सेट में भी अपनी लय बरकरार रखी

यूएस ओपन: भांबरी और वीनस की शानदार जीत, बोपन्ना व काधे बाहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी।

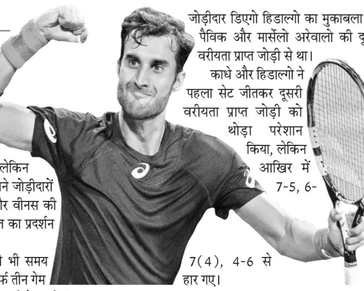

भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस ने यहां मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन की अमेरिकी जोड़ी को करारी शिकस्त देकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया, लेकिन रोहन बोपन्ना और अर्जुन काधे अपने अपने जोड़ीदारों के साथ हारकर बाहर हो गए। भांबरी और वीनस की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 6-0, 6-3 से जीत हासिल की।

उन्होंने अपनी विरोधी टीम को किसी भी समय वापसी का मौका नहीं दिया और मैच में सिर्फ तीन गेम गंवाए। भांबरी और वीनस ने पहले सेट में एक भी गेम नहीं गंवाया और दूसरे सेट में भी अपनी लय बरकरार रखा। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों की सिर्वस जल्दी ही तोड़ दी और आसानी से मैच अपने नाम किया। भारत के स्टार खिलाड़ी बोपन्ना और मोनाको के उनके जोड़ीदार रोमेन अर्नेडो शनिवार की रात को खेले गए मैच में रॉबर्ट कैश और जेम्स ट्रेसी की अमेरिकी जोड़ी से मात्र एक घंटे पांच मिनट में 4-6, 3-6 से हार गए। कैश और ट्रेसी ने शानदार प्रदर्शन किया और ब्रेक प्वाइंट को प्रभावी ढंग से भुनाया। इस बीच अमेरिकी ओपन में पदार्पण कर रहे काधे और उनके जोड़ीदार डिएगो हिडाल्गो का मुकाबला मैट पैविक और मार्सेलो अरेवालो की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से था।

काधे और हिडाल्गो ने पहला सेट जीतकर दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को थोड़ा परेशान किया, लेकिन आखिर में 7-5, 6-7(4), 4-6 से हार गए।

यूएस ओपन में बच्चे को कैप दे रहा था खिलाड़ी करोड़पति बिजनेसमैन ने हाथ से छीन लिया

यूएस ओपन का एक्शन जारी है। इस बीच टूनामेंट का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में पोलैंड के खिलाड़ी कामिल माजचर्क का मुकाबला रूस के करेन खाचानोव से हुआ। इस मुकाबले में माजचर्क को पहले दो सेट में हार मिली। इसके बाद भी उन्होंने जीत हासिल कर तीसरे राउंड में जगह बना

ली। उन्होंने मैच को 2-6, 6-7, 6-4, 7-5, 7-6 से अपने नाम कर लिया। इस मैच के बाद एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। जीत के बाद माजचर्क फैंस को ऑटोग्राफ दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी कैप एक बच्चे को दी। लेकिन पास में खड़े एक व्यक्ति ने कैप छीन ली और उसे अपनी पत्नी के बैग में डाल दिया। बच्चे को कुछ समझ नहीं आया।

थप्पड़कांड के वीडियो को लेकर ललित मोदी बोले, मैंने सच बताया

लंदन। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने कहा है कि हरभजन सिंह और श्रीसंत के थप्पड़कांड का वीडियो उन्होंनें इसलिए जारी किया था क्योंकि वह सच्चाई सबके सामने लाना चाहते थे। ललित मोदी ने कहा कि इस वीडियो को लेकर श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी की नाराजगी सही नहीं है। इससे पहले श्रीसंत की पत्नी ने मामले के 17 साल के बाद इस वीडियो को दोबारा जारी करने के लिए ललित मोदी और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क की कड़ी आलोचना की थी।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब ललित मोदी और क्लार्क आईपीएल के पुराने किस्सों पर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान पूर्व कमिश्नर ने वह अनदेखा क्लिप जारी किया, जिसमें मैच समाप्त होने के बाद हाथ मिलाने के दौरान हरभजन , श्रीसंत को थप्पड़ मारते नजर आए। इस घटना के चलते हरभजन पर बचे हुए मैचों के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था।

पूर्व कमिश्नर ने कहा, मुझे नहीं पता कि श्रीसंत की पत्नी क्यों नाराज हैं। मुझसे एक सवाल पूछा गया था, और मैंने सच बता दिया। मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता। मैं सच बोलने के लिए जाना जाता हूं। श्रीसंत पीड़ित थे और मैंने वही कहा। इससे पहले किसी ने मुझसे यह सवाल नहीं किया था, इसलिए जब क्लार्क ने पूछा तो मैंने जवाब दिया। उन्होंने क्लार्क को यह भी समझाया कि यह क्लिप उन्हें सिक्योरिटी कैमरा फुटेज से मिली थी, क्योंकि उस समय ब्रॉडकास्टर ने अपने कैमरे बंद कर दिए थे।

हालांकि, हरभजन ने इस घटना के लिए कई बार सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी थी और कहा था कि उन्हें इसका पछतावा हमेशा रहेगा। वहीं भुवनेश्वरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस घटना की आलोचना करते हुए इसे घृणित, हृदयहीन और अमानवीय बताया था। भुवनेश्वरी ने लिखा, ललित और क्लार्क, आपको शर्म आनी चाहिए। श्रीसंत और हरभजन दोनों ही जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और अब स्कूल जाने वाले बच्चों के पिता हैं, फिर भी आप पुरानी बातों को सामने ला कर कड़वाहट घोलने का प्रयास कर रहे हैं।

अब आधा घंटा देर से होंगे एशिया कप के मुकाबले

दुबई। 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (युएई) में होने वाले एशिया कप के कार्यक्रम में हल्का सा बदलाव किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्मी के कारण एशिया कप के मुकाबले भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होंगे। पहले यह मैच शाम 7¬30 बजे निर्धारित थे। यूएई में गर्मी और उमस को देखते हुए आयोजकों ने मैचों के समय को आधे घंटे बढ़ा दिया है। इस फैसले को प्रयोजकों ने

भी स्वीकार कर दिया है। यूएई का मौसम खिलाड़ियों के लिए काफी परेशानी पैदा कर सकता है। खासकर गर्मी और उमस के कारण खिलाड़ियों और दर्शकों को परेशानी हो सकती है, इसी को देखते हुए समय में बदलाव किया है। दिन के समय तापमान बेहद अधिक रहता है, जिससे शाम को भी गर्मी बनी रहती है। आयोजकों ने यह फैसला लिया है कि मैचों को रात के समय आधा घंटा आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर खेल स्थितियां मिलें और दर्शकों को स्टेडियम में आरामदायक अनुभव हो। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगी। इसके बाद 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान का मुकाबला होगा। वहीं ग्रुप स्तर का अंतिम मुकाबला भारत 19 सितंबर को ओमान से खेलेगा। वहीं सुपर-4 के मुकाबले 20 सितंबर से शुरू होंगे जबकि टूर्नामेंट का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा।

भारतीय टीम ने दूसरा मैच भी जीता, जापान को 3-2 से हराया

राजगीर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां खेले जा रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में अपना दूसरा मैच भी जीत लिया है। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के पूल ए में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोलों से जापान को 3-2 से हराया। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में चीन को 4-3 से हराया था। उस मैच में भी हरमनप्रीत ने तीन गोल दागकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। जापान के खिलाफ मुकाबले में भारत की ओर से पहला गोल मंदीप सिंह ने चौथे ही मिनट में कर दिया। इसके बाद हरमनप्रीत ने मैच के 5 वें मिनट में ही पैनाल्टी पर एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया।

विराट आने वाले समय में केवल आईपीएल में ही खेलेंगे -पठान

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है आने वाले समय में विराट कोहली केवल आईपीएल में ही खेलते हुए दिखेंगे। इरफान पठान का मानना है कि कोहली और रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती अक्टूबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मैच अभ्यास हासिल करना होगा क्योंकि दोनो ही काफी समय से खेल से दूर हैं। टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के बाद उनके पास केवल आईपीएल और एकदिवसीय में खेलने का अवसर ही है। एकदिवसीय मैच कम होने से इन्हें अभ्यास का कम समय मिला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ असफल रहने पर इनके

ऊपर संन्यास लेने का दबाव होगा। पठान ने कहा, कोहली और रोहित के लिए एकमात्र चुनौती नियमित क्रिकेट खेलना रहेगा। उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती नियमित रूप से खेलना और फिट रहना होगा। विराट केवल आईपीएल खेलेंगे, और फिर जब भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट होगा, तो उसमें हिस्सा ले सकते हैं। टी20 ने एकदिवसीय को पीछे छोड़ दिया है, इसलिए एकदिवसीय फॉर्मेट के मैचों की संख्या काफी कम हो गई है। ऐसे में दोनों के ऊपर ही दबाव होगा। जहां तक रोहित शर्मा की बात है, मैंने उनसे बात की है और वह फिटनेस को लेकर बहुत उत्सुक हैं। विराट भी ऐसे ही उत्साहित होंगे। खिलाड़ियों के नजर से देखें तो सबसे ज्यादा उनके अंदर खेलने की भूख रखती है। यह उनके बारे में एक बड़ी बात है कि वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा लक्ष्य - स्वीटी

उदयपुर। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्वीटी के अनुसार एशियाई कप में मुकाबले आसान नहीं रहेंगे। उसे इसमें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। ऐसे में टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए उसे इससे पहले होने वाले दोस्ताना मैच में मेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत में ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ शुरुआती मुकबाला खेलेगी। वहीं

इसके बाद उसे 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना होगाहोगा।

स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए आसान नहीं होगा पर हमारी पूरी तैयारी रहेगी। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के किये जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे महिला फुटबॉल का विकास होगा। इसी कड़ी में जिंक फुटबॉल अकादमी का प्रारंभ होना भी सकारात्मक कदम है।

इस महीने क्वालिफायर में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर स्वीटी की कप्तानी में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने टूर्नामेंट के लिए एशियाई कप के क्वालिफाई किया था।

स्वीटी ने कहा, मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तानी करने का अवसर मिला। मैं भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी और अपने फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए प्रयास करूंगी। मुझे भरोसा है कि हमारी टीम में इस प्रकार की क्षमता है हालांकि इसके लिए हमें कठिन प्रयास करने होंगे।

एशिया कप में पाक के खिलाफ मैच के बहिष्कार की मांग तेज हुई

मनोज तिवारी बोले, जिस देश से आ रहे आतंकी उसके साथ खेलने का कोई मतलब नहीं

कोलकाता। भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले एशिया कप क्रिकेट मैच का विरोध तेज गया है। प्रशंसकों के अलावा अब पूर्व क्रिकेटर भी इस मैच का विरोध करने लगे हैं। वहीं सरकार ने कहा है कि भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगी पर बहुपक्षीय टूर्नामेंटों में भाग लेने से टीम को रोका नहीं जा सकता है। ऐसे में अब बोर्ड को तय करना है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगा या नहीं। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह के बाद अब मनोज तिवारी का भी कहना कि जिस देश से हमारे यहां आतंकी आ रहे हैं उससे खेलने का कोई मतलब नहीं है।

तिवारी ने कहा कि पाक टीम का बहिष्कार होना चाहिये। उनका कहना है कि जब जब हम जानते हैं कि ये आतंकवादी हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान से आ रहे हैं। वहीं पाक सरकार ने अपने देश में पनप रहे आतंकवादी संगठनों को खत्म करने के लिए कभी कोई कदम नहीं उठाया। इन आतंकियों ने हमारे देश में पहलगाम में 26 लोगों की जानें लीं, ऐसे में पाक के साथ खेलने पर विचार भी नहीं किया जा सकता है। तिवारी ने कहा कि टूर्नामेंट में पाकिस्तान का सामना करने से भारत को क्या लाभ होगा। तिवारी का मानना ??है कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करके और बाकी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करके एक कड़ा संदेश देना चाहिए। उन्होंने कहा, इससे क्या फायदा? आपको टीआरपी चाहिए; आपको रेवेन्यू चाहिए? अगर आईसीसी वाले उनसे छुटकारा नहीं पा सकते, तो आप उस मैच से छुटकारा पा लीजिए। बाकी मैचों में आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं। देखिए क्या होता है। यह हमारे देश की तरफ से एक बयान होगा। हम खेल भावना के नाम पर उस देश के खिलाफ नहीं खेल सकते हैं जहाँ से आतंकवादी आते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। वहीं इससे पहले हरभजन सिंह ने भी कहा था कि भारतीय टीम को एशिया कप का बहिष्कार करना चाहिये।

अब कोच की भूमिका निभाना चाहते हैं अश्विन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आने वाले समय में कोच की भूमिका में भी नजर आ सकते हैं। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही उनके विदेशी लीग में खेलने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस पूर्व स्पिनर का कहना है कि उनकी अगली योजना कोचिंग करना है। अश्विन ने खुलासा किया कि कोच के तौर पर काम करना ही उनका भविष्य हो सकता है। अश्विन ने कहा, मैं जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे जाता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला काम कोच की भूमिका निभाना है। मैं इसे एक बहुत ही अहम साधन मानता हूं।

रोहित और विराट को एकदिवसीय विश्वकप तक के लिए टीम में बनाये रखें - रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहिये। रैना के अनुसार टीम को विश्वकप में रोहित और विराट जैसी अनुभवी खिलाड़ियों की जरुरत है। रैना ने कहा कि जिस प्रकार दोनो ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दिलायी। वैसा ही ये दोनो विश्वकप में भी कर सकते हैं। रैना के अनुसार विश्वकप में भी रोहित ही कप्तानी करें। रोहित ने अभी तक 50 ओवर का विश्व कप नहीं जीता है, उनकी कप्तानी में टीम 2023 विश्वकप में फाइनल तक पहुंची थी पर उसमें उसे हार का सामना करना पड़ा। वहीं विराट 2011 वर्ल्ड विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। रोहित अभी 38 जबकि

कोहली 36 साल के हैं। दोनों ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

रैना ने कहा, रोहित और विराट कोहली दोनों के पास काफी अनुभव है। रोहित का पता है कि वह घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। वह इसके लिए अभ्यास भी कर रहे हैं। मैं चाहता हूं कि 2027 का एक विश्वकप भी खेलेंगे। हालांकि सारी चीजें चयनकर्ताओं पर निर्भर करती हैं कि वे कैसी टीम बना रहे हैं। अगर मैं चयनकर्ता होता दोनों को अवसर देता, रोहित कप्तान रहते और कोहली भी खेलते। कोहली ने 2011 एकदिवसीय विश्व कप जीता है। रोहित को भी एक जीतना चाहिए। उनके पास बहुत अनभव है। फिर उनके पास सबकुछ होगा। आईपीएल से लेकर टी20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और और एकदिवसीय विश्व कप। मुझे लगता है कि उन्हें एक और अवसर मिलना चाहिए। मुझे लगता है कि उन्हें अवसर मिलेगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसर इन दोनो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलने की कम ही संभावना है। ये भी कहा जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद इन्हें बाहर किया जा सकता है।

सीपीएल में अजीब तरीके से आउट हुए होप

जमैका। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर शे होप ने कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में 28 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाये। इस मैच में होप एक अजीब सा शॉट लगाकर आउट हुए। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के गेंदबाज़ टेरेंस हिंड्स ने की ऑफ स्टंप के बाहर की गयी गेंद पर होप रिवर्स रैंप शॉट खेलने के प्रयास में लाइन के बाहर चले गए। इससे उनका बल्ला विकेट पर लग गया। अंपायर ने इस गेंद को वाइड गेंद करार दिया, मगर जैसे ही ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाड़ियों ने होप का बल्ला विकेट पर लगता देखा तो वे उत्साहित हो गये। इस प्रकार से आउट होने के मामले काफी कम दिखते हैं।

बीसीसीआई नये प्रायोजक की तलाश कर रहा - सैकिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि बोर्ड अब टीम के लिए नये (स्पॉन्सर) प्रायोजक की तलाश कर रहा है क्योंकि केन्द्र सरकार के ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध के बाद टीम की प्रयोजक ड्रीम 11 से करार समाप्त हो गया है। ऐसे में बोर्ड अब साल 2025 से 2028 तक के लिए नये प्रायोजक की तलाश कर रह है। इससे उसे करीब 452 करोड़ रुपये मिलेंगे।

ड्रीम 11 ने दो साल पहले 2023 में 358 करोड़ रुपये का करार किया था जो मार्च 2026 तक के लिए था पर सरकार के ऑन लॉइन गेमिंग कंपनियों पर प्रतिबंध से अब ड्रीम 11 सहित इस करोबार से जुड़ी कंपनियां स्पॉन्सरशिप की दौड़ से बाहर हो गयी हैं। इसी को देखते हुए सैकिया ने कहा, 卐सरकारी नियमों के चलते हम ड्रीम 11 जैसी किसी कंपनी के साथ अब करार जारी नहीं रख सकते। इसलिए हम नये साझेदार की तलाश कर रहे हैं।卐

साथ ही कहा कि कि नये प्रायोजक के साथ करार 2025 से 2028 तक होग और इसमें करीब 140 मैच शामिल रहेंगे। इनमें भारत की घरेलू और विदेशी द्विपक्षीय सीरीज के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एससीसी) के टूर्नामेंट भी शामिल होंगे। बोर्ड ने द्विपक्षीय मैचों के लिए प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपये

और आईसीसी व एससी मैचों के लिए 1.5 करोड़ रुपये की दर रही है। इस हिसाब से 2025-26 में 131 करोड़, 2026-27 में 162.5 करोड़ और 2027-28 में 158.5 करोड़ रुपये की कमाई का लक्ष्य है। इससे पहले ड्रीम 11 ने प्रति द्विपक्षीय मैच 3 करोड़ और आईसीसी व एसीसी मैचों के लिए 1 करोड़ रुपये की दर से पैसा दिया था। एशिया कप के शुरू होने में अब काफी कम दिन है। ऐसे में तब तक नया कंरार होना संभव नहीं है हालांकि बोर्ड अपनी ओर से प्रयास कर रहा है। करार के लिए कई कंपनियों के आगे आने की उम्मीद है क्योंकि भारतीय टीम की जर्सी पर नाम छपवाना ब्रांड्स के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसकों के पास पहुंचने का बड़ा अवसर होता है। जानकारों का मानना है कि समय की कमी के बावजूद इस डील के लिए कई कंपनियां आगे आयेंगी।

गौरतब है कि भारत का स्पॉन्सरशिप बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 में यह बाजार 6 फीसदी बढ़कर 16,633 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो 2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद से सात गुना बढ़ गया है। क्रिकेट का इस बाजार में 85 फीसदी हिस्सा है, हालांकि 2023 में यह 87 फीसदी था।

सैमसन और रिंकू की एशिया कप से पहले आक्रामक बल्लेबाजी

मुम्बई। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिली संजू सैमसन और रिंकू सिंह का बल्ला आजकल जमकर चल रहा है। ये दोनो ही अभी अलग-अलग जगहों पर टी20 लीग खेल रहे हैं। दोनों को ही अंदाज है कि एशिया कप के लिए चयन के बाद भी इन्हें अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में शायद ही शामिल किया जाये। इसलिए दोनो ही अभी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पक्की करना चाहते हैं।

रिंकू ने यूपीटी20 लीग में अपनी टीम की कप्तानी करते हुए काशी रुद्रास के खिलाफ 48 गेंदों में तेजी से 78 रन बनाये हैं। रिंकू सिंह ने इस पारी में 6 चौके और इतने ही छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 180 के करीब का था और उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलायी। अब तक उन्होंनें फिनिशर की भूमिका ठीक से निभाते हुए एक शतक और दो अर्धशतक लगाये हैं। वहीं सैमसन ने केरल क्रिकेट लीग में अब तक एक शतक 112 रन और दो 89 और 62 रन बनाये हैं। शतक उन्होंने 51 गेंदों में लगाया था जबकि अर्धशतक 46 और 37 गेंदों में ही लगा दिये थे।

सैमसन और रिंकू को अंतिम ग्यारह में इसलिए जगह मिलना कठिन है क्योंकि शुभमन गिल को पारी की शुरुआत करने का अवसर दिये जाने की संभावना है। ऐसे में सैमसन के लिए ओपनर के तौर पर जगह नहीं है, जबकि उन्हें मध्यक्रम के लिए अच्छा नहीं माना जाता। वहीं रिंकू के लिए भी मध्य क्रम या फिनिशर के रुप में जगह बनती नहीं दिख रही है।

अमेरिका के भारतीय एक्सपोर्ट पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ का असर

विदेशी निवेशकों ने अगस्त में भारतीय शेयर-बाजार से निकाले 35,000 करोड़

नई दिल्ली। अगस्त 2025 में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने भारतीय शेयर बाजार से करीब 35 हजार करोड़ रुपए (लगभग 4 बिलियन डॉलर यानी 34,993 करोड़ रुपए) निकाल लिए। यह पिछले छह महीनों में सबसे बड़ी बिकवाली है। इससे पहले फरवरी में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टस ने 34,574 करोड़ की बिकवाली की थी। बाजार एनालिस्टों का कहना है कि इसकी वजह अमेरिका के भारतीय एक्सपोर्ट पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ और भारत में शेयरों की ऊंची कीमतें हैं। जुलाई में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टस ने 17,741 करोड़ रुपए निकाले थे, यानी अगस्त की बिकवाली उससे लगभग दोगुनी रही। डिपॉजिटरी डेटा के अनुसार, 2025 में अब तक विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से टोटल 1.3 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं।

बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स नेट सेलर्स बने रहे। एनएसई के डेटा के अनुसार, 29 अगस्त को फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टस ने 8,312.66 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टस ने 9,679.99 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और

17,992.65 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। जानकारों के मुताबिक अमेरिका ने भारतीय एक्सपोर्ट पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया, जिससे निवेशकों का भरोसा डगमगा गया। इससे भारत के बिजनेस कॉम्पिटिशन और इकोनॉमिक ग्रोथ की संभावनाओं पर सवाल उठ रहे हैं। हिमांशु ने आगे बताया कि जून तिमाही में कुछ प्रमुख सेक्टरों की कॉरपोरेट कमाई उम्मीदों से कम रही, जिसने निवेशकों का उत्साह और ठंडा कर दिया। वहीं जियोजित इनवेस्टमेंट्स के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी.के. विजयकुमार का कहना है कि भारत में शेयरों की कीमतें अन्य बाजारों की तुलना में काफी ऊंची हैं। इस वजह से विदेशी निवेशक अपना पैसा सस्ते बाजारों में ले जा रहे हैं।

प्राइमरी मार्केट में निवेश जारी

हालांकि, फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने शेयर बाजार में बिकवाली के बावजूद प्राइमरी मार्केट (आईपीओ) में खरीदारी जारी रखी। इस साल अब तक उन्होंने आईपीओ के जरिए 40,305 करोड़ रुपए का निवेश किया है, क्योंकि वहां कीमतें उन्हें ठीक लगती हैं। वहीं फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने अगस्त में डेट जनरल लिमिट में 6,766 करोड़ रुपए का निवेश किया, लेकिन डेट वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 872 करोड़ रुपए निकाल लिए।

बाजार पर असर और भविष्य

अमेरिकी टैरिफ और ऊंची कीमतों की वजह से निफ्टी 50 और बीएसई सेंसेक्स में अगस्त में 1.4 प्रतिशत और 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई। रुपए की कीमत भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई, जो 88 प्रति डॉलर से नीचे चला गया। हालांकि, डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स और म्यूचुअल फंड्स के जरिए रिटेल निवेशकों ने बाजार को संभाला। डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने अगस्त में 7060 करोड़ रुपए की खरीदारी की। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत पॉजिटिव रही, तो यह बिकवाली अस्थायी हो सकती है। लंबे समय में भारत की मजबूत इकोनॉमिक ग्रोथ और डोमेस्टिक डिमांड निवेशकों को आकर्षित कर सकती है।

चीन से बढ़ते आयात के कारण भारत की आर्थिक स्थिति संकट में, आत्मनिर्भरता की नीति खोखली

केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावार अखिलेश यादव

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि चीन से बढ़ते आयात के कारण भारत की आर्थिक स्थिति संकट में है, और भाजपा की आत्मनिर्भरता की नीति खोखली साबित हुई है। पूर्व सीएम यादव ने पोस्ट में कहा कि चीन पर भारत की बढ़ती निर्भरता का असर हमारे स्थानीय उद्योगों और व्यवसायों पर पड़ रहा है। उनके अनुसार, इससे बेरोजगारी में भी तेजी से वृद्धि हो रही है।

अखिलेश यादव ने चेतावनी दी कि यह एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पहले चीन भारत के बाजारों में अपने सामान भर देगा, जिससे भारत की निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि भाजपा को चीन की गलत हरकतों को नजरअंदाज करना पड़ेगा। इसके बाद, चीन धीरे-धीरे भारतीय उद्योगों को बंद करा देगा और मनमाने दामों पर सामान की ब्रिकी करेगा। इससे महंगाई और बेरोजगारी बढ़ेगी, जिससे सरकार कमजोर होगी और चीन के अतिक्रमण का जवाब नहीं दे पाएगी।

इस मौके पर अखिलेश यादव ने कटाक्ष कर कहा कि जब सब कुछ हो जाएगा, तब भाजपा यही दोहराएगी कि न कोई... न कोई...!

उन्होंने भाजपा से पूछा कि क्या देश का कुल क्षेत्रफल उनके शासनकाल में कम हुआ है। उन्होंने कटाक्ष कर कहा कि अगर दिल्ली के नेता जवाब नहीं दे सकते, तब उत्तर प्रदेश के बुलडोजर वाले मुख्यमंत्री ही बताएं कि चीन ने भारत की कितनी जमीन पर कब्जा किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का मूल निवास स्थान भी चीन के कब्जे का शिकार हुआ है। यादव ने कहा कि जमीन का पलायन नहीं होता, जो जमीन चली जाती है वह वापस नहीं आती।

आज गदाईपुर फार्महाउस में शिफ्ट होने वाले पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़, यहीं होगा उनका अस्थायी पता

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अगले सप्ताह छतरपुर के गदाईपुर फार्महाउस में शिफ्ट होने वाले हैं। शहरी विकास मंत्रालय ने उनके लिए सरकारी बंगला आंवटित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ अगले हफ्ते सोमवार को 15 गदाईपुर फार्महाउस में शिफ्ट होने वाले हैं। चूंकि धनखड़ को अभी तक सरकारी बंगला अलॉट नहीं हुआ है। इसके बाद बंगले की मरम्मत और साज-सज्जा पूरी होने तक वे अस्थायी रूप से छतरपुर फार्महाउस में रहने वाले है।

सरकार के सूत्रों का कहना था कि धनखड़ ने शहरी विकास मंत्रालय को पत्र लिखकर नियमों के तहत मिलने वाले सरकारी आवास की मांग की है। हालांकि मंत्रालय ने अभी तक उन्हें बंगला अलॉट नहीं किया है। शहरी विकास मंत्रालय के अधीन आने वाले डायरेक्टर ऑफ एस्टेट ने धनखड़ के लिए 34 एपीजे अब्दुल कलाम मार्ग स्थित टाइप-8 का बंगला खाली कराया है, लेकिन सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों की ओर से उपराष्ट्रपति सचिवालय को बताया हैं कि इस बंगले की मरम्मत और साज-सज्जा का काम पूरा होने में करीब तीन महीने का समय लगेगा। परंपरा के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री को दिल्ली के लुटियन जोन में टाइप-8 श्रेणी का बंगला आवंटित होता है। इसके अलावा, अगर वे चाहें उन्हें उनके पैतृक स्थान पर दो एकड़ भूमि दी जाती है। धनखड़ ने अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति का पद संभाला था और 21 जुलाई 2025 को उन्होंने अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अब उन्हें सरकारी आवास की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

अफजल अंसारी ने संघ प्रमुख भागवत के बयान का किया समर्थन, नफरत की राजनीति बंद होना चाहिए

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद अफजल अंसारी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने एकता का आह्वान कर नफरत की राजनीति को नकारा था, की प्रशंसा करके पूर्वी यूपी में एक नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। साथ ही, अंसारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कड़ी आलोचना कर उन पर सामाजिक सद्भाव को नष्ट करने और आम नागरिकों के संघर्षों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

गाजीपुर में जिले की बिजली आपूर्ति पर समीक्षा बैठक के बाद अंसारी ने भागवत की एकता और भाईचारे पर हालिया टिप्पणी का स्वागत किया। अंसारी ने कहा, भागवत ने कहा कि देश को एकता और भाईचारे की ज़रूरत है और नफ़रत का कारोबार बंद होना चाहिए। यह स्वागत योग्य है और मैं उनकी सराहना करता हूँ। अन्य धार्मिक नेताओं को भी इससे सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व करने वाला दुनिया में आरएसएस से बड़ा कोई संगठन नहीं है। अगर इसके प्रमुख कहते हैं कि हर मंदिर और तीर्थस्थल में शिवलिंग ढूँढ़ने से देश कमज़ोर होगा, तब इस बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। मैं उनके शब्दों का स्वागत करता हूँ और दूसरों को भी उनके सकारात्मक संदेश का स्वागत करना चाहिए।

सपा सांसद ने कहा कि इस्लाम सदियों से भारत का अभिन्न अंग रहा है, इस तथ्य को भागवत ने भी स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, इस्लाम कोई नया धर्म नहीं है, यह भारत में बहुत लंबे समय से है और भागवत ने इस सच्चाई को स्पष्ट कर दिया है।

हालाँकि, जब अंसारी ने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर उनके निजी जीवन को लेकर निशाना साधा, तब सुर तुरंत राजनीति की ओर मुड़ गए। उन्होंने कहा, दिल्ली में बैठे आका का कोई परिवार नहीं है और उत्तर प्रदेश में बैठे आका का भी कोई परिवार नहीं है। इस पर, अंसारी के बगल में बैठे सपा विधायक जय किशन साहू ने चुटकी लेकर कहा कि वे कोशिश कर रहे हैं। अंसारी ने तुरंत जवाब दिया, मैं एक लाइसेंस प्राप्त परिवार की बात कर रहा हूँ, बिना लाइसेंस वाले परिवार की नहीं। यह उनका दुर्भाग्य है कि ईश्वर ने उन्हें संतान का आशीर्वाद नहीं दिया। अंसारी ने कहा कि मोदी और योगी बिना परिवार वाले हैं, यहाँ तक कि अपनी सात पीढ़ियों का ज़िक्र कर उन्होंने अपने व्यंग्य को और तीखा बनाने के लिए चाणक्य का भी ज़िक्र किया।

राजनीतिक मोर्चे पर, अंसारी ने बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव को भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के अवध और मगध वाले बयान की प्रशंसा कर कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस बार बिहार में तेजस्वी ही मुख्यमंत्री बनने वाले है। जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम क्यों नहीं लिया गया, तब अंसारी ने कहा, रहने दीजिए। वह एक बड़े नेता हैं।

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में युद्ध कौशल 3.0 बड़ा युद्ध अभ्यास किया

नई दिल्ली। जहां एक ओर चीन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के मतभेदों को खत्म करने की कोशिश की हैं वहीं, दूसरी ओर भारत दुनिया को दिखा रहा हैं कि वह अपनी भूमि के साथ एक इंच का भी समझौता नहीं करेगा। इसी कड़ी में भारतीय सेना ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के कामेंग क्षेत्र में युद्ध कौशल 3.0 नामक एक बड़ा युद्ध अभ्यास किया है। यह अभ्यास ऊंचे, दुर्गम इलाकों और कठोर मौसम की स्थितियों में युद्ध की तैयारियों को परखने के लिए किया गया था। इस अभ्यास में ड्रोन, एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और अन्य उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया।

इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य यह दिखाना था कि भारतीय सेना भविष्य के युद्धों के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें जमीन, हवा, अंतरिक्ष और साइबर जैसे कई डोमेन में एक साथ काम करने की क्षमता को प्रदर्शित किया गया। अभ्यास में खास तौर पर अश्विनी प्लाटूनों को भी शामिल किया गया, जो नई तकनीकों और युद्ध रणनीतियों को मिलाकर काम करते हैं।

यह अभ्यास तब हुआ है जब चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर अपनी दावेदारी करता रहा है। यह अभ्यास चीन को यह सीधा संदेश देता है कि भारत अपनी सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है और अपनी जमीन के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा। यह दिखाता है कि भारत कूटनीतिक बातचीत के साथ-साथ अपनी सैन्य ताकत को भी लगातार मजबूत कर रहा है।

मुंबई में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में शामिल हुए अभिनेता जैकी श्रॉफ

मुंबई। मुंबई में संडे ऑन साइकिल का आयोजन फिट इंडिया मूवमेंट के तहत किया गया। इस कार्यक्रम में अभिनेता जैकी श्रॉफ और केंद्रीय राज्य खेल मंत्री रक्षा खडसे मौजूद थे। फिट इंडिया अभियान से जुड़ें जैकी श्रॉफ ने युवाओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया अभियान से जुड़ें। उन्होंने कहा कि फोन और लैपटॉप के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्थ रखना जरूरी है।

जैकी श्रॉफ का मानना है कि अगर बच्चे मजबूत होते हैं, तब हमारा देश भी मजबूत होगा।

वहीं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रक्षा खडसे और जैकी श्रॉफ दोनों ने ही साइकलिंग को स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी बताया। रक्षा खडसे ने कहा कि साइकलिंग से प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या को भी कम किया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री मनसुख या ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि हमें प्रधानमंत्री मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट का पालन करने के लिए लगातार साइकलिंग करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि साइकलिंग हमें अपनी मिट्टी से जोड़ती है और आत्मनिर्भर भारत का संदेश देती है।

भारत बना यूक्रेन का सबसे बड़ा डीजल सप्लायर

जुलाई में हर दिन 2,700 टन डीजल बेचा, रूसी तेल की वजह से अमेरिका ने टैरिफ लगाया था

नई दिल्ली । भारत ने जुलाई 2025 में यूक्रेन को सबसे ज्यादा डीजल सप्लाई किया। यूक्रेन की ऑयल मार्केट एनालिटिक्स फर्म नाफ्टोरिनोक ने इस बात की जानकारी दी है। डीजल सप्लाई में यह उछाल एसे समय में आया है, जब अमेरिका ने भारत के रूसी तेल आयात को लेकर उस पर 50 प्रतिशत पनिशटिव टैरिफ लगाए हैं।

नाफ्टोरिनोक के मुताबिक, भारत ने इस महीने यूक्रेन की डीजल जरूरतों का 15.5 प्रतिशत हिस्सा पूरा किया, जो कि पिछले साल जुलाई 2024 में मात्र 1.9 प्रतिशत था। जुलाई 2025 में भारत ने हर दिन औसतन 2,700 टन डीजल यूक्रेन को भेजा, जो इस साल के सबसे ऊंचे मासिक निर्यात आंकड़ों में से एक है। यहां सबसे दिलचस्प बात यह है कि डीजल बनाने के लिए भारत सबसे ज्यादा कच्चा तेल रूस से ही खरीद रहा है जिसकी यूक्रेन के साथ जंग चल रही है। यानी, एक तरफ अमेरिका भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए सजा दे रहा है, और दूसरी तरफ भारत का डीजल यूक्रेन की युद्धकालीन अर्थव्यवस्था को सपोर्ट कर रहा है। यह वैश्विक कूटनीति और व्यापार की जटिलताओं को दर्शाती है।

युद्ध मशीन को फंडिंग दे रहा भारत

डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि भारत और चीन जैसे देश रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसकी युद्ध मशीन को फंडिंग दे रहे हैं। वहीं भारत का कहना है कि वह रूस से तेल इसलिए खरीद रहा है, क्योंकि यह सस्ता है और इससे भारतीय उपभोक्ताओं को किफायती कीमत पर ईंधन मिल रहा है।

रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा भारत

भारत सरकार ने कहा- वह रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा। दो सरकारी सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि ये लंबे समय के तेल अनुबंध हैं, जिन्हें रातोंरात रोकना मुमकिन नहीं है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है। रूस उसका सबसे बड़ा तेल सप्लायर है, जो भारत की कुल तेल जरूरत का करीब 35-40 प्रतिशत हिस्सा पूरा करता है। भारत का तर्क है कि रूस से सस्ता तेल खरीदने से न केवल उसकी अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ है, बल्कि वैश्विक तेल की कीमतों को स्थिर रखने में भी मदद मिली है। भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा- भारत का यह कदम अमेरिका और यूरोप की नीति के अनुरूप था। सस्ता रूसी तेल खरीदकर भारत ने तेल कीमतों को बढने से रोका।

रूसी तेल पर भारत पर पेनल्टी, लेकिन चीन पर नहीं

अमेरिका के टैरिफ ने भारत-अमेरिका के रिश्तों पर तनाव बढ़ा दिया है। भारत का कहना है कि अमेरिका ने उसे निशाना बनाया। रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार चीन है, लेकिन उसपर कोई पेनल्टी नहीं लगाई गई। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि चीन पर सजा लगाने से वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। भारत के विदेश सचिव ने हाल ही में कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बातचीत चल रही है। भारत अमेरिकी तेल खरीदने के लिए भी तैयार है, लेकिन रूस से तेल आयात को पूरी तरह बंद करना उसके लिए आर्थिक रूप से संभव नहीं है।

बीआरएस नेता रामाराव ने क्यों दी सीएम रेवंत रेड्डी को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करने की चुनौती

हैदराबाद। बीआरएस नेता केटी रामाराव ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पिछड़ा वर्ग बिल पारित करने के लिए दिल्ली में जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अगर सीएम रेड्डी वाकई पिछड़े वर्ग के हितैषी हैं, तब उन्हें बीआरएस प्रमुख केसीआर की तरह ही दिल्ली जाकर तब तक वापस नहीं आना चाहिए जब तक कि यह बिल पास नहीं होता।

दरअसल यह मामला तेलंगाना विधानसभा में पंचायती राज सुधार बिल पर चल रही बहस से जुड़ा है। बहस के दौरान बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष रामाराव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधकर कहा कि बैकवर्ड क्लास बिल को पास करवाने के लिए अब उन्हें अपना समर्पण दिखाना चाहिए। केटीआर ने इस दौरान बीआरएस सरकार द्वारा पिछड़े वर्गों के लिए

उठाए गए कदमों का भी जिक्र किया, जैसे कि 2004 में अलग ओबीसी वेलफेयर मंत्रालय की मांग। जाति जनगणना और विधानसभाओं में ओबीसी आरक्षण की मांग वाले प्रस्तावों को पारित करके केंद्र को भेजना। इसके जवाब में, मुख्यमंत्री रेड्डी ने बीआरएस पर पलटवार कर कहा कि 2018 में उनकी सरकार द्वारा बनाया गया कानून ही स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए बढ़े हुए आरक्षण को लागू करने में रुकावट बन गया है।

क्या है कानूनी अड़चन?

सीएम रेवंत रेड्डी के मुताबिक, पिछली बीआरएस सरकार ने 2018 में पंचायत राज अधिनियम और 2019 में नगरपालिका अधिनियम बनाया था, जिसमें चुनावों को 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा के भीतर ही कराने का प्रावधान था। अब यह कानून ही बाधा बन रहा है, जबकि कांग्रेस सरकार 42 प्रतिशत आरक्षण देना चाहती है। इस कानूनी बाधा को दूर करने के लिए, सरकार ने 50 प्रतिशत की सीमा हटाने के लिए एक अध्यादेश भी लाया और उस अध्यादेश को राज्यपाल के पास भेजा, लेकिन उस राष्ट्रपति के पास भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री रेड्डी ने बीआरएस नेताओं पर आरोप लगाया कि जब कांग्रेस सरकार सामाजिक न्याय के लिए आरक्षण बढ़ाना चाहती है, तब वे इसमें बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता पहले ही उन्हें उनकी गलतियों की सज़ा दे चुकी है और अगर वे नहीं बदले, तब जनता उन्हें दोबारा सत्ता नहीं देगी।

हिमाचल प्रदेश के कई जिलों के लिए जारी हुआ रेड अलर्ट, भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में बरसात का कहर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर मौसम विभाग ने प्रदेश के लिए अलर्ट जारी कर दिए हैं। हिमाचल में पांच जगह बादल फटने से कई घरों, वाहनों और सेब बगीचों को भारी नुकसान हुआ है। कुल्लू के हिड़व, शरची व बशला, रामपुर में ज्यूरी के बधाल और चंबा के चुराह में बादल फटे हैं। रामपुर के 12 से 20 क्षेत्र में भूस्खलन से पांच घर क्षतिग्रस्त हो गए। यहां मलबे में दबने से पिता-पुत्र घायल हुए हैं। शनिवार को मणिमहेश यात्रा मार्ग पर फंसे 6,000 श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर सरकारी, निजी वाहनों से उनके घर भेजा गया। हिमाचल प्रदेश में 3 नेशनल हाइवे के साथ 822 सड़कें बंद हैं। 1236 बिजली ट्रांसफार्मर और 424 पेयजल योजनाएं ठप हैं। एसईओसी के आंकड़ों के अनुसार, इस मानसून में राज्य को 3,042 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है और बारिश से जुड़ी घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में 320 लोगों की मौत हो चुकी है। 4,041 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। 20 जून से 30 अगस्त तक मानसून की शुरुआत के बाद से राज्य में 91 बार अचानक बाढ़, 45 बार बादल फटने और 93 बड़े भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। सिरमौर के नौहराधार में भयंकर लैंडस्लाइड का लाइव वीडियो सामने आया है। भयानक लैंडस्लाइड के समय सड़क पर बसें और गाड़ियां चल रही थीं। इसमें बैठी सवारियों ने भागकर जान बचाई। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर गृह मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश, बाढ़, अचानक बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन से हुए नुकसान के आंकलन के लिए अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय दलों का गठन किया।

वर्तमान में उद्यमियों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ लेना आसान होगा - डॉ.दयाशंकर मिश्र

लखनऊ। वाराणसी में आयोजित आत्मनिर्भर भारत एमएसएमई ओडीओपी समिट एंड बिजनेस एक्सपो का उद्घाटन कर राज्य मंत्री डॉ.दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि वर्तमान में उद्यमियों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ लेना आसान होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अब सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि एक हकीकत बन चुका है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन ने किया था, जिसका मुख्य उद्देश्य एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) उद्यमियों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहाँ वे अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर सकें और व्यापार के नए अवसरों की तलाश कर सकें। राज्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियाँ उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुँचाने के लिए

प्रतिबद्ध हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा कि उनका लक्ष्य वोकल फॉर लोकल अभियान को जन-आंदोलन बनाना और हर जिले के अनूठे उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है। सम्मेलन के पहले दिन कई सत्र आयोजित किए गए। इनमें अपर आयुक्त उद्योग, उमेश सिंह और एमएसएमई के संयुक्त निदेशक, एलबीएस यादव ने सरकारी सब्सिडी योजनाओं, पंजीकरण प्रक्रियाओं और क्रेडिट गारंटी जैसी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में एक बिजनेस एक्सपो 2025 का भी आयोजन किया गया है। इसमें उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत चुने गए उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है, जैसे वाराणसी की बनारसी सिल्क साड़ियाँ और मुरादाबाद के पीतल के बर्तन। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने और नवाचार को बढ़ावा देने वाले उद्यमियों को सम्मानित भी किया गया। यह सम्मेलन उद्यमियों को एक ही जगह पर विभिन्न सरकारी योजनाओं, बैंकिंग समाधानों, और व्यापार के नए तरीकों के बारे में जानने का अवसर दे रहा है, जिससे उन्हें आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

डंपर मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार

मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत- एक युवक गंभीर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर समनापुर रोड पर स्थित ग्राम विश्रामपुर के पास बेलगाम डंपर मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गया। डंपर की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। 31 अगस्त की शाम 7 बजे यह सड़क दुर्घटना ग्रामीण थाना क्षेत्र में उस समय हुई जब दोनों युवक बालाघाट से लामता जा रहे थे। मृतक युवक संदीप पिता स्व. संतोष बुंदेले 35 वर्ष ग्राम कोसमी बालाघाट निवासी है वहीं

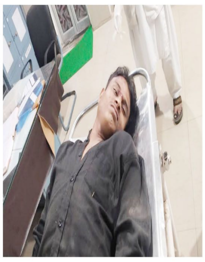

घायल आशीष पिता लक्ष्मी लाल सराठे 22 ग्राम भोरवाही थाना लामता निवासी है जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संदीप बुंदेले की ग्राम कोसमी में सेलून की दुकान है। जिसके परिवार में पत्नी के अलावा छोटे-छोटे बच्चे हैं। संदीप बुंदेले परिवार में अकेला था। इसके माता-पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। आशीष सराठे भी ग्राम कोसमी में सेलून की दुकान में काम करता है। 31 अगस्त को ग्राम लामता में संदीप बुंदेले की रिश्तेदारी में तेरहवीं का कार्यक्रम था। जिसने अपनी पत्नी और बच्चों को तेरहवीं के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ट्रेन से लामता भिजवा दिया था। शाम 6:00 बजे करीब संदीप बुंदेले नेअपनी सेलून की दुकान बंद की थी। जिसके बाद संदीप बुंदेले आशीष सराठे के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम कोसमी से लामता जाने के लिए निकले थे। शाम 7:00 बजे करीब बालाघाट से लामता की ओर जाते समय समनापुर रोड ग्राम विश्रामपुर के पास समनापुर तरफ से तेज रफ्तार से आ रहे डंपर मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गया। डंपर की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार संदीप बुंदेले और आशीष सराठे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही जिला मुख्यालय से मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टर के चेक करने पर संदीप बुंदेले को मृत घोषित कर दिया गया। संभवत संदीप बुंदेले की घटनास्थल में ही मौत हो चुकी थी। इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल आशीष सराठे को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने मोके की कार्रवाई करने के बाद मृतक संदीप बुंदेले का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है। जिसका पोस्टमार्टम 1 सितंबर को किया जाएगा।

कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से बेहोश कृषक की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेत मे कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के बाद एक कृषक की हालत बिगड़ गई। जिसकी नगर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई ।मृतक कृषक अंजित पिता होलाराम कुतराहे 30 वर्ष ग्राम पाथरवाडा थाना भरवेली निवासी है। कोतवाली पुलिस ने इस कृषक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषक अंजीत अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। बताया गया है कि 28 अगस्त को कृषक अंजित कुतराहे अपने खेत कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गया था। कृषक अंजित कुतराहे खेत मे कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के बाद शाम को घर पहुंचा था। कुछ देर बाद ही उसे चक्कर आने लगे उल्टी होने लगी थी। परिवार के लोगों ने अंजीत कुतराहे को नगर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किए थे । इस प्राइवेट अस्पताल में तीन दिन से चल रहे उपचार के दौरान 31 अगस्त को 10:00 बजे करीब अंजीत कुतराहे की मौत हो गई। इस प्राइवेट अस्पताल से अंजित कुतराहे की मौत की। होने की सूचना कोतवाली में दी गई थी। कोतवाली पुलिस ने प्राइवेट अस्पताल पहुंचकर मृतक अंजित कुतराहे का शव पंचनामा कार्यवाही किये और जिला अस्पताल में शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। कोतवाली पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है। बताया गया है कि कृषक अंजित कुतराहे के परिवार में माता-पिता के अलावा वे दो भाई तीन बहने हैं तीन बहने और बड़े भाई रंजीत कुतराहे की शादी हो चुकी है। अजीत कुतराहे कि शादी नहीं हुई थी।

सावधानी नहीं बरतने से कीटनाशक के प्रभाव में आ रहे हैं कृषक

इन दिनों कृषि कार्य के चलते कृषकों द्वारा अपने खेतों में फसल में लगे किट को मारने के लिये कीटनाशक दवाई का छिड़काव किया जा रहा है। किंतु फसल में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय सावधानी नहीं बरतने के कारण कृषक कीटनाशक दवाई से प्रभावित हो रहे हैं। अभी तक खासकर यह बात सामने आई थी कृषक कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय हाथों से गुटखा तंबाकू का सेवन कर लेते हैं। यहां तक की तंबाकू मलकर भी खा लेते हैं। जिससे कि हाथ में लगी कीटनाशक तंबाकू गुटखा के माध्यम से मुंह में चल जाती है। इसके बाद उन्हें चक्कर और उल्टी होने लगती है। मुंह से झाग निकलने लगती है। कीटनाशक दवाई से अत्यधिक प्रभावित होने के कारण कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने वाले की मौत हो जाती है

सावधानी बरतने पर कृषक नहीं आएंगे कीटनाशक के प्रभाव

कृषकों को कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए, जैसे की सुरक्षा किट पहनें, दस्ताने, मास्क, चश्मा और पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनना चाहिए। कीटनाशक का छिड़काव हवा की दिशा में करना चाहिए और सुबह या शाम के समय छिड़काव करना चाहिए , दोपहर की तेज धूप में या तेज हवा चलने पर कीटनाशक का छिड़काव नहीं करना चाहिए ।कीटनाशक के घोल को बनाते समय और छिड़काव के दौरान कुछ भी खाना पीना नहीं चाहिए। छिड़काव के बाद उपकरणों को अच्छे से धोएं, अपने कपड़ों को बदल कर अच्छे से नहाना चाहिए। इस सावधानी को अमल लाने से कभी कृषक कीटनाशक दवाई के प्रभाव में नहीं आ सकेंगे।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

मोती गार्डन में मर रहे दर्जनों साइबेरियन पक्षी, फैल रही बदबू

शुद्ध हवा लेने आने वाले वार्ड वासियों ने कहा पड़ेगा स्वास्थ्य पर बुरा असर, नपा से व्यवस्था बनाए जाने की करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इन दिनों शहर के मोती गार्डन में घूमने आने वाले लोग यहां की अव्यवस्था से बहुत अधिक परेशान है । यहां साइबेरियन पक्षी गार्डन में दर्जनों की संख्या में मृत पड़े हुये हैं । जिससे यहां बहुत अधिक दुर्गंध फैल रही है । यहां पर शुद्ध हवा लेने आने वाले वार्डवासियों की माने तो उन्होंने बताया कि आज मोती गार्डन में बहुत अधिक अव्यवस्थाएं फैली हुई है। इसे यहां के जिम्मेदारों को ध्यान देना चाहिए । जबकि देखा जाए तो शहर का यह एक इकलौता गार्डन है । जहां पर लोग कुछ समय शुद्ध हवा लेने के लिए अपने बच्चों के साथ पहुंचते हैं , किंतु इन दिनों बहुत अधिक बदबू फैलने की वजह से यहां लोग बहुत ही मुश्किलों से पहुंच रहे हैं । ऐसा ही रहा तो वह जल्द ही इस गार्डन में आना बंद कर देंगे । कुछ वार्ड वासियों ने तो यह भी बताया कि यदि इसी तरह से बदबू फैलते रही तो, जल्द ही इस बदबू से लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ेगा।

आपको बता दे की जिस प्रकार से नगर पालिका द्वारा शहर में सफाई व्यवस्था दिए जाने के दावे किए जाते हैं, किंतु उस प्रकार से शहर में सफाई व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही है । देखा जाए तो अभी भी शहर के ऐसे बहुत से प्रमुख क्षेत्र है, जहां पर आज भी उतनी अच्छी खासी सफाई व्यवस्था नजर नहीं आती है। कई सार्वजनिक स्थल है, जहां पर प्रतिदिन लोग जमा होते हैं , उन स्थानों पर भी नगर पालिका उतनी अच्छी सफाई व्यवस्था नहीं दे पा रही है। ताजा मामला शहर के मोती गार्डन का है। यहां पर देखा जाए तो सुबह और शाम को दर्जनों लोग आकर यहां से घूम कर जाते हैं , किंतु यदि सफाई व्यवस्था की बात करें तो इन दिनों मोती गार्डन में बहुत अधिक अव्यवस्थाओं

का आलम बना हुआ है। जबकि मोती गार्डन शहर का इकलौता ऐसा गार्डन है, जहां पर वार्ड वासी सुबह और शाम के समय दर्जनों की संख्या में जमा होते हैं और शुद्ध हवा लेने पहुंचते हैं , किंतु इन दिनों मोती गार्डन की शुद्ध हवा, बदबू में बदल गई है । जिसका प्रमुख कारण यहां पर पेड़ों पर दिखाई देने वाले साइबेरियन पक्षियों की मौत है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर यह साइबेरियन पक्षी क्यों और किस कारण से मर रहे हैं । 31 अगस्त को यहां पर घूमने आने वाले वार्ड वासियों द्वारा पद्मेश न्यूज़ को जानकारी दी की मोती गार्डन में दर्जनों की संख्या में साइबेरियन पक्षी मरकर गिरे हुए हैं । इन मृत पक्षियों से बहुत अधिक बदबू मोती गार्डन के परिसर में फैल रही है , किंतु नगर पालिका द्वारा इन मृत पक्षियों को नहीं उठाया जा रहा है। जिस कारण यहां पर बच्चे , बूढ़े और महिलाएं जो शुद्ध हवा लेने आ रही है उन्हें अच्छी खासी परेशानी हो रही है। लोग गार्डन में अपने मुंह और नाक पर कपड़ा रखकर आगे बढ़ रहे हैं ,वहीं कुछ वार्ड वासियों से हमने चर्चा की तो वार्डवासी अंजलि बिसेन और एम.पी बोपचे बताते हैं कि वह शाम के समय आज अपने परिजनों के साथ गार्डन में घूमने पहुंचे थे , किंतु गार्डन में आज पहले से भी अधिक बदबू फैल रही है। जिसका कारण यहां पर पक्षियों के मरे हुए अवशेष है। जिससे हवा के साथ बदबू पूरे परिसर में फैल रही है और यदि ऐसा ही आलम रहा तो यहां पर लोग आना बंद कर देंगे। इसका प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ेगा। उन्होंने नगर पालिका से मांग की है ,कि गार्डन में समूची व्यवस्था बनाई जाए और मरे हुए पक्षियों के अवशेष को जल्द से जल्द उठाया जाए। इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा संबंधित गार्डन के कर्मचारी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि वह जल्द ही मरे हुए पक्षियों के अवशेष को गार्डन से उठाकर व्यवस्था बनाने का काम करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट